# देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 13 मई 2025 | वर्ष –69 | अंक –177 पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.



■ भाजपा के असंतुलन ... ■ ऑपरेशन सिंदूर ... 04
■ भूकंप से फिर कांपी पाकिस्तान की धरती.. ■ मैं तुर्किए में पुतिन से मिलने को इच्छुकः जेलेंस्की 09
■ सीजफायर से पूरे जोश में शेयर बाजार ■ भारत ने दिया तुर्की को झटका.. 11
■ विराट कोहली ने ... ■ करिश्मा सानिल ने ... 10


सार संक्षेप

## विराट कोहली ने लिया टेस्ट क्रिकेट से सन्यास

**नई दिल्ली, (एजेंसियां)।** भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। विराट ने अपने सोशल मीडिया मंच पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की जानकारी देते हुए लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू पहनने के 14 साल हो गए। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, गढ़ा और जिंदगी भर साथ रहने वाले सबक सिखाए।' उन्होंने कहा, 'सफेद जर्सी में खेलना बहुत विशेष होता है। वे शांत संघर्ष, लंबे समय तक, और वो छोटे–छोटे पल जिन्हें शायद कोई नहीं देखता, लेकिन ये हमेशा दिल में रह जाते हैं। इस प्रारूप से अलग होना आसान तो नहीं था, लेकिन यह एक सही निर्णय है। मैंने इस प्रारूप को अपना सब कुछ दिया और इसने बदले में मुझे उससे कहीं ज्यादा दिया, जितनी मैंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। मैं इस खेल का, अपने साथ खेलने वाले हर साथी का और हर उस व्यक्ति का दिल से शुक्रगुजार हूं, जिसने इस सफर में मुझे सराहा। मैं हमेशा अपनी टेस्ट करियर की ओर मुस्कान के साथ देखूंगा।'

**टेस्ट मैचों में 9230 रन बनाए–** विराट कोहली ने अपने टेस्ट कॅरियर में 123 टेस्ट की 210 पारियों में 46.85 की औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए। इस दौरान नाबाद 254 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। उन्होंने 68 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जिसमें 40 में भारत की जीत और 17 में हार मिली, जबकि 11 मैच ड्रॉ भी हुए।

**(विस्तृत समाचार खेल पृष्ठ 10 पर)**

## प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को किया संबोधित

# "भारतीय सेना ने आतंकवाद के गढ़ को समाप्त किया"

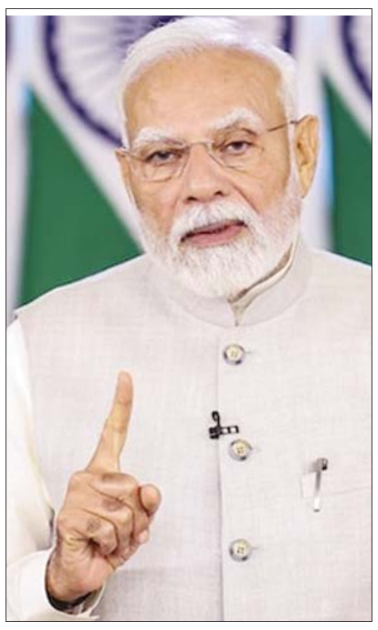

**नई दिल्ली, (देशबन्धु)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर भारत के लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। श्री मोदी ने देर शाम टेलीविजन पर कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकवाद के गढ़ को समाप्त कर दिया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद देश के लोग कड़ी कार्रवाई चाहते थे और सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर लोगों की भावना को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध नयी भारतीय नीति है। यह नया 'नार्मल' है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी कार्रवाई को नहीं सहा जाएगा और परमाणु बम की धमकी का जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद के आकाओं और उनको संरक्षण देने वाली सरकार को अलग- अलग नहीं देखेगी।

### सेना ने पाकिस्तान के सीने पर वार किया

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई से दुर्दांत आतंकवादी मारे गये। इनका संबंध में दुनियाभर की आतंकवादी घटनाओं से था। उन्होंने कहा कि सेना की कार्रवाई में आतंक के अड्डों का ध्वस्त किया गया। उन्होंने कहा, ''सेना ने पाकिस्तान के सीने पर वार किया।

श्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को फोन किया और कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इसके बाद आतंकवाद खिलाफ कार्रवाई रोकी गयी है लेकिन बंद नहीं की गयी है।

### खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

उन्होंने कहा कि इस सैन्य कार्रवाई में भारत में निर्मित हथियारों की गुणवत्ता देखी है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर यह समय युद्ध का नहीं है लेकिन यह आतंकवाद का भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद एक दिन खुद ही पाकिस्तान को समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो आतंक के ढांचे को खत्म करना ही होगा। उन्होंने कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। प्रधानमंत्री ने विश्व समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर जाता है।

## भारतीय सेना बोली- जरूरत पड़ने पर हर मिशन के लिए तैयार

**नई दिल्ली, (देशबन्धु)।** भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने आज कहा कि उनकी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों से थी और पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के पक्ष में लड़ाई में उतरने के कारण भारत को उसके सैनिक ठिकानों को निशाना बनाना पड़ा जिसके लिए पाकिस्तानी सेना खुद जिम्मेदार है।

भारतीय वायुसेना, नौसेना एवं थल सेना के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, तुर्की के ड्रोन हों या कहीं की भी कोई अन्य शस्त्र तकनीक हो.. हमारी स्वदेशी रक्षा प्रणाली, प्रशिक्षित योद्धा उससे मुकाबले के लिए तैयार हैं। ऑपरेशन सिन्दूर में हमारा नुकसान बेहद मामूली रहा है। हमारे सभी सैन्य प्रतिष्ठान, उपकरण, शस्त्र प्रणालियां पूरी तरह से कार्यशील हैं, जरूरत पड़ने पर हम अगले मिशन के लिए तैयार हैं।'

### भय बिनु होय ना प्रीतिः एयर मार्शल भारती

वायुसैनिक अभियान महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती ने कहा कि पाकिस्तान की सेनाओं ने विमानों, मिसाइलों, ड्रोन एवं यूएवी से भारत पर भीषण हमला करने की कोशिश की लेकिन हमारी परत दर परत मजबूत एवं आधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रणाली उसके सामने अभेद्य दीवार साबित हुई।

एयर मार्शल भारती ने दोहराया, हमारी लड़ाई आतंकवादियों एवं आतंकवाद से थी, पाकिस्तानी सेना से नहीं। पह अफसोस की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

### चीन निर्मित हथियार नाकाम साबित हुए

ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए चीन निर्मित हथियार नाकाम साबित हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वायुरक्षा प्रणाली को संदर्भों में समझने की जरूरत है। पिछले दस साल में सरकार से सेनाओं को जो बजटीय समर्थन मिला है उससे हमें देश की वायुरक्षा प्रणाली मजबूत एवं आधुनिक बनाने में बड़ी मदद मिली है।

## छत्तीसगढ़ में दर्दनाक सड़क हादसा

# ट्रक -ट्रेलर की भीषण भिड़ंत में 13 की मौत

**रायपुर, (देशबन्धु)।** छत्तीसगढ़ विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत सारागांव के पास रविवार रात सड़क हादसा हुआ, जिसमें 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बंगोली गांव के पास उस वक्त हुआ जब माजदा वाहन और ट्रेलर की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। मृतकों में 04 बच्चे और 09 महिलाएं शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी लोग बाना गांव में एक छठी कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव आरंग के चटौद लौट रहे थे।

**वाहन में करीब 50 लोग सवार थे** – माजदा वाहन में करीब 50 लोग सवार थे। जब वाहन बंगोली गांव के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि माजदा के परखच्चे उड़ गए और कई लोग वाहन में ही फंस गए। अब तक हादसे में जान गंवाने वाले 13 लोगों की पहचान हो चुकी है। मृतकों के नाम टिकेश्वरी साहू (45), मनहोरा, धरसीवा कुमारी महिमा साहू (18), गोंदवारा एकलव्य साहू (6), मोहंदी, धरसीवा प्रभा साहू (34), मोहंदी, धरसीवा नंदिनी साहू (53), मोहंदी, धरसीवा उमंग साहू (5 माह), आनंदगांव, बेमेतरा वर्षा साहू (28), आनंदगांव, बेमेतरा गीता साहू (54), मोहंदी, धरसीवा राजवती साहू (60), नगपुरा मंदिर, हसौद कृति साहू (50), चटौद, विधानसभा थाना कुंती साहू (55), चटौद, विधानसभा थाना टिकेश्वर साहू (35), चटौद, विधानसभा थाना भूमि साहू (4) वर्ष के तौर पर हुई है।

## उन्नाव में एक ही परिवार के 4 की मौत

**उन्नाव।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के अचलगंज थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस पहुंची तो अमित का शव फंदे पर लटका मिला, जबकि पत्नी और दो बेटियों के शव चारपाई पर पड़े मिले। पुलिस जांच कर रही है। एसपी दीपक भूकर ने बताया कि उन्नाव के अचलगंज के साहबखेड़ा गांव में अमित नामक व्यक्ति ने फांसी लगा ली है। प्रथम दृष्टया देखने से ऐसा लगता है कि पत्नी और दो बच्चियों को मारकर फिर खुद को फांसी लगा ली।

# मध्यप्रदेश की धरती पर अब नहीं बचेंगे नक्सली : मुख्यमंत्री

## चेतावनी-नक्सली सरेंडर करें, नहीं तो मारे जाएंगे

### मुख्यमंत्री ने नक्सल ऑपरेशन में शामिल 64 पुलिसकर्मियों को दी क्रम पूर्व पदोन्नति

**भोपाल, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष–2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में बालाघाट जिले के पिछले दिनों नक्सल मुठभेड़ों में शामिल रहे पुलिस फोर्स, हॉक फोर्स और विशेष सशस्त्र बल के 64 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्रम पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्य सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाएगा।

क्रम पूर्व पदोन्नति पुलिस इतिहास में स्वर्णिम क्षण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट कभी अत्यधिक नक्सल प्रभावित 12 जिलों की सूची में शामिल था। सरकार की मंशा और पुलिस के परिश्रम से अब केंद्र सरकार ने बालाघाट को गंभीर समस्या वाली श्रेणी से बाहर कर अन्य श्रेणी में रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैज लगाकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नत कर किया और बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को 4 दिन की लड़ाई में पस्त कर दिया। गृह मंत्री श्री शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित हो रहा है। राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। बालाघाट की धरती पर यह अलंकरण समारोह नक्सलियों को सीधा संदेश है कि वे सरेंडर करें नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश की धरती पर नक्सल का खूनी खेल अब नहीं चलेगा।

### सीजफायर के बाद बाजार के बदले हालात

## सेंसेक्स 2975 अंक की बढ़त के साथ बंद

**नई दिल्ली।** भारत–पाक सीजफायर के बाद सेंसेक्स और निफ्टी तूफानी तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स आज 3.74 प्रतिशत या फिर 2975.43 अंक की उछाल के साथ 82,429.90 पर बंद हुआ है।

दिन में एक वक्त सेंसेक्स की बढ़त 3000 अंक से अधिक हो गई थी। निफ्टी की बात करें तो यह आज 3.82 प्रतिशत या 916.70 की उछाल के साथ 24,924.70 पर बंद हुआ है। फरवरी 2021 के बाद शेयर बाजार में पहली बार आज इतनी बड़ी तेजी देखने को मिली है। फरवरी 2021 में घरेलू बाजारों में 4.7 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई थी। सेंसेक्स में आज टॉप 30 कंपनियों में से 28 कंपनियों के शेयरों में उछाल देखने को मिली है।

**(विस्तृत समाचार अर्थ जगत पृष्ठ पर)**

# ट्रम्प की घोषणा से देश ठगा महसूस कर रहा : कांग्रेस

## ट्रम्प द्वारा समझौते की घोषणा करना भारत की कूटनीतिक विफलता

**नई दिल्ली, (देशबन्धु)।** कांग्रेस ने कहा है कि पहलगाम हमले के बाद देश में उपजे संकट को लेकर हमने इस मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं की और आतंकवाद का सिर कुचलने के लिए हर मुद्दे पर सरकार का समर्थन करते रहे हैं लेकिन पाकिस्तान के साथ टकराव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का अचानक संघर्ष विराम पर समझौते की घोषणा करना भारत की कूटनीतिक विफलता है।

कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में सवाल किया कि संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ने अचानक सीजफायर की घोषणा कर दी, क्या यह भारत सरकार की कूटनीतिक नाकामी नहीं है। क्या भारत ने तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार कर लिया है या हमने श्री ट्रम्प के बयान से मध्यस्थता स्वीकार कर ली है और क्या शिमला समझौता अब रद्द हो गया है। उन्होंने कहा कि श्री ट्रम्प की घोषणा से देश ठगा महसूस कर रहा है और हम इस घोषणा से शर्मिंदगी में है।

इससे हमारा मस्तिष्क झुका है। ऐसे बहुत सवाल हैं और इसीलिए कांग्रेस मांग करती है कि सरकार इस पर सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाए, ताकि सारी स्थिति साफ हो सके। हम इस पर सरकार से पारदर्शिता की मांग करते हैं। उन्होंने कहा, इस दौरान कांग्रेस ने कोई राजनीति नहीं की और न सिर्फ सरकार का साथ दिया बल्कि संकट की इस घड़ी में पार्टी ने अपने सभी राजनीतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए। 'संविधान बचाओ रैली' जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया ताकि देश में एकजुटता का संदेश जाए। हमने 'जय हिंद यात्रा' निकाली ताकि

**- कांग्रेस ने फिर की संसद सत्र बुलाने की मांग**
**- मौजूदा स्थिति पर सरकार से पारदर्शिता की मांग**

सेना का मनोबल बढ़े और जनता आतंकवाद के ख़िलाफ़ एकजुट हो।

**भाजपा नेता राजनीति रंग देने का काम कर रहे–** हमने सरकार से कहा कि कितना भी बड़ा संकट आए, कांग्रेस आपके साथ है लेकिन जब पूरा देश सेना के साथ खड़ा था तो भाजपा नेता ट्विटर पर भाजपा और यूपीए सरकार की तुलना कर इस संकट को राजनीति का रंग देने का काम कर रहे थे।

उसके नेता सेना की बहादुरी को अपनी उपलब्धि बता रहे थे। सवाल है कि क्या सेना के बलिदान को चुनावी बयानबाजी में इस्तेमाल करना उचित है।

**रक्षा** | भारत - पाकिस्तान तनाव के बीच इसरो चीफ ने कहा..

# 'नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 10 उपग्रह लगातार कर रहे हैं काम'

**नई दिल्ली।** इसरो चेयरमैन डॉ वी नारायणन ने कहा है कि देश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उद्देश्य से 10 उपग्रह लगातार काम कर रहे हैं।

रविवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत अंतरिक्ष शक्ति बन रहा है और 2040 तक इसका पहला अंतरिक्ष स्टेशन होगा।

कार्यक्रम के दौरान इसरो प्रमुख ने कहा, आज, 34 देशों के 433 उपग्रहों को भारत से उठाकर कक्षा में स्थापित किया गया है। मुझे आपको यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि आज, देश के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उद्देश्य से 10 उपग्रह लगातार 24/7 काम कर रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बीच आई है। पिछले महीने

पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए देश ने 6 और 7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। जिसके बाद भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंचने की घोषणा की थी।

7,000 किलोमीटर लंबे समुद्र तट की निगरानी उपग्रहों के माध्यम से करनी होगी

नारायणन ने यह भी कहा, अगर हमें अपने देश की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो हमें अपने उपग्रहों के माध्यम से सेवा करनी होगी। हमें अपने 7,000 किलोमीटर लंबे समुद्र तट की निगरानी करनी होगी। हमें पूरे उत्तरी हिस्से की लगातार निगरानी करनी होगी। उपग्रह और ड्रोन तकनीक के बिना हम यह हासिल नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इसरो जलवायु ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

### सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

### बिरादरी की बात

**चूहा-सुनती हो**-कांग्रेस कह रही है युद्ध विराम पर ट्रंप की घोषणा से भारत ठगा सा रह गया।
**चुहिया- हां प्रिये**- जो होना था सो हो गया, अब अपने-अपने चश्मों से घटनाक्रम को देखने का क्रम चलता रहेगा।

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2020-2022

# देश-विदेश

## 15 मई को बिहार के दौरे पर पटना में रहेंगे राहुल गांधी

**पटना।** राहुल गांधी 15 मई को बिहार के दौरे पर पटना पहुंचेंगे, जहां वे सामाजिक न्याय के एजेंडे को लेकर कई अहम कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान राहुल गांधी पटना में सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ 'फुले' फिल्म देखेंगे, जो महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म जाति व्यवस्था पर गहरी चोट करती है और सामाजिक सुधार की प्रेरणा भी देती है। राहुल गांधी की यह पहल सामाजिक न्याय से जुड़े संदेश को बिहार में और मजबूती देने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

### स्कूल का फेल प्रोजेक्ट

## इंटरनेशनल मीडिया ने की भारत और पाकिस्तान प्रेस ब्रीफिंग की तुलना

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन के तनाव के बाद सीजफायर लागू हो गया है। दोनों ही देशों की सेनाओं की तरफ से इस लड़ाई में हुई हानि और लक्ष्यों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। भारत की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैन्य अधिकारियों ने जहां बिल्कुल सटीक और तथ्यात्मक तरीके से रखीं। वहीं इसके जवाब में पाकिस्तान की तरफ से भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। दोनों देशों की तरफ से की गई इन प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर इंटरनेशल मीडिया में भी काफी चर्चा हुई। भारतीय प्रेस कॉन्फ्रेंस को जहां सभी ने बेहतर और तथ्यात्मक बताया तो वहीं पाकिस्तानी प्रेस कॉन्फ्रेंस को मजाक उड़ाया गया।

ऑस्ट्रेलियाई न्यूज आउटलेट स्काई न्यूज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए दोनों देशों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच का अंतर और लोगों के इस पर रिएक्शन को दिखाया। इस वीडियो में बताया गया कि कैसे भारत की तरफ से गई प्रेस कॉन्फ्रेंस जहां सटीक और पूरी तरह से तथ्यों पर आधारित थी। भारतीय

सेना ने अपने उद्देश्यों अपने लक्ष्यों के पहले और बाद की तस्वीरों यहां तक की उस हमले में मारे गए आतंकियों के नामों तक को साफ किया। इतना ही नहीं सेना ने यह भी साफ किया कि कैसे उसके हथियारों ने केवल सटीक जानकारी के बाद ही आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

पाकिस्तानी प्रेस कॉन्फ्रेंस की बात करते हुए कहा गया कि पाकिस्तानी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना की तरफ से न तो कोई तथ्यात्मक बात पेश की गई और न ही कोई सबूत दिखाए गए। उनकी पूरी कॉन्फ्रेंस केवल सोशल मीडिया जारी तस्वीरों या फिर वहां चल रहे झूठ या दावों के आधार पर ही तैयार की गई। इतना ही नहीं पाकिस्तान की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस को और भी ज्यादा बढ़ाकर दिखाने के लिए भारतीय मीडिया आउटलेट्स की क्लिप्स को काट-काट कर दिखाया गया।

वह यह भूल गए की संघर्ष के समय पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट्स का हाल भी यही था। इस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान ने भारत के कई एयर बेस को नुकसान पहुंचाने का दावा किया लेकिन सबूत के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। इन दोनों प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखने के बाद आउट लेट ने भारतीय प्रेस कॉन्फ्रेंस के सामने पाकिस्तानी प्रेस कॉन्फ्रेंस को किसी स्कूल के फेल किए गए प्रोजेक्ट के समान बताया गया।

पाकिस्तान की गई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतंकी राउफ को भी मासूम मौलवी की तरह दिखाने की कोशिश की गई। यह वही राउफ हैं जिसको संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी घोषित करके रखा है।

## कर्ज लेकर खुश है पाकिस्तान, उधर भारत ने मालदीव को दे दी 420 करोड़ की सहायता

**नई दिल्ली।** हाल ही में जहां पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1 बिलियन डॉलर का कर्ज लेकर खुशी मना रहा है, वहीं भारत ने अपने पड़ोसी देश मालदीव को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 420 करोड़ रुपये) के ट्रेजरी बिल को रोलओवर करके वित्तीय सहायता दी है। यह कदम भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति को दर्शाता है, जिसके तहत मालदीव को आर्थिक संकट से उबारने में मदद की गई है। मालदीव सरकार के अनुरोध पर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मालदीव के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल को एक और वर्ष के लिए रोलओवर किया है। यह कदम भारत द्वारा मालदीव को दी जाने वाली आपातकालीन वित्तीय सहायता का हिस्सा है, जो दोनों देशों के बीच गहरे रिश्तों को दर्शाता है।

इस सहायता के लिए मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने भारत और विदेश मंत्री एस. जयशंकर का आभार व्यक्त किया है। अब्दुल्ला खलील ने सोमवार को लिखा, मैं डॉ. एस. जयशंकर और भारत सरकार का इस महत्वपूर्ण वित्तीय सहयोग के लिए हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। यह सहायता मालदीव और भारत के बीच घनिष्ठ मित्रता का प्रमाण है और हमारी सरकार की आर्थिक स्थिरता के लिए जारी सुधारात्मक प्रयासों में मदद करेगी।

**क्या बोला भारत?-** भारत में मालदीव के उच्चायोग ने भी इस फैसले पर आधिकारिक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है, मालदीव सरकार के अनुरोध पर, भारतीय स्टेट बैंक ने वित्त मंत्रालय द्वारा जारी 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सरकारी ट्रेजरी बिल को एक साल के लिए बिना ब्याज के सब्सक्राइब किया है। यह भी बताया गया कि भारत सरकार 2019 से ऐसे ट्रेजरी बिल्स को सब्सक्राइब करती आ रही है और हर साल इन्हें नवीनीकृत किया जाता रहा है — वह भी बिना किसी ब्याज के, जो कि एक विशेष सरकार-से-सरकार के बीच की व्यवस्था है। बयान में आगे कहा गया, मालदीव भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी और 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति एवं 'महासागर' दृष्टिकोण का एक अहम भागीदार है। भारत की इस मदद को हाल ही में मालदीव को दी गई आवश्यक दवाओं की आपूर्ति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। 10 मई को भारत ने एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के माध्यम से मालदीव को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने का वादा किया था। इसके तहत मालदीव सरकार की स्टेट ट्रेडिंग ऑर्गनाइजेशन और एचएलएल के बीच एक रणनीतिक समझौता हुआ है, जो भारत की 'प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना' के अंतर्गत दवाओं की सुलभ और सस्ती आपूर्ति सुनिश्चित करता है। भारत की इस आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी मदद को दोनों देशों के बीच गहराते संबंधों का संकेत माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब दक्षिण एशिया में भारत-पाकिस्तान तनाव भी बना हुआ है।

**ट्रेजरी बिल का रोलओवर- क्या है इसका मतलब?-** मालदीव की सरकार को पैसे की जरूरत थी, लेकिन उसके पास अभी पर्याप्त पैसा नहीं था। ऐसे में मालदीव ने भारत से मदद मांगी। भारत ने मालदीव को 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 420 करोड़ रुपये) का एक ट्रेजरी बिल दिया था। ट्रेजरी बिल एक तरह का कर्ज होता है, जो सरकारें जारी करती हैं और बाद में उसे चुकाना होता है।

### पुलिस ने 11 गांव के लोगों को सावधान किया

## कई सीमावर्ती गांवों में अभी भी सैंकड़ों अनफूटे बम खतरा

**- सुरेश एस डुग्गर**

**जम्मू, (देशबन्धु)।** सीजफायर के तुरंत बाद सेना और पुलिस के बम डिस्पोजल दस्तों की त्वरित कार्रवाई का नतीजा ही था कि कई गांवों पाक सेना द्वारा दागे गए अनफूए बमों को नष्ट करने की कार्रवाई तेज कर दी गई थी। इसी का परिणाम था कि बारामुल्ला जिला प्रशासन ने उड़ी सेक्टर में इन अनफूटे बमों के सुरक्षित निपटान के बाद छह गांवों में लोगों को लौटने की अनुमति दे दी है। हालांकि बहुत से एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर के गांवों में यह कवायद जारी है जहां सैंकड़ों की संख्या में अनफूटे हुए गोले खतरा बने हुए थे।

अधिकारियों ने बताया कि कमलकोट, मधान, गौहलान, सलामाबाद (बिजहामा), गंगरहिल और गवाल्टा गांवों में 7 अनफूटे बमों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया है। एलओसी पर हाल ही में हुई तनातनी के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा क्षेत्र को सुरक्षित करने के निरंतर प्रयासों के बाद यह मंजूरी दी गई है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इन छह गांवों से निकाले गए लोग अब अपने घर लौट सकते हैं। पता लगाए गए अनफूटे गोलों के सुरक्षित निपटान की पुष्टि के बाद यह निर्णय लिया गया। हालांकि, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इन और अन्य क्षेत्रों में अभी भी और अधिक अनफूटे बम मौजूद हो सकते हैं और उनका पता नहीं चल पाया है। जिले में 17 स्थानों पर कुल 20 अनफूटे बम की

### छह गांवों में लोगों को घर लौटने की अनुमति

शुरुआत में सूचना मिली थी। इस बीच, निवासियों को किसी भी संदिग्ध वस्तु को छूने या उसके पास जाने से बचने और तुरंत बारामुल्ला पुलिस या निकटतम सुरक्षा कर्मियों को रिपोर्ट करने की सख्त सलाह दी गई है।

जबकि बारामुल्ला पुलिस ने एक सार्वजनिक सुरक्षा सलाह जारी की है, जिसमें अनफूटे बमों से जान-माल को होने वाले गंभीर खतरे को रेखांकित किया गया है, और निरंतर सतर्कता बरतने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिलों में रात भर स्थिति शांत रही और ड्रोन गतिविधि, गोलीबारी या गोलाबारी की कोई खबर नहीं मिली।

**सेना और सुरक्षा बल अब भी हाई अलर्ट पर**

सेना और सुरक्षा बलों ने अपनी चौकसी कम नहीं की और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर हाई अलर्ट पर बने रहे, लेकिन रात के दौरान उरी, कुपवाड़ा, पुंछ, राजौरी, जम्मू, सांबा, कठुआ और बांदीपोरा जिलों से किसी भी ड्रोन घुसपैठ या सीमा पार से गोलीबारी व गोलाबारी की खबर नहीं मिली।

### भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने दी जानकारी

## भारत के 32 एयरपोर्ट का संचालन फिर से शुरू

### कुछ उड़ानों का समय बदल सकता है

**नई दिल्ली, (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार ने हिंडन, श्रीनगर, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट और भुज समेत देश के 32 हवाई अड्डों को नागरिक विमान परिचालन के लिए फिर से खोल दिया है। सरकार ने पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर इन हवाई अड्डों पर संचालन 15 मई 2025 को सुबह पांच बजकर 29 मिनट तक के लिए अस्थायी रूप बंद कर दिया था। अब इस पाबंदी को अब हटा लिया है। ये हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान परिचालन के लिए उपलब्ध हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर कहा कि यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइनों से सीधे उड़ान की स्थिति की जांच करें और नियमित अपडेट के लिए एयरलाइन की वेबसाइटों पर नजर रखें। गौरतलब है कि विमानन प्राधिकरणों ने 10 मई को उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी तरह के नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की थी। प्राधिकरण ने जिन हवाई अड्डों पर परिचालन के लिए अस्थायी पाबंदी लगायी थी, उनमें उधमपुर, अम्बाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर,

### पहले 15 तक बंद करने का निर्णय लिया था

कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर), लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई शामिल थे। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने एक बयान में कहा, दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी कार्य सामान्य रूप से चल रहे हैं। हालांकि, बदलती हवाई क्षेत्र की स्थिति और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है और सुरक्षा जांच में अधिक समय लग सकता है।

## भारत -पाकिस्तान के बीच हुई डीजीएमओ स्तर की वार्ता

**नई दिल्ली।** भारत और पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच सोमवार को हॉटलाइन पर बात हुई। सेना ने सोमवार शाम हुई इस बातचीत की पुष्टि की है। दोनों ओर से गोलीबारी और हवाई हमले बंद होने के बाद हुई यह बातचीत काफी अहम मानी जा रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत की सफल जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए थे। इस लड़ाई में बुरी तरह पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने भारत के समक्ष 10 मई को संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा था, जिसे भारत ने अपनी शर्तों पर स्वीकार कर लिया। इसी विषय पर भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण चर्चा की। इसमें नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम को लेकर चर्चा की गई। भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई पाकिस्तान के साथ सैन्य स्तर की इस वार्ता में शामिल हुए। पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व वहां के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्लाह ने किया। पाकिस्तान ने कहा है कि अब वह इस टकराव को आगे नहीं बढ़ाएगा।

## मणिपुर में दो महीने में लोकप्रिय सरकार बनेगी : लीशेम्बा

**इंफाल।** मणिपुर से भाजपा के एकमात्र राज्यसभा सदस्य महाराजा सनाजाओबा लीशेम्बा ने रविवार को उम्मीद जताई कि अगले दो महीने के अंदर राज्य में एक लोकप्रिय सरकार बन जाएगी। राज्यसभा सदस्य ने सभी राजनीतिक नेताओं से राज्य के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। 53 वर्षीय सांसद ने मीडिया से कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि अगले दो महीने में मणिपुर में एक लोकप्रिय सरकार स्थापित हो जाएगी।

**नागरिकों की सुरक्षा....** परिवर्तन और वायु प्रदूषण का अध्ययन करने और मौसम की निगरानी करने के लिए जी 20 देशों के लिए एक उपग्रह विकसित कर रहा है।

'वॉर कोई रोमांटिक बॉलीवुड मूवी नहीं है', पूर्व आर्मी चीफ मनोज नरवणे बोले - अगर आदेश दिया जाता है तो मैंज्

उन्होंने कहा, आज, हमारे श्रेय के लिए, हमने प्रक्षेपण वाहनों की एक पीढ़ी विकसित की है। हमारे पास 1975 में हमारा पहला उपग्रह था। तब से, आज तक हमने विभिन्न प्रकार और क्षमता के 131 उपग्रहों की कल्पना और निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर एक महंगा और उन्नत अर्थ-इमेजिंग उपग्रह बनाएंगे, जिसे भारत से ही प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि आजादी के बाद से देश ने जो प्रगति की है, वह अभूतपूर्व और उत्कृष्ट है। नारायणन ने याद किया, 1969 एक ऐतिहासिक वर्ष था क्योंकि उसी वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का गठन हुआ था। जब हमने अपना अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू किया था, तब हम उन्नत देशों से 70 वर्ष पीछे थे। हमारे पास कोई उपग्रह प्रौद्योगिकी नहीं थी। उन्होंने कहा कि देश को हर पहलू में विकास की आवश्यकता है और कृषि राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने छात्रों से कहा, आज आपको जो डिग्रियाँ प्राप्त हुईं, वे राष्ट्रीय महत्व की हैं। आप 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

**भारतीय सेना बोली....** आतंकवादियों के समर्थन में इस लड़ाई में शामिल होने का फैसला किया। इसलिए इस संघर्ष में पाकिस्तान को जो भी नुकसान हुआ है, उसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं। उन्होंने आतंकवादियों के व्यवहार में आये अंतर का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों से आतंकवादी धार्मिक स्थलों एवं यात्राओं को निशाना बनाने लगे थे और पहलगाम में उनका पाप का घड़ा भर गया था। उन्होंने रामचरित मानस के सुंदर कांड की पंक्तियों का जिक्र करते हुए कहा, 'विनय न मानत जलधि जड़, गए तीन दिन बीति। बोले राम सकोप तब भय बिनु होय ना प्रीति।

**हमारे एयरफील्ड को निशाना बनाना बहुत कठिन**

देश के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की जानकारी साझा करते हुए विराट कोहली के रिटायरमेंट की चर्चा की। डीजीएमओ ने भारतीय वायु रक्षा प्रणाली और 1970 के दशक की ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की गेंदबाजी लाइनअप के बीच तुलना की और कहा कि पाकिस्तानी ड्रोनों के लिए भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों को भेदना 'बहुत कठिन' था।

## दोहरी मार: भारत के बाद अब बलूचों ने तोड़ी पाकिस्तान की कमर

**बलूचिस्तान।** भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा हुई है। इससे पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर कई आतंकी ठिकाने नष्ट किए जिसमें कई वांछित आतंकी मारे गए। संघर्ष के बाद पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ।

इस बीच बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में 51 जगहों पर 71 हमले किए हैं और तख्तापलट की चेतावनी दी है। बीएलए ने पाकिस्तानी सैन्य काफिले को निशाना बनाया है।

इस बीच अब पाकिस्तान खुद अपने ही देश में घिर गया है। दरअसल, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने कब्जे वाले बलूचिस्तान में 51 जगहों पर 71 हमले किए हैं। हमलों की जिम्मेदारी खुद बीएलए ने ली है। एक बयान में, बीएलए ने तख्तापलट की भी चेतावनी दी है।

**बीएलए ने तख्तापलट की दी चेतावनी**

बीएलए ने घोषणा की है कि दक्षिण एशिया में एक नई व्यवस्था अपरिहार्य हो गई है। विदेशी प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के सभी आरोपों

### 51 जगहों पर किये गये 71 हमले

को खारिज करते हुए, बीएलए ने खुद को क्षेत्र के उभरते रणनीतिक परिदृश्य में एक गतिशील और निर्णायक पक्ष बताया।

**पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर हमला**

इस बीच, बीएलए ने हमलों के जरिए कथित तौर पर पाकिस्तानी सैन्य काफिले, खुफिया केंद्रों और खनिज परिवहन कार्यों को निशाना बनाया, जो पाक सरकार को चुनौती देने के व्यापक अभियान का हिस्सा थे। इस सबके चलते पाकिस्तान की हालत निरंतर बिगड़ती जा रही है। वहीं सत्ता और सेना के बीच की खाई भी बढ़ी है।


**न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मण्डला (म.प्र.)**

(पीठासीन अधिकारी नेहा रहमान)

प्रो नं. S/C-45/05

RCS-146/2024

पेशी दिनांक-16.06.2025

योगेन .........................वादी

विरूद्ध

नीरज परमार व अन्य.........प्रतिवादीगण

प्रेषितिगण -

1. घरमेश पिता मोहन लाल परमार उम्र 38 वर्ष निवासी अनगढ़ महावीर मंदिर के पास 24 गोरखपुर, जबलपुर तहसील व जिला जबलपुर (म.प्र.)

2. गीतेश पिता स्व. मनसुख लाल परमार उम्र 48 वर्ष निवासी 24 ब नर्मदा पोली पाथर थाना गोरखपुर तहसील व जिला जबलपुर (म.प्र.)

**- आम इश्तहार -**

इस आम इश्तहार के माध्यम से आप प्रेषिति/प्रतिवादी क्र-6 धरमेश परमार एवं प्रेषिति/प्रतिक्दी क्र-14 गीतेश को सूचित किया जाता है कि वादी के द्वारा इस न्यायालय में घोषणा, कब्जा तथा बंटवारा हेतु व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है।

अस्तु आप प्रेषितिगण / प्रतिवादी क्रं 6 एवं 14 को सूचित किया जाता है कि आप प्रेषितिगण / प्रतिवादी क्र-6 एवं 14 को इस प्रकरण में वादी के द्वारा अनेक बार से रजिस्ट्री के माध्यम से उपस्थिति हेतु तलवाना पेश किया गया परंतु आप प्रेषितिगण आज दिनांक तक माननीय न्यायालय के समक्ष बिना उचित कारण के अनुपस्थित 16.06.2025 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं / अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर जवाब पेश करें। नियत दिनांक तक यदि किसी प्रकार की कोई जवाब / प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो आगे आपके विरूद्ध न्यायालीन कार्यवाही की जावेगी। यदि नियत दिनाँक को किसी कारणवश सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है तो प्रकरण ठीक अगले कार्य दिवस में सुना जावेगा। आज दिनाँक 10/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।

मण्डला, दिनाँक 10/05/2025

**नेहा रहमान द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मण्डला (म.प्र.)**

**In The Court of Principal Judge Family Court District Court, Jabalpur**

presiding Officer: विजय सिंह कावछा

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)

आदेषिका क्रमांक..... पेशी दि. 19.6.2025

श्रीमती छाया रैकवार

Vs

संजय बर्मन

प्रेषिती-

(1) संजय बर्मन पिता मुरली बर्मन उम्र करीबन 45 वर्ष द्वारा अज्जू बर्मन विजय श्रीवास्तव के मकान में किराये से त्रिमूर्ति नगर थाना गोहलपुर जिला जबलपुर

यह कि प्रार्थी श्रीमती छाया रैकवार ने आपके विरूद्ध धारा 13 ए हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 के लिए वाद संस्थित किया है जिसकी पेशी दिनांक 19.06.2025 को 11 बजे है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 07 मई 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा-

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय में अवकाश पर रहेगा तो आगामी पेशी दिनांक पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(विजय सिंह कावछा)

र.नं. 497 प्रधान न्यायाधीश

कुटुम्ब न्यायालय, जबलपुर, (म.प्र.)

**निविदा/ नियुक्ति/ जाहिरात**

**न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी, जबलपुर**

**आम इश्तहार**

रा.प्र.क्रं/1721/अ-6/2024-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नर्बद उर्फ नर्बदा प्रसाद अहिरवार पिता स्व. जेठू उर्फ जेठूआ अहिरवार निवासी कजरवारा, जबलपुर द्वारा ग्राम कजरवारा प.ह.नं. 22 नं.ब. 805 रकबा 112, 313 वर्गफुट सहमति पत्र के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त भूमि आवेदक/ आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/ एतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति तहसील रांझी के कक्ष क्रं. 32 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयाविधि के बाद दावा/ आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 8/05/25 को जारी।

जारी दिनांक-09/05/2025

पेशी दिनांक-26/05/2025

अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर

र.नं. 398

# देश-प्रदेश

उवाच

## आतंकवाद के खिलाफ दिया सख्त संदेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी ने आपरेशन सिन्दूर में भारतीय सशस्त्र बलों के पराक्रम की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि सेना ने देश की रक्षा करने के साथ ही आतंकवादी ठिकानों को तबाह करके समूचे विश्व को आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, सशक्त और निर्णायक संदेश दे दिया है। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ.. संबित पात्रा ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तान ने 22 अप्रैल को आतंकवादी घटना के माध्यम से भारत की वीरता और संप्रभुता को चुनौती देने का दुस्साहस किया।

मुख्यमंत्री ने की उज्जैन में सिंहस्थ के कार्यों की समीक्षा, दिए निर्देश

# सिंहस्थ-2028 के कार्यों की निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करें

- साधु, संत और श्रद्धालुओं की आस्था को सर्वोपरि रखें
- शहर के आसपास सड़कों का जाल बिछेगा

**भोपाल, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है सिंहस्थ निर्माण कार्यों में शहर के आसपास सड़कों का जाल बिछाकर यातायात सुगम किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र की कनेक्टविटी 4 लेन और 6 लेन मार्गों से की जा रही है। सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे आवश्यक मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में सभी गणमान्य नागरिकों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करें। आवश्यक मार्गों पर एलिवेटेड ब्रिज बनाए जाएंगे जिससे नीचे व्यापार प्रभावित ना हो और ट्रैफिक भी सुचारू रूप से चल सके।

डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सभी सिंहस्थ कार्यों की निगरानी आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर करें, जिससे कार्य की भौतिक प्रगति के साथ कार्य की गुणवत्ता का आंकलन भी हो सके। डॉ. यादव आज सिंहस्थ के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन कलेक्टर कार्यालय सभागृह में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ की तैयारी में साधु-संत और श्रद्धालुओं की भावनाओं को सर्वोपरि रखकर कार्य योजना को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कार्य योजना की जानकारी लेकर कहा कि सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता और मापदंडों के अनुसार हो। सभी कार्यों में निर्माण एजेंसियां समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि रेलवे से समन्वय बनाकर शासन के सभी आवश्यक विभाग इंटीग्रेटेड कार्य योजना बनाए, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुव्यवस्थित रूप से हो सके।

डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मेले में सेना भी मौजूद रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी मुख्य देव-स्थानों को जल्द ही देवलोक के रूप में विकसित करने की कार्य योजना बनाए। उज्जैन में न्यायपालिका द्वारा भी न्यायिक संस्था शुरू की जाएगी। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज निर्माण की समीक्षा के दौरान डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिले को मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने के लिए योगा, वेलनेस, नेचुरोपैथी, एलोपैथी और आयुर्वेद के केंद्रों के साथ मेडिकल डिवाइस उद्योग, फार्मा कंपनियों और मेडिकल रिसर्च संस्थाओं को साथ लेकर एकीकृत कार्ययोजना तैयार करें। नगर निगम और अन्य संस्थाएं भी अपने मद से किए जाने वाले शहर के कार्य निरंतर करें। उन्होंने कहा कि मालवा क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। संभागायुक्त संजय गुप्ता, सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जनप्रतिनिधि संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी, राजेंद्र भारती, डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा-

## प्रधानमंत्री मोदी ने किया आतंकवाद के विरूद्ध भारत की नीति का उद्घोष

**भोपाल, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नागरिकों को संबोधित करते हुए भारत की आतंकवाद के विरूद्ध नीति का उद्घोष किया है। भारत ने आपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। यह एक वाक्य भारत का संदेश समझने के लिए काफी है। भारत ने पहलगाम की घटना में जिन बहनों का सिंदूर उजड़ा उसका हिसाब पाकिस्तान से चुकता करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत अर्थ व्यवस्था बना है, साथ ही राष्ट्रवासियों ने धारा 370 को समाप्त होते देखा है। राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे कठिन निर्णय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिए, जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जो मार भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइलों से की उससे कहीं अधिक मार आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के शब्दों से हुई है और इस संबोधन ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सेना अध्यक्ष सहित अन्य दुश्मनों की जमीन खिसका दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा राष्ट्र को दिए गए संबोधन के बाद अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि दुनिया बदलते दौर का भारत देख रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को भरोसा दिलाया है और उन्हें आत्मविश्वास से भर दिया है। ऊर्जा से लबरेज कर दिया है। उन्होंने उत्साह और उमंग से सेनाओं का हौसला भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सक्षम नेतृत्व में सेना ने सिर्फ 5 दिन में जबरदस्त प्रतिकार करते हुए पाकिस्तान की कमर तोड़ने का कार्य किया है।

# आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के विक्रम राव का निधन

### निजी अस्पताल में ली अंतिम सांस

**लखनऊ, एजेंसी।** वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के विक्रम राव का 87 वर्ष की आयु में आज सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। सांस रोग से पीड़ित डॉ. राव ने सांस लेने में तकलीफ होने पर सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराए गए। जहां उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

डॉ. राव अपने पीछे बड़ी बेटी विनीता, बेटे सुदेव व विश्वदेव और पत्नी डॉ. के सुधा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। डॉ. राव एक सिद्धांतवादी, जुझारू, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकार थे। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में कई दशक काम किया। श्रमजीवी पत्रकारों की आवाज को उन्होंने बेहद प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय स्तर पर बुलंद किया।

उनके निधन पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, ने एक्स पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि - वरिष्ठ पत्रकार के. विक्रम राव का निधन अत्यंत दु:खद एवं पत्रकारिता जगत की अपूर्णीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि ! मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठके सहित उत्तरप्रदेश के अन्य नेताओं ने डॉ. राव के निधन पर शोक जताया है।

### मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दुख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी वरिष्ठ पत्रकार डॉ. के. विक्रम राव के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजन के साथ हैं। डॉ. राव की आत्मा की शांति और उनके शोकाकुल परिजन को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की है।

## जम्मू-कश्मीर में सभी स्कूल व कालेज आज से खुलेंगे

**श्रीनगर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर में सीमावर्ती जिलों को छोड़कर सभी स्कूल और कॉलेज मंगलवार से फिर से खुलेंगे। राज्य की स्कूल एवं उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने सोमवार को इस आशय की घोषणा की। जम्मू-कश्मीर के गैर-सीमावर्ती जिलों में मंगलवार से सभी स्कूल और कॉलेज फिर से खुलेंगे। उन्होंने हालांकि बताया कि कश्मीर में बारामुल्ला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिले के सब-डिवीजन गुरेज में स्कूल बंद रहेंगे। इस बीच कश्मीर स्कूल शिक्षा निदेशक ने कहा कि सीमावर्ती जिलों कुपवाड़ा, बारामुल्ला और बांदीपुरा के सब-डिवीजन गुरेज को छोड़कर सभी स्कूल खुलेंगे।

## दोनों राकांपा के विलय का कोई प्रस्ताव नहीं : प्रफुल्ल

**गोंदिया, एजेंसी।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नेता प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को कहा कि राकांपा के दोनों गुटों के विलय का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। पटेल ने कहा कि इस पर केवल मीडिया में चर्चा हो रही है और इस पर अपना व्यक्तिगत विचार व्यक्त करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी के भीतर सभी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे और अगर उस चर्चा में कुछ सामने आता है, तब उस पर बात करना सही होगा। राकांपा का विभाजन दो जुलाई, 2023 को हुआ था, जब पवार कई अन्य पार्टी नेताओं के साथ अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा से अलग हो गए और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा-शिवसेना गठबंधन में शामिल हो गए।

## दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण रद्द

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र का कल से शुरू होने वाला दूसरा चरण रद्द कर दिया गया है। विधानसभा सचिवालय की ओर से सोमवार को इसकी जानकारी दी गई है। सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा कि सरकार ने 13 और 14 मई को होने वाला सत्र स्थगित करने का फैसला किया है। बजट सत्र का पहला चरण 24 मार्च को शुरू हुआ था जब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार का पहला बजट पेश किया था।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025

# मप्र 9 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 24 पदकों के साथ 5वें स्थान पर

**भोपाल, देशबन्धु।** दिनांक 4 से 15 मई 2025 तक खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन बिहार में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी खेल का शानदार प्रदर्शन कर रहें है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश 9 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 24 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। आज मध्यप्रदेश टीम ने वेटलिफ्टिंग, योग, एथेलेटिक्स (पोल वॉल्ट), एथेलेटिक्स (3000 मी.) में बेहतर खेल प्रदर्शन कर 01-01 कांस्य सहित कुल 04 पदक अर्जित किये।

प्रतियोगिता में आज म.प्र. के खिलाड़ियों द्वारा खेले गये मुकाबलों में अर्जित पदकों की जानकारी का विस्तृत विवरण इस प्रकार है:-

**वेटलिफ्टिंग:-** हिमांशु कुशवाह ने 73 किग्रा. पुरूष वर्ग में स्नैच में 115 कि.ग्रा और क्लीन एण्ड जर्क 140 कि.ग्रा. सहित कुल 255 कि.ग्रा. भार उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

**योगासन:-** रिया ने टेऊडिशनल योगासन इवेन्ट में 60.58 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

**पोल वॉल्ट:-** आशीष कुमार यादव ने एथेलेटिक्स (पोल वॉल्ट) में 4.10 मी. छलांग लगाकर कांस्य पदक अर्जित किया।

**एथेलेटिक्स ( 3000 मी. ):-** श्रृष्टि ने महिला वर्ग के 3000 मी. इवेन्ट में 10:29.50 का समय लेकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

कल दिनांक 13.5.2025 को एथेलेटिक्स, बॉक्सिंग, फेंसिंग, वेटलिफ्टिंग, कलरिपयट्ठ, योगासन, कुश्ती, थांग-ता और हॉकी के मुकाबले खेले जायेंगे।

प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बिहार में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन की सराहना की है। उन्होंने पदक विजेता खिलाड़ियों बधाई देते हुये, खिलाड़ियों को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

# शहीद बीएसएफ सब इंस्पेक्टर को दी अंतिम विदाई

**पटना, देशबन्धु।** पाक गोलीबारी में शहीद एसआई इम्तियाज को सोमवार को नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। नारायणपुर गांव में गम और गुस्से का माहौल है। परिजनों ने पाकिस्तान को सजा देने की मांग की। शहीद के भाई ने कहा कि दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान को मिटाने का अब वक्त आ चुका है।

वहीं बेटे ने कहा..प्राउड ऑफ यू पापा... भारत-पाकिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद हुए एसआई के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को सोमवार को उनके पैतृक गांव नारायणपुर (छपरा) में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। अंतिम विदाई के दौरान गांव में गम और गुस्से का माहौल था। हजारों की भीड़ ने नम आंखों से देश के इस वीर सपूत को अंतिम सलामी दी। भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से पूरा गांव गूंज उठा। शहीद एसआई इम्तियाज के छोटे भाई मोहम्मद असलम ने कहा, अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से मिटा देना चाहिए। हमारे देश के जवानों को बार-बार शहीद किया जाता है, और हम सिफ सहन करते रहते हैं। शहीद इम्तियाज के बेटे इमरान ने रोते हुए कहा कि आई एम प्राउड ऑफ यू पापा। आपने देश के लिए जान दी, इससे बड़ा गर्व और कुछ नहीं हो सकता। लेकिन मैं सरकार से अपील करता हूं कि पाकिस्तान को सख्त सजा दी जाए। ताकि फिर कोई और बेटा अपने पिता को यूं ना खोए। इमरान ने बताया कि अंतिम बार उनके पिता ने कहा था कि आतंकी हमले में वे घायल हो गए हैं और उनका पैर जख्मी है।

इमरान फ्लाइट और फिर ट्रेन से जम्मू पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शाम 4 बजे जनाजे की नमाज अदा की गई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए।

कश्मीर में 37 सालों से फैला आतंकवाद बना चुनौती

# 3 आतंकी कमांडरों को सौंपते से ही टूट जाएगी आतंक की कमर

**जम्मू, देशबन्धु।** कश्मीर में 37 सालों से फैले आतंक की आग को मात्र तीन लोग बुझा सकते हैं। इस पर विश्वास नहीं होता। लेकिन यह सत्य है कि कश्मीर में फैले आतंक के लिए वर्तमान में जिम्मेदार तीन आतंकी कमांडरों की गिरफ्तारी मात्र कश्मीर में आतंक की ज्वाला को ठंडा कर सकती है। और यह तीनों कमांडर आज पाकिस्तान में हैं जिनके नाम उस सूची में सबसे प्रमुख स्थान पर हैं जिसे भारत ने पाकिस्तान को कई बार सौंपा है। यह तीन आतंकी कमांडर हैं जैश-ए-मुहम्मद के सर्वोसर्वा मौलाना मसूद अजहर।

लश्करे तौयबा को चलाने वाले हफीज मुहम्मद सईद और हिज्बुल मुजाहिदीन के सुप्रीम कमांडर सईद सलाहुद्दीन। इन तीनों के प्रति एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जम्मू कश्मीर पुलिस का यह मानना है कि अगर तीनों को पाकिस्तान भारत सरकार को सौंप देती है तो कश्मीर में आंतकवाद की कमर पूरी तरह से तो नहीं लेकिन 90 प्रतिशत अवश्य टूट जाएगी। हालांकि भारत सरकार ने पाकिस्तान को आतंकियों की जो सूची सौंप रखी है, उसमें कश्मीर में आतंक के लिए यह तीनों ही जिम्मेदार हैं जिनके नाम इस सूची में हैं।

फिलहाल कश्मीर पुलिस को भी इंतजार है कि वह दिन अवश्य आएगा जिस दिन पाकिस्तान इन तीनों को भारत के हवाले करेगा जो सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से कश्मीर में फैले आतंकवाद के लिए जिम्मेदार हैं। यह बात अलग है कि लश्करे तौयबा के प्रमुख हफीज मुहम्मद सईद कभी कश्मीर में नहीं आए लेकिन वे कश्मीर में फैले आतंकवाद के लिए जिम्मेदार इसलिए माने जाते हैं क्योंकि कश्मीर पुलिस के मुताबिक 'कश्मीर में उनके गुट द्वारा की जाने वाली घटनाओं के लिए हम उसके मुखिया को ही जिम्मेदार मानते हैं।' लेकिन जैश-ए-मुहम्मद के मौलाना मसूद अजहर तथा हिज्बुल मुजाहिदीन के सईद सलाहुद्दीन अवश्य कश्मीर में सीधे आतंकी घटनाओं के लिए जिम्मेदार माने जा सकते हैं। इनमें से सईद सलाहुद्दीन तो कश्मीर का नागरिक भी है जिसने 1987 के विवादास्पद विधानसभा चुनावों में हिस्सा भी लिया था और कथित चुनावी धांधलियों के विरोध में उसने बंदूक उठा ली थी। सईद सलाहुद्दीन आप ही हिज्बुल मुजाहिदीन का सुप्रीम कमांडर बन बैठा था जब मास्टर अहसान डार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। सुप्रीम कमांडर बनने के उपरांत वह पाक कब्जे वाले कश्मीर में चला गया था। इन तीनों आतंकी कमांडरों के विरूद्ध कश्मीर घाटी में कई मामले दर्ज हैं।

कइयों में उनकी संलिप्तता प्रत्यक्ष दर्शाई गई है तो कइयों मे अप्रत्यक्ष। कश्मीर पुलिस के महानिदेशक के बकौल, इन तीनों संगठनों के तीनों कमांडर पूरी तरह से कश्मीर में फैले आतंकवाद के लिए जिम्मेदार हैं और आज यही तीन गुट कश्मीर में सक्रिय हैं। जबकि बाकी अन्य का सफाया हो चुका है। इन नेताओं के खिलाफ कश्मीर में जो मामले दर्ज हैं उनमें सईद सलाहुद्दीन के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के विद्युतमंत्री गुलाम हसन बट के कत्ल का मामला भी है जिनकी एक बारूदी सुरंग विस्फोट में मौत हो गई थी तो जैश-ए-मुहम्मद के सर्वोसर्वा मौलाना मसूद अजहर के खिलाफ प्रथम अक्तूबर को कश्मीर विधानसभा के बाहर हुए मानव बम तथा आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी का मामला पुलिस फाइलों में दर्ज है जिसमें 46 लोग मारे गए थे।

तीनों आतंकी कमांडरों का प्रत्यर्पण कैसे आतंकवाद की मौत के लिए जिम्मेदार होगा के प्रश्न के उत्तर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का मत था:'आतंकवादियों के लिए नेता एक बल के रूप में होता है और नेता की मौत उनके मनोबल को तोड़ देती है। यही हाल कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों का हो सकता है अगर पाकिस्तान इन तीनों कमांडरों को भारत के हवाले कर दे तो।'


## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग(भ/स) संभाग क्रं.-2, जबलपुर

**AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED OFFICE**

इंदिरा गांधी मार्ग, साऊथ सिविल लाईन, जबलपुर ( म.प्र. ) पिन- 482001,
फोन नं. एवं फैक्स नं.: 0761-2622333 ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र.05/व.ले.लि./2025-26 जबलपुर, दिनांक-08/05/2025

### निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-05

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने पर वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

| सं. क्र. | टेण्डर आई.डी. | कार्य का नाम | आमंत्रण | ठेके की अनु. राशि | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र राशि | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2025_PWDRB_421790_pack1 | संभाग क्र. 2, जबलपुर के अंतर्गत वर्षाकाल के दौरान एवं वर्षाकाल के वर्षाकाल के पश्चात मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर एवं कलवर्ट रिपेयरिंग का कार्य। | प्रथम | 60.00 लाख | 60000/- | 10000/- | 08 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |
| 2 | 2025_PWDRB_421792_pack1 | एन.एच. 7 से शासकीय हाई सेकेण्डरी स्कूल गोसलपुर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। | प्रथम | 50.42 लाख | 51000/- | 10000/- | 06 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |
| 3 | 2025_PWDRB_421794_pack1 | मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, जबलपुर परिक्षेत्र कैम्पस में दरवाजे खिड़िकियों की मरम्मत, प्लास्टर, फ्लोरिंग, सेनेटरी शेड का निर्माण एवं अन्य मरम्मत कार्य। | प्रथम | 19.90 लाख | 40000/- | 2000/- | 04 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |
| 4 | 2025_PWDRB_421795_pack1 | सिविल लाईन स्थित माननीय न्यायाधीश बंगलों में प्लास्टर मरम्मत, पुट्टी, इमलशन कार्य, सीवर लाईन, वाटर सप्लाई फिटिंग, पेवर ब्लाक एवं अन्य मरम्मत कार्य। | प्रथम | 19.98 लाख | 40000/- | 2000/- | 04 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |
| 5 | 2025_PWDRB_421796_pack1 | सर्किट हाऊस क्र. 2, जबलपुर में विट्रीफाईड टाईल्स, फ्लेरिंग, एल्युमिनियम सेक्शन, पुट्टी, पेंटिंग, इमलशन कार्य एवं अन्य मरम्मत कार्य। | प्रथम | 19.95 लाख | 40000/- | 2000/- | 04 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |
| 6 | 2025_PWDRB_421797_pack1 | पचपेढी उपखण्ड स्थित व्हीआई बंगलों में प्लास्टर मरम्मत, जी.आई. प्रोफाईल शेड, विट्रीफाईट टाईल्स फ्लोरिंग, पेवर ब्लॉक एवं अन्य मरम्मत कार्य। | प्रथम | 19.96 लाख | 40000/- | 2000/- | 04 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |
| 7 | 2025_PWDRB_421798_pack1 | पचपेढी उपखण्ड स्थित ई एवं एफ टाईप बंगलों में विट्रीफाईट टाईल्स फ्लोरिंग मरम्मत, पेवर ब्लॉक्स, वॉटर प्रूफिंग एवं अन्य मरम्मत कार्य। | प्रथम | 19.99 लाख | 40000/- | 2000/- | 04 माह ( वर्षा ऋतु सहित ) |

टीप- ( 1 ) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की तिथि दिनांक 22/05/2025 समय 17.30 बजे तक है। इलेक्ट्रानिक ई. एम.डी. ( RTGS/NEFT ) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किये जावेगें। ( 2 ) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाईन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुन: प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री,**
**लोक निर्माण विभाग(भ/स)**
**संभाग क्रमांक-2 जबलपुर**

G-12746/25 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।


## झारखंड में आईईडी विस्फोट में जवान घायल

**रांची, एजेंसी।** झारखंड में पश्चिम सिंहभूम जिले के संवेदनशील सारंडा जंगल क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सोमवार को नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोट किया जिसमें एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना उस वक्त हुई जब सुरक्षा बल इलाके में सघन तलाशी अभियान चला रहे थे। तभी पहले से बिछाए गए आईईडी में विस्फोट हुआ, जिससे एक जवान घायल हो गया। घटना की पुष्टि कोल्हान के डीआईजी मनोज रतन चौथे ने की है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजे गए हैं और तलाशी अभियान को और तेज़ कर दिया गया है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और नक्सलियों की तलाश जारी है।

## ट्रेन की चपेट में आने से 2 कालेज छात्रों की मौत

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में शहर के सेंट थॉमस माउंट रेलवे स्टेशन के पास हुए एक दर्दनाक हादसे में रेलवे ट्रैक पार करते समय इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के दो छात्रों की एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने यहां बताया कि हादसे में पीड़ितों की पहचान मोहम्मद नबुल और साबिर अहमद के रूप में हुई है। दोनों 20 वर्ष के थे और पेरम्बलुर जिले के निवास थे। दोनों पक्षों के बीच हाथ मिलाने की अटकलों को कुछ दिन पहले बल मिला था, जब राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि ऐसा कोई भी निर्णय अगली पीढ़ी के नेताओं, जैसे कि उनकी बेटी बारामती की सांसद सुप्रिया सुले द्वारा लिया जाएगा।

देशबन्धु

जबलपुर, मंगलवार 13 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

## भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

लगभग 20 दिनों की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन करने का फैसला लिया तो देश को इत्मीनान हुआ कि आखिरकार प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा को लेकर सीधी बात करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर तक भारत-पाक के बीच संघर्ष को लेकर कई किस्म के सवाल चर्चा में थे, जैसे अमेरिका किस तरह भारत और पाकिस्तान के मामले में दखलंदाजी कर सकता है। क्या चीन ने इस बार पाकिस्तान को भारत पर आक्रमण करने में मदद की है। क्या भारत ने अमेरिका के पास जाकर युद्धविराम की पहल की। इन सवालों के बीच पहले खबर आई कि भारत और पाक के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस यानी डीजीएमओ स्तर पर चर्चा हो रही है और उसके थोड़ी देर बाद खबर आ गई कि प्रधानमंत्री मोदी रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। माना गया कि यह संबोधन ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम को लेकर ही होगा।

दरअसल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के संबोधन का इंतजार इसलिए था क्योंकि उनकी चुप्पी से बातें अनावश्यक उलझती जा रही थीं। श्री मोदी ने भले ही राजनैतिक लाभ के लिए चुप रहना बेहतर समझा हो, लेकिन इसका कूटनीतिक नुकसान भारत को हुआ और पार्टी के तौर पर भी भाजपा को इसमें संभावित नुकसान ही हुआ। इसलिए रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर भाजपा के मंत्रियों और बड़े नेताओं की बैठक हुई, और मंगलवार से पार्टी ने 10 दिनों तक यानी 23 मई तक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां देश को बताई जाएंगी।

हालांकि सैन्य अभियानों की उपलब्धियां गिनाने की जरूरत नहीं होती। हाथ कंगन को आरसी क्या, जो कुछ सेना ने किया वह नजर आ ही जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी दिख रहा था कि भारत के आगे पाकिस्तान पस्त पड़ रहा है। लेकिन शनिवार शाम से हालात बदल गए। पहले युद्धविराम का ट्रंप की तरफ से ऐलान करना, फिर भारत का यही घोषणा करना और उसके बाद पाकिस्तान की तरफ से नए हमले, ये सारा घटनाचक्र इतनी जल्दी घूमा कि जनता परेशान हो गई कि आखिर कौन सी मजबूरी थी कि भारत को युद्धविराम के लिए सहमत होना पड़ा। युद्धविराम के लिए क्या किसी कागज पर हस्ताक्षर हुए हैं, अगर नहीं तो क्या मुंहजुबानी बात को मान लिया जाए। पाकिस्तान इस बात को क्यों नहीं मान रहा। क्यों एक तरफ पाकिस्तान के हमले हो रहे हैं और दूसरी तरफ शाहबाज शरीफ जीत वाला भाषण दे रहे हैं। ये सारे सवाल विपक्ष से ज्यादा भाजपा समर्थक लोग और खासकर पत्रकार ही उठाने लगे। इस बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिजनों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग भी होने लगी क्योंकि युद्धविराम की जानकारी उन्होंने ही दी थी। भाजपा ने ट्रोल आर्मी की शक्ल में भस्मासुर पाले हैं, यह बात जाहिर होने लगी।

भाजपा ने पहलगाम हमले को जिस तरह चुनाव में भुनाने की योजना बनाई होगी, वह अमल में आने से पहले ही बेकार होती नजर आई तो अब प्रधानमंत्री को सामने आना ही पड़ा। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात ऐसे बने जिसमें नजर आया कि किस तरह भारत को अकेला किया जा रहा है। शाहबाज शरीफ ने तो अपने संबोधन में अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, तुर्किए, सऊदी अरब, कतर सबका नाम लेकर शुक्रिया अदा कर दिया, और इनमें से किसी ने भी ये नहीं कहा कि अपनी लड़ाई में हमारा नाम मत लो। यानी सबने सहमति दी कि वो पाकिस्तान के साथ खड़े थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जो बार-बार ये कहते रहे कि भारत-पाक मेरे लिए दोनों बराबर हैं, उन्होंने भी इस युद्धविराम की घोषणा से पाकिस्तान को खुश और भारत को असहज कर दिया। भारत की यह नीति रही है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है और इसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन ट्रंप ने पहले युद्धविराम का ट्वीट किया फिर अगले दिन के ट्वीट में कश्मीर मसले का जिक्र कर संकेत दे दिए कि ये दखलंदाजी अब कश्मीर मुद्दे तक पहुंचने वाली है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लिखा है कि भारत और पाकिस्तान विवादों को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश में बात करेंगे। और रुबियो के ट्वीट पर कारोबारी एलन मस्क ने लिख दिया बधाई। यानी अमेरिका ने पूरी तरह भारत को अपनी शर्तों पर चलता हुआ दिखाने की कोशिश की। इस बात ने भारत को असहज कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर के ट्वीट से इसका पता चलता है। भारतीय विदेश मंत्री ने लिखा है, 'भारत-पाकिस्तान गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक सहमति पर पहुंचे हैं। आतंकवाद के खिलाफ़ भारत समझौता नहीं करेगा और यही रुख़ आगे भी रहेगा।' इस ट्वीट मे न कहीं अमेरिका का जिक्र है, न उसे पाकिस्तान की तरह धन्यवाद दिया गया है। यही होना भी चाहिए था, लेकिन श्री मोदी कूटनीति में विफल हो गए।

उनकी विफलता का नमूना अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी दिखा। सीएनएन ने पहले दावा किया कि भारत ने अमेरिका को मध्यस्थता के लिए कहा। वहीं द टेलीग्राफ ने दावा किया कि चीन की मदद पाकिस्तान को मिल रही थी और इसमें भारत के राफेल विमान को गिराया गया। सवाल उठे कि क्या भारत पाकिस्तान के साथ ही नहीं, बल्कि छिपे हुए चीन के साथ भी लड़ रहा था। हालांकि रविवार को तीनों सेनाओं की तरफ से जो संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की गई, उसमें वायुसेना के एयर मार्शल एके. भारती से जब यह सवाल किया गया कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान को नुकसान पहुंचा है? उन्होंने कहा कि हम अभी भी युद्ध के हालत में हैं। और नुकसान इसका एक हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या हमने अपना उद्देश्य हासिल कर लिया है? इसका जवाब है हां। जहां तक विस्तृत जानकारी का सवाल है, इस समय मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा क्योंकि हम अभी भी युद्ध में हैं और विरोधी पर बढ़त हासिल कर रहे हैं। हमारे सभी पायलट घर वापस आ गए हैं। एयर मार्शल भारती ने तो सधा हुआ जवाब दे दिया। हमारी सेना ने भी सधी हुई कार्रवाई ही की। लेकिन सत्ताधारी भाजपा इस बार संतुलन खोती नजर आई, जिसमें देश को नुकसान हुआ।

# ऑपरेशन सिंदूर : एक पूर्व-सुनिश्चित नाकामी का रोजनामचा

जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे 'कामयाब' साबित करने की विभिन्न स्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे-तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दस्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी। वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है। इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ-भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वास्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा।

आने वाले दिनों में बार-बार दोहराने के जरिए, 'जीत' के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी। विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक स्तर पर उनके ऊल-जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत-विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार के प्रति आलोचात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चैनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दस्त सरकारी प्रहार किया गया था। इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, दवायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज़ चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर भी गिरी थी।

बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्ध विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव के परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि 'जीत' का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ-भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वास्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है।

राजेंद्र शर्मा

> जिस तरह से यह युद्धविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्धविराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं।

इस संघी ट्रोल सेना के मिस्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है। इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हस्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था। बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बक्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ-भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए। और यह भी संयोग ही नहीं है कि हिमांशी नरवाल और मिस्री की पुत्री, दोनों को ही उनके जेएनयू नेक्शन के हवाले से इस ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया है। बेशक, जिस तरह से यह युद्धविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्धविराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इसने, कश्मीर के मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिशों से भारत को निजात दिलायी है। लेकिन, अमरीकी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा विदेश सचिव के सार्वजनिक बयानों के बाद, इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह गयी है कि अमेरिका की मध्यस्थता में ही यह युद्धविराम हुआ है। और यह भारत के बहु-प्रचारित रुख के लिए एक बड़ा धक्का है। लेकिन, आम नाराजगी सिर्फ अमेरिका के दखल के लिए गुंजाइश बनाए जाने पर ही नहीं है। नाराजगी खुद इस युद्धविराम को लेकर भी है। सैन्य मामलों के विशेषज्ञों से लेकर, आम लोग यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि आखिरकार, इस ऑपरेशन सिंदूर का हासिल क्या है? सैन्य मामलों के जानकार, जीत और कामयाबी के दावों को ज्यादा महत्व देने के लिए तैयार नहीं हैं। और इनमें जंगबंदी पर भावनात्मक प्रतिक्रिया करने वालों और अनाप-शनाप मांगें करने वालों से अलग, ऐसे वस्तुगत नजरिया अपनाने वाले भी शामिल हैं, जो यह जानते भी हैं और मानते भी हैं कि ऐसी लड़ाइयों का अंत, युद्धविराम में ही होता है और युद्ध जितना कम चले और युद्धविराम जितना जल्दी हो, सभी के लिए उतना ही बेहतर होता है। इस जंगबंदी से उठने वाला असली मुद्दा यह है कि अगर इस तरह के परिणामों पर ही जंगबंदी होनी थी, तो क्या जंग शुरू किए जाने की रणनीति ही गलत नहीं थी? बेशक, पहलगाम की नृशंसता को बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता था। लेकिन, इसके लिए जो रणनीति आपरेशन सिंदूर के नाम से मोदी सरकार ने अपनायी, वह इकलौती रणनीति तो नहीं थी। इससे भिन्न, क्या 26/11 के बाद भारत द्वारा अपनायी गयी रणनीति ही कहीं बेहतर नहीं थी, जिसमें मुंबई पर हमला करने वाले सभी आतंकवादियों को न सिर्फ मार गिराया गया था और जिंदा पकड़े गए इकलौते आतंकवादी अजमल कस्साब को बाकायदा कानूनी प्रक्रिया का पालन कर फांसी दी गयी थी, आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे हेंडलरों तथा कुल मिलाकर पाकिस्तान की संलिप्तता को भी, व्यापक रूप से बेनकाब करना संभव हुआ था। इसके मुकाबले, मोदी सरकार ने सैन्य ऑपरेशन का जो नाटकीय तरीका अपनाया, उसका हासिल कहीं कम है और कीमत कहीं ज्यादा है। इसके बावजूद, मोदी सरकार ने वही रास्ता अपनाया, जबकि उन्हें बखूबी पता था कि इसका परिणाम ऐसे शस्त्र विराम में होना है। मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर का ही रास्ता क्यों अपनाया, इसका कारण समझना कोई बहुत मुश्किल भी नहीं है। इन कारणों की शुरूआत, पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार, भारी सुरक्षा चूक पर पर्दा डालने की जरूरत से होती है। इस सुरक्षा चूक को यह सच और भी खटकने वाला बना देता है कि पिछले छः साल से ज्यादा से जम्मू-कश्मीर में वास्तविक सत्ता केंद्र सरकार के हाथों में है और इसके लिए वहां तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की इस सरकार ने बाकायदा हत्या की है। इस पर्दापोशी के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर का ईवेंट आयोजित किया जाता है, जैसी कि नरेंद्र मोदी की जानी-पहचानी शैली है। और युद्ध के इस ईवेंट का आयोजन यह जानते हुए भी किया जाता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच ताकत का असंतुलन ऐसा नहीं है, जहां भारत निर्णायक सैन्य जीत हासिल कर सकता हो। उल्टे दोनों देशों के पास नाभिकीय हथियारों की मौजूदगी ने तो, परंपरागत बलों की ताकत के इस असंतुलन को बहुत हद तक पाट ही दिया है। ऐसे में 'ऑपरेशन सिंदूर' का वही हश्र होना था, जो कि हुआ है। अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिहाज से उसकी नाकामी पूर्व-निश्चित थी। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम के बाद, अब भारत और पाकिस्तान, दोनों ही अपनी 'जीत' के दावे करते रह सकते हैं।

**( लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं। )**

# 'जीनोम संपादित' चावल : विरासत की बेदखली ?

■ निलेश देसाई

भारत में चावल की 'जीनोम संपादित' किस्मों को मंजूरी देने की दिशा में बढ़ते कदम ने कृषि क्षेत्र में एक नई बहस छेड़ दी है। एक तरफ, यह तकनीक फसल सुधार और उत्पादन वृद्धि की अपार संभावनाओं का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ, प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के लिए कई चुनौतियां खड़ी करती है। यह लेख बीज संप्रभुता, देशी बीजों की शुद्धता और जैव-विविधता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की चुनौतियों का विश्लेषण करता है। 'जीनोम इंजीनियरिंग' (जीनोम एडिटिंग) का मतलब किसी जीन के 'जेनेटिक कोड' में बदलाव करना है। बदलावों में जीन को खत्म करने के लिए 'न्यूक्लियोटाइड' को हटाना, प्रोटीन को खत्म करने के लिए 'न्यूक्लियोटाइड' को जोड़ना या म्यूटेशन बनाने के लिए 'न्यूक्लियोटाइड' को संपादित करना शामिल है।

प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देती है, देशी बीजों पर बहुत अधिक निर्भर है। देशी बीज, जो सदियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित हुए हैं, प्राकृतिक खेती के लचीले और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार हैं। ये बीज न केवल स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए अनुकूल होते हैं, बल्कि उनमें रोग-प्रतिरोधक क्षमता और पोषण का भी अपना विशिष्ट संयोजन होता है।

> प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देती है, देशी बीजों पर बहुत अधिक निर्भर है। देशी बीज, जो सदियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित हुए हैं, प्राकृतिक खेती के लचीले और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार हैं।

'जीनोम इंजीनियरिंग तकनीक' सदियों से स्थापित इन कृषि पद्धतियों के लिए कई स्तरों पर चुनौती पेश करती है। बीज संप्रभुता पर खतरा-'जीनोम संपादित' बीजों का विकास और व्यावसायीकरण अक्सर बड़ी, बहुराष्ट्रीय कृषि जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के हाथों में केंद्रित होता है। इन कंपनियों के पास अक्सर इन बीजों पर 'बौद्धिक संपदा अधिकार' (आईपीआर) होते हैं, जैसे कि 'पेटेंट।' इसके परिणामस्वरूप, किसानों को हर फसल-चक्र के लिए नए बीज खरीदने को मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनकी परम्परागत रूप से चली आ रही बीज स्वतंत्रता और नियंत्रण कम हो जाता है।

प्राकृतिक खेती का एक मूल सिद्धांत किसानों की बीज संप्रभुता है, जहां वे स्वयं अपने बीजों का उत्पादन, संरक्षण और आदान-प्रदान कर सकते हैं। 'जीनोम संपादित' बीजों पर निर्भरता इस स्वायत्तता को कमजोर करती है और किसानों को बाहरी संस्थाओं पर निर्भर बनाती है। यह न केवल उनकी लागत बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की ताकतों के प्रति भी अधिक संवेदनशील बनाता है। देशी बीजों के विपरीत, जिन्हें किसान पीढ़ी-दर-पीढ़ी बचाकर और सुधारकर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार ढाल सकते हैं, 'जीनोम संपादित' बीजों के साथ यह लचीलापन सीमित हो जाता है।

देशी बीजों की शुद्धता पर संकट-'जीनोम संपादित' चावल की किस्मों की खेती से देशी चावल की किस्मों के आनुवांशिक प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। परागण के माध्यम से, 'जीनोम संपादित' बीजों के जीन जाने-अनजाने में पड़ोसी खेतों में उगाई जा रही देशी किस्मों में स्थानांतरित हो सकते हैं। यह न केवल देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता को खतरे में डालता है, बल्कि उनकी विशिष्ट विशेषताओं और स्थानीय अनुकूलन को भी बदल सकता है।

प्राकृतिक खेती में बीजों की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और अन्य जैविक घटकों के साथ उनकी जटिल अंतःक्रिया को प्रभावित करती है। यदि देशी बीजों की अनुवांशिक संरचना बदल जाती है, तो यह प्राकृतिक खेती के समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकती है। जैविक प्रमाणीकरण के लिए भी बीजों की 'गैर-जीएमओ' (गैर-अनुवांशिक रूप से संशोधित) स्थिति आवश्यक है, और 'जीनोम संपादन' के माध्यम से होने वाला अनपेक्षित जीन-प्रवाह इस प्रमाणीकरण को खतरे में डाल सकता है।

जैव विविधता के लिए चुनौती-भारत चावल की समृद्ध जैव-विविधता का केंद्र रहा है, जिसमें हजारों वर्षों से विकसित हुई अनगिनत देशी किस्में मौजूद हैं। ये किस्में विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूल हैं और विभिन्न प्रकार की पोषण संबंधी और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। यदि 'जीनोम संपादित' अधिक उपज वाली किस्में व्यापक रूप से अपनाई जाती हैं, तो ये किसानों को व्यावसायिक रूप से आकर्षक बीजों की ओर आकर्षित कर सकती हैं, जिससे देशी चावल की किस्मों की खेती कम हो जाएगी। इसके परिणामस्वरूप चावल की अनुवांशिक-विविधता का भारी नुकसान हो सकता है। जैव-विविधता का नुकसान कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करता है, फसलों को बीमारियों, कीटों और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। प्राकृतिक खेती जैव-विविधता को बढ़ावा देने पर जोर देती है, क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य, कीट-नियंत्रण और समग्र पारिस्थितिकी-तंत्र के संतुलन के लिए आवश्यक है। देशी बीज इस जैव-विविधता का एक अभिन्न अंग है और उनका नुकसान कृषि को कमजोर बना सकता है। चावल की 'जीनोम संपादित' किस्मों को मंजूरी देना संभवतः खाद्य-सुरक्षा और फसल सुधार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलता है, लेकिन प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के साथ इसके गहरे विरोधाभास और चुनौतियां हैं। बीज संप्रभुता का क्षरण, देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता पर खतरा और जैव-विविधता का नुकसान ऐसे गंभीर मुद्दे हैं जिन पर नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और किसानों को मिलकर विचार करना होगा।

एक टिकाऊ और समावेशी कृषि भविष्य के लिए यह आवश्यक है कि हम ऐसी नीतियों को बढ़ावा दें जो न केवल उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करे, बल्कि किसानों की स्वायत्तता, देशी बीजों के संरक्षण और कृषि जैव-विविधता की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे। 'जीनोम संपादन' जैसी नई तकनीकों का मूल्यांकन सावधानीपूर्वक और समग्र दृष्टिकोण के साथ किया जाना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक खेती और देशी बीजों के महत्व को भी समझा जाए। हमें एक ऐसे मार्ग की तलाश करनी होगी जो नवाचार और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखे और किसानों को सशक्त बनाए रखते हुए हमारी कृषि विरासत को सुरक्षित रखे।

**( लेखक झाबुआ जिले की 'संपर्क' संस्था के संस्थापक निदेशक हैं। वे 'जमनालाल बजाज पुरस्कार' से सम्मानित हो चुके हैं। )**

## आपके पत्र

### बुद्ध के देश में युद्ध, कितनी शांति कितना संग्राम ?

सीजफायर के तुरंत बाद पाकिस्तानियों ने कश्मीर और राजस्थान में युद्ध विराम का उल्लंघन कर अपने ड्रोन से नागरिकों के रिहायशी इलाकों में आक्रमण किया जिसे भारत की वायुसेना में नाकाम कर दिया है। भारत सदैव शांति का पक्षधर रहा है एवं उसने पूरे विश्व में शांति का संदेश दिया पर हमारा आतंकवादी पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आ पाया है। अब उसकी कमर टूट चुकी भारत की वायु सेना, थल सेना एवं जल सेना ने लाहौर, कराची, इस्लामाबाद एवं पाकिस्तान के हर क्षेत्र में इतने ताबड़तोड़ हमले किए कि पाकिस्तान के हुक्मरान और वहां की सेना परेशान हो गई और युद्धविराम की याचिका करने लगी। पाकिस्तान के पुराने इतिहास को देखा जाए तो वह हमेशा धोखेबाजी, मक्कारी और आतंकवादी गतिविधियों से कभी बाज नहीं आया है। ऐसे में पाकिस्तान पर भारत कैसे विश्वास कर सकता है और इसी के फलस्वरूप माननीय प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि अब गोली के बदले गोल दागा जाएगा और यदि युद्धविराम का उल्लंघन होगा तो इसे एक्ट ऑफ वार ही माना जाएगा। इसका स्पष्ट मतलब है कि यदि पाकिस्तान किसी भी आतंकवादी को भारत में आक्रमण करने भेजेगा तो इस युद्ध की स्थिति मानकर उस पर वार किया जाएगा। सेना के सुप्रीम कमांडर ने भारत के तीनों सैनिक कमांडरों को पाकिस्तान पर सीजफायर के उल्लंघन की स्थिति में आक्रमण करने की खुली छूट दे दी है। भारत ने पाकिस्तान एवं तुरकियों से बने लगभग 400 ड्रोन को निष्फल कर दिया है और एलओसी पर आक्रमण कर लगभग 40 सैनिकों को मार गिराया। पाकिस्तान के दो युद्ध के बड़े हवाई जहाज को आक्रमण करके नष्ट कर दिया एवं उनके पायलट को अपने कब्जे में ले लिया है। विचारणीय प्रश्न यह है कि भारत कब तक अपने पड़ोसी देश को माफ करते जाएगा। आज सीज फायर तो हो गया है पर कल फिर पाकिस्तान अपनी करतूतों के कारण भारत पर कहीं न कहीं से आक्रमण जरूर करेगा। ऐसे में भारत को पुनः आक्रमण कर उसे सबक सिखाना पड़ेगा। अब युद्धविराम की स्थिति में भारत और पाकिस्तान की डीजीएमओ बैठकर समझौता करने की तैयारी कर रहे हैं तो इसमें भारत का स्पष्ट रूख है कि पाकिस्तान अपने देश में पल रहे आतंकवादियों को भारत को सौंप दें और पाक अधिकृत कश्मीर को भी भारत को सौंपना पड़ेगा। इसके अलावा सिंधु जल समझौता निलंबित रहेगा तथा पाकिस्तानियों को भारत प्रवेश की मनाही रहेगी। इन शर्तों में पाकिस्तान सहमत होता है तो भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत होगी और भारत पहलगाम में दिवंगत 27 निर्दोष नागरिकों की मृत्यु का बदला पूरा होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री तथा फौज के कमांडरों ने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान तथा पूरे विश्व को बता दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह से तैयार है।

पाकिस्तान जैसे धोखेबाज देश पर विश्वास किया जाना बहुत कठिन है क्योंकि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नियंत्रण से पाकिस्तान सेना पूरी तरह बाहर है पाकिस्तान की सेना के जनरल असीम मुनीर एक निरंकुश सैनिक तानाशाह की तरफ व्यवहार कर रहे हैं और पाकिस्तान के हुक्मरांनों के किसी भी आदेश का पालन करना सुनिश्चित नहीं करते हैं। ऐसे में युद्ध विराम का टिकना बहुत कठिन दिखाई देता है। भारत को पूरे आतंकवाद और झगड़े की जड़ वहां के सेना प्रमुख असीम मुनीर को ही खत्म कर देना चाहिए।

-संजीव ठाकुर

## ललित सुरजन की कलम से

### कश्मीर: पाक की भेड़िया नीति

*''आपने हमें भेडियों के सामने फेंक दिया है।''*

*'यह प्रसंग भारत विभाजन के समय का है। अविभाजित देश के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में सीमांत गांधी या बादशाह खान के नाम से समूचे देश में लोकप्रिय खान अब्दुल गफ्फार खान का सिक्का चलता था। उनका प्रदेश पाकिस्तान के साथ शामिल नहीं होना चाहता था। अंतरिम चुनावों में मुस्लिम लीग को इस लगभग शत-प्रतिशत मुस्लिम प्रांत में पराजय का सामना करना पड़ा था। फिर भी यह भूगोल की वास्तविकता थी कि प्रदेश भारत के साथ न रहकर पाकिस्तान के साथ जाता। सीमांत गांधी इससे मर्माहत थे और तब उन्होंने अपने नेता याने महात्मा गांधी से दुखी होकर कहा था कि आपने हमें भेडियों के सामने फेंक दिया है। किन्तु यह एक ऐसी कठोर सच्चाई थी जिसे न गांधी बदल सकते थे और न कांग्रेस का कोई अन्य नेता। भारत की मुख्य भूमि से अलग-थलग प्रदेश कैसे भारत का हिस्सा बनता! आगे चलकर हमने देखा कि बंगलादेश के निर्माण में इस तरह की ही भौगोलिक स्थिति ने किसी हद तक योगदान किया।'*

**( देशबन्धु में 28 जुलाई 2016 को प्रकाशित )**

## आज जयंती

### आदर्श पत्रकारिता के जनक देवर्षि नारद

वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया 13 मई को देवर्षि नारद जयंती है। देवर्षि, ब्रह्मनंदन, वीणाधर, सरस्वतीसुत और कलिप्रिय आदि नाम से जाने वाले महर्षि नारद ब्रह्मांड के प्रथम संदेशवाहकहैं।

श्रुतचारित्रयोर्जातो यस्याहन्ता न विद्यते।
अगुप्तश्रुतचारित्रं नारदं तं नमाम्यहम् ।

जो ज्ञान और चरित्र से उत्पन्न हुए हैं, जिनमें अहंकार नहीं है। सूचना प्रौद्योगिकी के काल में जन्म लेने वाले हम लोगों के लिए आज विश्व के किसी भी कोने में संपर्क करना बड़ा सहज है। प्राचीनकाल में सूचना, संवाद, संचार का प्रमुख साधन मौखिक ही होता था। वो भी या तो सामने हो, या किसी संदेशवाहक के माध्यम से संदेश पहुंचाया जाए। समय परिवर्तन हुआ तो मौखिक के साथ-साथ लिखित संदेशों का आदान-प्रदान शुरू हुआ। भारतीय प्राचीन ज्ञान परंपरा में विभिन्न ग्रंथों में महर्षि नारद का उल्लेख पढ़ने को मिलता है। शास्त्रों में कहा गया कि वे ब्रह्मा जी के मानस पुत्र है, भगवान विष्णु जी के भक्त और बृहस्पति जी के शिष्य है। इन्हें एक लोक कल्याणकारी संदेशवाहक और लोक-संचारक के रूप में भी विशेष तौर पर जाना जाता है। आचार्य का अर्थ, गुरु, शिक्षक, यज्ञ का मुख्य संचालक, विद्वान आदि है। इन दोनों शब्दों का अर्थ हुआ, सूचना देने वाला विद्वान अथवा विज्ञ पुरुष। इस अर्थ का संयुक्त उपयोग संस्कृत साहित्य में जिसके लिए किया गया, वे हैं देवर्षि नारद जी। एक प्रसंग है, ब्रह्माजी के पुत्र दक्ष के सौ पुत्र हुए और सभी पुत्रों को सृष्टि बढ़ाने का आदेश मिला। ब्रह्माजी के मानसपुत्र और दक्ष के भाई नारद ने सभी दक्ष पुत्रों को सृष्टि से अलग कर तप में लगा दिया। दक्ष ने पुनः अपने पुत्रों को सृष्टि का आदेश दिया किंतु, इन दक्ष पुत्रों को भी नारद जी ने सृष्टि के स्थान पर तपस्या में लगाया। इससे क्रोधित होकर उन्होंने नारद जी को श्राप दिया कि सदा विचरण करेंगे, कहीं अधिक समय तक नहीं रुकेंगे एवं एक स्थान की सूचना दूसरे स्थान पर पहुंचाएंगे। देवर्षि नारद ने इन तीनों श्रापों को लोकहित में स्वीकार किया।

अरतिक्रोधचापल्ये भयं नैतानि यस्य च।
अदीर्घसूत्रं धीरं च नारदं तं नमाम्यहम् ॥

जिनमें क्रोध, भय और जल्दबाजी नहीं है, जो धैर्यशाली है। जिनके कार्य सुदृढ़ हैं। इसमें कोई शक नहीं कि ऐसे नारद मुनि सदैव वंदनीय रहेंगे। आज के संदर्भ में नारद जयंती की प्रासंगिकता की बात करें तो आधुनिक भारत के प्रथम हिंदी साप्ताहिक 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कोलकाता से प्रकाशित हुआ था। इस दिन वैशाख कृष्ण द्वितीया, नारद जयंती थी। प्रथम अंक के प्रथम पृष्ठ पर सम्पादक ने लिखा था, 'देव ऋषि नारद की जयंती के शुभ अवसर पर यह पत्रिका प्रकाशित होने जा रही है क्योंकि नारद जी एक आदर्श संदेशवाहक होने के नाते उनका तीनों लोक (देव, मानव, दानव) में समान सहज संचार था।'

वास्तव में, इतिहास के पन्नों को उलट कर देखें तो सूचना संचार (आधुनिक भाषा में कम्युनिकेशन) के क्षेत्र में उनके प्रयास अभिनव तत्पर और परिणामकारक रहते थे। उनके प्रत्येक परामर्श तथा वक्तव्य में लोकहित प्राथमिक रहता था। इसलिए अतीत से लेकर वर्तमान सहित भविष्य में सभी लोकों के सर्वश्रेष्ठ लोक संचारक अगर कोई है तो वह देवर्षि नारद जी ही है। महर्षि नारद को समाचार दाता माना जाता है। प्राचीन काल से ही समाचार गुप्तचरों द्वारा प्राप्त किए जाते थे। रामायण और महाभारत में समाचार दाताओं के नाम मिलते हैं। रामायण में सुमुख गुप्तचर वेष में समाचारों को राम तक पहुंचता है। महाभारत में संजय की भूमिका भी समाचारदाता के रूप में मिलता है।

-सुशील कुमार 'नवीन'

## आज जारी हो सकता हैं सीबीएसई बोर्ड रिजल्ट

### जल्द खत्म होगा 42 लाख छात्रों का इंतजार

**जबलपुर, देशबन्धु।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से 10वीं और 12वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम आज या फिर एक दो दिनों के भीतर जारी हो सकता हैं। विगत वर्ष 13 मई को ही सीबीएसई द्वारा बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी किया गया था। ऐसा माना जा रहा है कि बोर्ड की ओर से मंगलवार या फिर एक या दो दिन में इसकी घोषणा की जा सकती हैं। बोर्ड की ओर से पहले ही डिजीलॉकर का एक्सेस देकर इसकी संभावना और तेज कर दी गई है। ज्ञात हो कि सीबीएसई द्वारा 15 फरवरी से 4 अप्रैल तक 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षाएं आयोजित की गईं थीं। इनमें तकरीबन 42 लाख छात्रों ने भाग लिया था। परीक्षा परिणाम जारी होने से इन विद्यार्थियों का इंतजार भी जल्द खत्म हो सकता हैं। विगत कई दिनों से वे सीबीएसई परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे हैं, हालांकि अभी तक बोर्ड की ओर से कोई सूचना नहीं जारी की गई है। माना जा रहा है कि एक या दो दिन में बोर्ड की ओर से परिणाम की घोषणा की जा सकती हैं।

### विगत वर्ष चार दिन पूर्व दिया था डिजीलॉकर एक्सेस

सीबीएसई की ओर से विगत वर्ष परीक्षा परिणामों के चार दिन पूर्व छात्रों को डिजीलॉकर एक्सेस दिया था इस बार भी विद्यार्थियों को एक्सेस दे दिया गया है। विगत वर्ष 13 मई को सीबीएसई परीक्षा परिणाम जारी हुआ था इसलिए 13 मई की तिथी को लेकर विद्यार्थियों को काफी उम्मीदें हैं। इस बार भी इसी डेट के आसपास परीक्षा परिणाम जारी होने के आसार नजर आ रहे हैं। इस बार विद्यार्थी वेबसाइट के साथ छात्र डिजीलॉकर पर भी रिजल्ट देख सकेंगे। इन छात्रों को डिजीलॉकर एक्सेस के लिए एक पिन दिया गया हैं, यह छह अंकों का पिन छात्रों को उनके स्कूलों द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

### परिणाम के पहले फैल रहीं अफवाहें

इस साल परिणाम जारी होने से पूर्व कई बार झूठी अफवाह फैलीं, इसके बाद बोर्ड की ओर से स्पष्ट किया गया कि विद्यार्थी किसी भी तरह की सोशल मीडिया पोस्ट या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें। दरअसल सबसे पहले 2 मई को रिजल्ट जारी होने की बात कही गई थी जबकि ऐसा नहीं था। इसके बाद एक और पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें कहा गया था कि रिजल्ट छह मई को जारी होगा, हालांकि बाद में ये जानकारी भी गलत निकली। इसके बाद बोर्ड की ओर सफाई दी गई थी।

### अधिकृत वैबसाइट पर ही देखें परीक्षा परिणाम

साइबर हैकरों के सावधान रहते हुए विद्यार्थी सीबीएसई की अधिकृत वेबसाइट सीबीएसईरिजल्ट डॉट एनआईसी डॉट इन पर ही परिणाम देखें।

होमपेज पर आपको क्लास 10वी या 12वीं के परीक्षा परिणाम का विकल्प दिखेगा उस पर क्लिक करें। आपके सामने लॉगिन पेज खुल जाएगा, इसमें अपने क्रेडेंशियल डालकर लॉगिन करें। इसमें रजिस्ट्रेशन नंबर और डेट ऑफ बर्थ जैसी जानकारी की जरूरत पड़ सकती हैं।

इसके बाद आपको आपका परीक्षा परिणाम नजर आएगा। भविष्य में जानकारी के लिए परीक्षा परिणाम का प्रिंट भी जरूर लें।

## आने वाले दो-तीन वर्षों में बदला दिखाई देगा शहर का स्वरूप : राकेश सिंह

**जबलपुर, देशबन्धु।** लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि विकास एक निरंतर चलने वाले प्रक्रिया है और आने वाले समय में जबलपुर का विकास ओर तेज गति से होगा। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि पहले जहां 500 से 700 करोड़ रूपये के विकास कार्य ही जबलपुर जिले में हुआ करते थे, अब एक-एक

विकास कार्यों पर ही इतनी राशि खर्च हो रही है।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह सोमवार को विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम में आयोजित करीब 5 करोड़ 25 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सीमेंट कांक्रीट सड़कों के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। भूमिपूजन समारोहों में राज्यासभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मिकी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं नगर निगम अध्यक्ष रिकुज विज भी मौजूद थे। श्री सिंह ने कहा कि आने वाले दो-तीन वर्षों में जबलपुर का स्व्रूप बदला दिखाई देगा। इसमें भी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में प्रदेश में सबसे अग्रणी होगा।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यगमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व् में भोपाल से प्रवाहित हो रही विकास की गंगा का एक बड़ा हिस्साग जबलपुर और विशेष रूप से पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आ रहा है। श्री सिंह ने कहा कि पिछले दिनों जबलपुर जिले के लिए 3 हजार 200 करोड़ रूपये के जिन विकास कार्यों की घोषणा की गई है, उसमें से अकेले पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के हिस्से में 1 हजार 600 करोड़ रूपये की राशि आई है। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जबलपुर में दमोह नाका से मदन महल तक अभी जो फ्लाई ओव्ह र बन रहा है वह प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हमर है। इसके साथ ही जबलपुर में कई और फ्लाई ओव्ह र बन रहे है या बनने वाले हैं। उन्हों्ने बताया कि सगड़ा में फ्लाई ओव्हईर के निर्माण कार्य की शुरूआत हो चुकी है।

इसके साथ ही संजीवनी नगर से जीरो डिग्री विजय नगर तक एक और फ्लाई ओव्ह र को स्वीककृति मिल चुकी है। वहीं अनगढ़ महावीर मंदिर गोरखपुर से लेकर बंदरिया तिराहा को पार करते हुए बादशाह हलवाई तक 380 करोड़ रूपये के फ्लाई ओव्हिर को भी जल्दी ही स्वीककृति मिलने वाली है।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने बताया कि मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुरूप अयोध्या् में सरयू के तटो की तर्ज पर मां नर्मदा के घाटों की विकास की कार्ययोजना भी लगभग अंतिम चरण में है।

मां नर्मदा के पावन तटों का विकास दो चरणों में किया जायेगा। इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है और डीपीआर तैयार करने का कार्य अंतिम चरणों में है। श्री सिंह ने बताया कि कल ही उन्होंहने अधिकारियों के साथ इसके लिए नर्मदा घाटों का निरीक्षण किया है।

## भदौरिया ने संभागायुक्त का कार्यभार किया ग्रहण

**जबलपुर, देशबन्धु।** धनंजय सिंह भदौरिया ने जबलपुर संभाग के आयुक्त का पदभार संभाल लिया है। श्री भदौरिया 2006 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और इससे पहले वे भोपाल में आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास और मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध संचालक के रूप में कार्य कर रहे थे। श्री भदौरिया पूर्व में कलेक्टर के पद पर पन्ना, श्योपुर और नर्मदापुरम जिले में पदस्थ रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त श्री भदौरिया हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

## विधायक व निगमाध्यक्ष ने कटियाघाट की फूटी पाइप लाइन का किया निरक्षण

**जबलपुर, देशबन्धु।** कैंट विधायक अशोक ईश्वर दास रोहाणी द्वारा कटियाघाट के करीब पानी की पाइप लाइन का निरक्षण किया गया, जहां हाइवे पर पाइप लाइन फटी पाई जाने के कारण पानी की सप्लाई अवरुद्ध हो रही थी। विधायक श्री रोहाणी द्वारा तत्काल निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि पाइप लाइन का सुधार कार्य प्रारंभ कराया जाए ताकि क्षेत्रीय जनता को हो रही समस्या से निजाद मिले। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिंकु विज, निगम अधिकारी कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, एन एच ए आई के प्रोजेक्ट मैनेजर अमृत साहू, झंडू कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजर भाजपा नगर उपाध्यक्ष श्रीमती विभा उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष सौरभ गोयल, संतोष बैरागी, श्रवण यादव एवं निगम कर्मचारीगण एवं क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

## अपोलो हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री का आगमन आज

### कैंसर यूनिट, लिनेक मशीन व महाकौशल की प्रथम पेट स्कैन का करेंगे उद्घाटन

**जबलपुर, देशबन्धु।** प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंगलवार शाम 5 बजे नया आरटीओ भवन के पास नवनिर्मित अपोलो हॉस्पिटल में आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री यादव यहां पर कैंसर यूनिट और महाकौशल की प्रथम अति आधुनिक लिनेक व पेट स्कैन मशीन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हॉस्पिटल परिसर में श्री राधाकृष्ण जी की मूर्ति के प्रतिस्थापना कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा हॉस्पिटल का भ्रमण करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नगर के पत्रकारों से चर्चा भी करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह करेंगे। लोकसभा सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मिकि, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायकगण सुशील तिवारी इंदु, अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, लखन घनघोरिया, नीरज सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष राजकुमार पटेल विशिष्ट अतिथि होंगे।

## गुणवत्तापूर्ण और व्यवस्थित निर्माण हो, समय सीमा पर पूर्ण हो कार्य : डॉ अभिलाष पाण्डेय

**जबलपुर, देशबन्धु।** उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय सोमवार को शिवनगर धनी मैरिज हॉल से कृषि उपज मंडी ,दीनदयाल तक 6 करोड़ की लागत से बनाई जा रही कंकीट सड़क का औचक निरीक्षण करने पहुंचे एवं सड़क निर्माण में हो रही देर संबंधी शिकायतों को लेकर ठेकेदार और इंजीनियर को बुलाकर समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि शिवनगर धनी मैरिज हॉल से कृषि उपज मंडी के सामने से दीनदयाल जाने वाली सड़क का निर्माण करीब 6 करोड़ की लागत से करवाया जा रहा है जिसमें नाली निर्माण और बाकी अन्य कार्यों को भी किया जा रहा है किंतु विगत कुछ दिनों से मेरे पास स्थानीय व्यापारियों से शिकायतें आ रही थी कि ठेकेदार काम में हीला हवाली कर रहे हैं एवं कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है जिसे लेकर आज इसका निरीक्षण किया एवं स्थानीय

दुकानदारों, क्षेत्रवासियों के साथ बैठकर कार्य से संबंधित चर्चा की ,ठेकेदार और इंजीनियर की निश्चित समय अवधि में इसे पूर्ण करने के निर्देश दिए एवं नियमित रूप से सड़क की प्रोग्रेस की जानकारी देने के निर्देश दिए साथ ही साथ गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान रखने के लिए कहा है।

इस दौरान पार्षद अतुल जैन,रमेश रैकवार,राजकुमार गुप्ता,गीतेश जैन, पप्पू चौकसे, राजेश तिवारी,रवि रैकवार आदि उपस्थित थे।

### मानव अधिकार आयोग ने शहर के जनहित के चार मामलों में लिया संज्ञान

**जबलपुर, देशबन्धु।** मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर शहर के चार जनहित के मामलों में मुख्यपीठ भोपाल में सुनवाई करते हुए, सदस्य राजीव कुमार टंडन की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जांच का निर्देश देकर प्रतिवेदन मांगा है। जबलपुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पास बने प्रीपेड एम्बुलेंस सेवा केंद्र में एम्?बूलेंस उपलब्ध करवाने और किराया तय करने के लिये बनाया गया है, लेकिन इसके बावजूद एम्?बूलेंस का किराया एम्बूलेंस वाले स्वयं ही तय कर रहे है,।

## ग्राहक पंचायत अध्यक्ष ने मेडीकल कॉलेज में मरीज की मदद की

**जबलपुर, देशबन्धु।** अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत महानगर जबलपुर द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर में ब्रजेश जो मंडला से रेफर हो कर इलाज करवाने जबलपुर भेजे गए थे उनका आप्रेशन इंप्लांट न होने कि वजह से विगत कई दिनो से टल रहा था। प्रांताअध्यक्ष विनदरजीत सिंह बिंद्रा के संज्ञान में लाया गया, उन्होंने सुपरिटेंडेंट अरविंद शर्मा से बात कर अरजेंट आप्रेशन कि व्यवस्था की, अब ब्रजेश स्वस्थ लाभ ले रहे हैं। बिंद्रा ने निरीक्षण किया और कई वार्डो में पंखा कूलर एसी बंद पाए गये, एम आर आई सेंटर में आई कुछ मशीनें जो गाड़ी में लोड हो रही थी, उसकी जानकारी अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के महाकौशल प्रांत अध्यक्ष परविंदर बिंद्रा ने इसके लिये प्रयास किये। वहीं कर्मचारियों से पूछा गया कि ये सभी मशीन कहा जा रही है और मशीन के कोई कागज हो तो बताइए तो उनके पास कोई सबूत नहीं पाया गया, इसके बाद बिंद्रा द्वारा गढ़ा थाने में लिखित सूचना दी गई।

इस अवसर पर प्रात कोषाध्यक्ष श्रीमति मंजु वैश्य, महानगर अध्यक्ष पीकेअग्रवाल. शक्ति शुक्ल, मिडिया प्रभारी लकी गर्ग उपस्थित थे।

## चालू वित्तीय वर्ष में लोडिंग बढ़ाने हेतु समग्र प्रयास किये जाए : महाप्रबंधक

**जबलपुर, देशबन्धु।** पश्चिम मध्य रेल ने माल लदान में वृद्धि दर्ज करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के पहले माह में बेहतर प्रदर्शन किया है। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग तथा परिचालन विभाग के संयुक्त प्रयासों से चालू वित्तीय वर्ष के पहले माह अप्रैल 2025 में 4.58 मिलियन टन माल लदान किया, जो गत वित्तीय वर्ष अप्रैल 2024 में 4.51 मिलियन टन से लगभग प्रतिशत अधिक रहा।

पश्चिम मध्य रेल पर माल यातायात में कमोडिटी वाइज कई सामग्रियों का लदान किया जाता है। अप्रैल माह में सबसे अधिक कोयला लोडिंग में लगभग 44 प्रतिशत सहित अन्य ट्रैफिक खाद्यान्न, सीमेंट, क्लिंकर, खाद एवं रेल मटेरियल की लोडिंग में वृद्धि दर्ज की है, जिससे पश्चिम मध्य रेल के माल लदान में इजाफा हुआ है। रिव्यू मीटिंग में महाप्रबंधक की निरंतर मॉनटरिंग में बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में फ्रेट लोडिंग बढाने के लिए मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों को एक टीम वर्क के साथ समग्र प्रयास किया जाना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक फ्रेट लोडिंग हो सके।

**माल यातायात बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं** -फ्रेट लोडिंग को बढावा देने के लिए पमरे मुख्यालय और तीनों मंडलों में व्यापार विकास इकाइयां (बीडीयू) के तहत नये लोडिंग स्ट्रीम से माल यातायात को बढावा दिया जा रहा है। माल व्यापारियों के साथ निरंतर बैठकें की जाती हैं ।

मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बढाया। साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए गए।

गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाडियों के डिटेंशन को कम किया गया। इससे मालगाडियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई।

माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गई।

नए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेल में मुख्यालय एवं तीनों मण्डलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा द्वारा फ्रेट लोडिंग वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

## ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर महिलाओं ने हवन पूजन कर लिया संकल्प

**जबलपुर, देशबन्धु।** तुम दूध मांगोगे तो हम खीर देंगे, यदि कश्मीर मांगोगे तो हम तुम्हे हम चीर देंगे।

भारत माता की जय कुछ इस प्रकार के नारों के साथ कड़ी धूप में सर्व स्वर्णकार महिला उत्थान समिति की पदाधिकारियों ने गोलबाजार में सीखा तलवार चलाना और लाठियां भांजना। विगत दिनों पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा आम जनता को धर्म और जाति पूछकर गोली मारकर मासुमो की हत्या की थी। जिससे समुचे भारत तथा सारे विश्व में इसकी कड़ी आलोचना भी हुई एवं आतंकवादी देश पाकिस्तान पर दबाव भी बनाया गया। परंतु फिर भी पाकिस्तान द्वारा एलओसी पर शीज फायर का उल्लंघन कर भारत को उकसाया जा रहा था।

इसके विरोध में भारत ने करारा जवाब देते हुए आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला भी किया गया जिसमें कई आतंकवादी मारे भी गए। इस बौखलाहट में पाकिस्तान द्वारा विगत रात्रि भारत पर ड्रोन वा मिसाइल द्वारा नाकाम हमला भी किया गया। जिसमें हमारी भारतीय सेना ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया एवं उनके पूरे ड्रोन एवं मिसाइल को आकाश में ही नष्ट कर दिया गया।

इसी उपलक्ष्य में रविवार को भारतीय सर्व स्वर्णकार महिला उत्थान समिति द्वारा महिला आपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व सफलता के साथ ही महिला सशक्तिकरण जो संदेश हमारी सेना ने दिया है से प्रेरित हो कर सर्व स्वर्णकार महिला उत्थान समिति द्वारा गोलबाजार में भारतीय सेना के अभूतपूर्व एवं सफल आपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई हेतु जल, थल, वायू सेना के जवानों की पाकिस्तान पर अभूतपूर्व सफलता हेतु महिला उत्थान समिति नेतृत्व में महिलाओं द्वारा आतंकवाद के संपूर्ण नाश हेतु तलवार और लाठी का प्रशिक्षण लिया और पूजा पाठ कर हवन का आयोजन कर भारतीय सेना बधाई प्रेषित की। संस्था प्रमुख मंजू सोनी ने बताया कि हम सभी महिलाएं वॉलेंटियर के रूप भारतीय सेना एवं प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं। यदि वक्त आया तो हम सभी रानी दुर्गावती और रानी लक्ष्मी बाई के रूप में सेना का साथ देने हरदम तैयार है साथ ही उक्त कार्यक्रम महिलाओं को किसी भी परिस्थिति का सामना करने हेतु रामकिशोर सोनी द्वारा लाठी एवं तलवार एवं अन्य शस्त्रों को चलाने का प्रशिक्षण दिया।

**जबलपुर, देशबन्धु।** विधायक लखन घनघोरिया के निर्देशानुसार आसिफ इकबाल के प्रयासों से शहीद अब्दुल हमीद वार्ड क्रमांक 56 व्हीकल सोसाइटी कटरा अधारताल में नलकूप में मोटर डलवाने का कार्य किया गया, जिससे वहां पर पानी की जो समस्या थी उसका निराकरण हो गया, और इस पर जनता ने विधायक का आभार व्यक्त किया।

## बेटियों को ससुराल में मिले मायके जैसा दुलार - महापौर

**जबलपुर, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज नगर निगम जबलपुर द्वारा, सिंधी धर्मशाला में 76 जोड़ों के सामुहिक विवाह का आयोजन किया गया प्रत्येक जोड़े को चेक के माध्यम से 49 हज़ार की राशि प्रदान की गई। सामूहिक विवाह समारोह 2025 में उपस्थिति रही, इस मौके पर महापौर जगत बहादुर अन्नू ने कहा कि बेटियों को मायके जैसा ससुराल मिलना चाहिये। कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहणी , विधायक अभिलाष पांडे , निगम अध्यक्ष रिंकू विज, डॉ सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, रजनी साहू , श्रीमती अंशुल यादव पार्षद श्रीमती अर्चना सिसोदिया मौजूद थे।

## गहोई शिक्षा प्रसार समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**जबलपुर, देशबन्धु।** गहोई शिक्षा प्रसार समिति (अ.भा.) की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम नेक्टर लान, विजयनगर, में आयोजित किया गया। सर्व प्रथम अध्यक्ष डॉ अरुण सरावगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं अरुण खर्द, कनिष्ठ उपाध्यक्ष के के लोहिया, कोषाध्यक्ष सुभाषचन्द्र रावत एवं मुख्य चुनाव अधिकारी प्रोफे राजेंद्र चपरा, चुनाव अधिकारी द्वय विजय सुहाने एवं इं संतोष सिपौलया को मंचासीन कराया गया।दीप प्रज्वलन एवं गणेश पूजन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रोफेसर राजेंद्र चपरा द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों/प्रबंध समिति सदस्यों के निर्वाचित होने संबंधी घोषणा की गई उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ नवीन कार्यकारिणी में डां अरूण कुमार सरावगी द्वारा मंत्री इंजी.कमल कांत गुप्ता बहरे, वरिष्ठ सह मंत्री एडवोकेट उत्तम चंद बिलैया, कनिष्ठ सहमंत्री इंजी.संतोष कुमार सिपौल्या,विधि सलाहकार एडवोकेट अशोक कुमार गुप्ता पिपरसानिया एवं अंकेक्षक डॉ श्रीकृष्ण बिलैया को मनोनीत किया गया। तत्पश्चात् इंजीनियर श्रीकांत कास्तवार द्वारा उपस्थित पदाधिकारियो को शपथ दिलाई गई।

प्रबंध समिति सदस्य श्याम चौदहा, श्रीमती सीता सरावगी, शिवकुमार नीखरा गाडरवारा, संतोष सुहाने,इंजी. आलोक सरावगी, श्री अनुभव मातेले, इंजी.ऋषणकांत गुप्ता बरसैंया , एवं मनोनीत सदस्यों श्रीमती पुष्पा ददरया, श्रीमती रश्मि पहारिया, इं हरिशंकर सुहाने, राकेश इटौंदया को एडवोकेट गुलाब सोहाने द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया।

समिति के संविधान के अंतर्गत परामर्श परिषद् का गठन किया गया, जिसमें डा गंगा प्रसाद गुप्त सतना,मदन मोहन मोर चालीसगांव , उमाशंकर लहरिया भोपाल,इंजी. अशोक नौगरैया, डाक्टर नरेंद्र सेठ, डॉ राधेश्याम सोहाने, प्रोफेसर राजेंद्र चपरा, शंभूदयाल बड़ेरिया, रामनारायण पहारिया एवं इंजीनियर श्रीकांत कस्तवार को उपस्थित सदस्यों को नंदकिशोर नीखरा द्वारा शपथ दिलाई गई। इस मौके पर देशबन्धु संपादक अशोक मिश्रा का स्वागत किया गया।

अध्यक्ष डां अरूण सरावगी द्वारा विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों में श्री विजय सुहाने, पुरूषोत्तम लाल झुड़ेले, डाक्टर ओम प्रकाश तपा मंडला, श्रीमती कमलेश मसुरहा,नितिन बरसैंया,मोहन कुमार सिपौल्या, कैलाश लहरिया, डॉ अजय गुप्ता पिपरसानिया, इं प्रदीप रूसिया, इं राजेंद्र कुमार गुप्ता तीतविलासी के नामों की घोषणा की तत्पश्चात उपस्थित सदस्यों को इं राम गोपाल ददरया ने शपथ ग्रहण कराई ।

## दाम्पत्य जीवन सिर्फ सीखने की पाठशाला - स्वामी अशोकानंद

**जबलपुर, देशबन्धु।** दाम्पत्य जीवन निरंतर सीखने की पाठशाला है। श्रीकृष्ण रुक्मणी ने परिवार में सामंजस्य स्थापित करने, हर वस्तु,जीव से सीखने की प्रेरणा दी है। महाराज जी ने कहा कि चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी ये हमें अपने जीवन में सीखनी चाहिए। नन्हीं सी चींटी महीने भर मेहनत करती है और साल भर आराम और निश्चिंतता से अपना जीवन जीती है। जीवन में कभी-कभी बहुत मेहनत के बाद भी कार्य सिद्ध नहीं हो पाता है पर वही कार्य कम मेहनत में तरकीब से सिद्ध हो जाता है। बगुला पक्षी हमें सिखाता है कि असफलता की स्थिति में रास्ते बदलो पर लक्ष्य मत बदलो। मकड़ी हमें जीवन में रचनात्मकता की सीख देती है। यदि हम सदैव कुछ रचनात्मक करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं तो एक दिन हम पायेंगे कि हमारी रचनात्मकता सृजन का रूप ले चुकी होती है और एक नया अविष्कार हमारे द्वारा निष्पादित हो चुका होता है। मकड़ी की तरह अपने कार्य में निष्ठापूर्वक व्यस्त रहो और मस्त रहो लेकिन जीवन की उलझनों में कभी भी केवल अस्त-व्यस्त मत रहो। उक्त उद्गार श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में श्री चंद्र नगर बस्ती मदर टेरेसा नगर में व्यास पीठ से स्वामी अशोकानंद जी महाराज ने असुर संहार,श्रीकृष्ण रूक्मिणी की विस्तृत कथा में कहे। जनकल्याण यथार्थ आयोजित कथा में नवग्रह षोडशोपचार पूजन सबसे बुजुर्ग श्री लखनलाल यादव ,बेटी बाई ,व्यास पीठ पूजन बेटू चंदेल, विध्येश भापकर, मुकेश यादव ,बालकृष्ण यादव ,सागर रजक, नीलेश डेहरिया, सुमित नगोत्रा,राजेश यादव ,राजाराम यादव ,रामाधार यादव ,कुलदीप यादव ,संजय ठाकुर ,नितिन मिश्रा ,गुड्डू यादव ,संजय यादव ,सत्यम ठाकुर ,हर्षु रजक आदि उपस्थित रहे। आज श्रीमद् भागवत महापुराण में सुदामा चरित्र, गीता उपदेश, भागवत महात्म्य, हवन-यज्ञ भंडारा के कार्यक्रम चंद नगर टगर मदर टेरेसा नगर बस्ती में आयोजित है।

वैशाख पूर्णिमा पर नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं ने स्नान के साथ पूजा-अर्चना की।

## वैशाख पूर्णिमा स्नान से होते हैं रोग मुक्त ब्रह्मचारी सुबुध्दानन्द

**जबलपुर,देशबन्धु।** श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में चल रहे भव्य दिव्य पञ्चपर्व महाआरती महोत्सव के क्रम में आज वैशाख शुक्ल पूर्णिमा समापन दिवस पर पीताम्बरा भगवती माँ बगलामुखी का पपीता द्वारा सहस्त्रार्चन जगद्गुरु शंकराचार्य पीठद्वयाधीश्वर महाराज के निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुध्दानन्द महाराज एवं ब्रह्मचारी चैतन्यानन्द महाराज के परम सन्निध्य में किया गया।

ब्रह्मचारी सुबुध्दानन्द महाराज ने बताया कि हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है. इस दिन पवित्र नदी में स्नान कर पूजा पाठ करने और पितरों के नाम का तर्पण व दान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं. इस दिन विधि विधान के साथ भगवान नारायण और माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना करने से सभी रोग व शोक से मुक्ति मिलती है और हर भौतिक सुख की प्राप्ति होती है. वैशाख पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण की कथा सुनने व पढ़ने का भी विशेष महत्व है. माता बगलामुखी महाविद्या भगवान विष्णु के तेज से युक्त होने के कारण वैष्णवी है। इस ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और मृत्यु के बाद बैकुंठ धाम की प्राप्ति भी होती है। पूजन में उपस्थित आचार्य राजेन्द्र प्रसाद शास्त्री, आदित्य त्रिपाठी,अंश मिश्रा, राम पाण्डेय, शांतनु पाण्डेय, पद्मा मेनन, सोनू कुरेले, मनोज सेन आदि।

## शानो शौकत से निकला चादर जुलूस

**जबलपुर, देशबन्धु।** हज़रत शाह मिर्ज़ा आगा मोहम्मद साहब रहमतुल्लाह अलैह के उर्स मुबारक के मौके पर सोमवार को अपराह्न आगा चौक शानो शौकत के साथ संदल चादर जुलूस निकला। मुतवल्ली सैय्यद लियाकत अली, गुलाम अली घीवाला, सेक्रेटरी मो. रफीक खान, सैय्यद साबिर अली, सहित सैकड़ों की तादाद में अकीदतमंद शामिल हुए। बैंड बाजे से सुमधुर धुन पर नातिया कलाम पेश किए जा रहे थे। हाथों में परचम थामे अकीदतमंद नारए तकबीर अल्लाहो अकबर, नारए रिसालत या रसूलल्लाह के नारे बुलंद कर रहे थे। बारादरी रानीताल होते हुए जुलूस वापस आगा चौक पहुंचा जहाँ पर परंपरानुसार मज़ार शरीफ पर चादरपोशी की गई। नजरों नियाज़ के बाद तबर्रुक तकसीम किया गया।

**कुल शरीफ आज** - उर्स शरीफ के अंतिम दिन मंगलवार को अपराह्न 4 बजे आगा चौक दरगाह में कुल शरीफ का एहतमाम होगा। सूफी हज़रत व अकीदतमंदों से शिरकत फरमाने की गुजारिश की गई है।

## शादियों से कम हो रहे रिवाजों को बचाने महिलाओं ने दिए तर्क-वितर्क

**जबलपुर, देशबन्धु।** रॉयल राजपूताना लेडीज क्लब का शादी संस्कार नहीं-एक इवेंट थीम वाद-विवाद प्रतियोगिता प्लस रिपोर्टर,जबलपुर. रॉयल राजपूताना लेडीज क्लब के तत्वावधान में थीम सेलिब्रेशन हुआ। इस दौरान शादी संस्कार नहीं, एक इवेंट बनता जा रहा है विषय पर लेडीज ने तर्क-वितर्क दिए। इसके साथ ही मदर्स-डे भी सेलिब्रेट किया गया। प्रतियोगिता में सभी ने पार्टिसिपेट कर सामाजिक मूल्यों और आधुनिकता के बीच संबंधों को उजागर किया। वक्ताओं ने पक्ष और विपक्ष में अपने विचारों से दर्शकों की सोच को नई दिशा दी। मातृशक्तियों का हुआ सम्मान कार्यक्रम में मदर्स-डे के उपलक्ष्य में मातृशक्तियों का सम्मान किया गया । इस दौरान कई मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संस्था सदस्यों ने मां नर्मदा वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के लिए कल्याण राशि सौंपी। इस मौके पर संरक्षक शोभा सिंह, मोनिका सिंह, संस्थापक डॉ. आराधना चौहान, सहसंस्थापक प्रियंका कल्चुरी, डायरेक्टर सुनीता भदौरिया, प्रिया सिंह, अर्चना सिंह, सीमा जुग्गी, रंजना ठाकुर, नीलिमा सिंह, राजेश्वरी सिंह, अनुराधा सिंह, रत्ना सिंह, शेफाली सिंह मौजूद रहीं।

## ईश्वर की अनमोल रचना है माँ

**जबलपुर, देशबन्धु।** नववर्ष फाउंडेशन के तत्वाधान में मातृ दिवस के अवसर पर सेंट्रल जेल स्थित शेल्टर होम में रह रही माताऐं जिनके बच्चे होकर भी साथ नहीं है और ऐसी बच्चियों जिनकी माँ नहीं है उनके बीच जाकर मातृ दिवस मनाया और कुछ ना भुलने वाले पल उनके साथ बिताए। इस अवसर पर शेल्टर होम के अधिष्ठाता अंशुमन शुक्ला ने बताया कि इस शेल्टर होम में विगत कई वर्षों से ऐसे ही अनाथ बच्चियां और महिलाएं निरंतर आते रहती हैं। इसी चर्चा के दौरान अंशुमन शुक्ला द्वारा नववर्ष फाउंडेशन को भी आभार व्यक्त किया कि वह समय-समय पर हमेशा जरूरतमंदों के लिए सेवा भाव से कार्य करते आ रहे हैं। संस्था की फाउंडर वर्षा राठौर द्वारा अंत में सभी महिलाओं बच्चियों को मातृ दिवस पर मुंह मीठा कराया गया।

## आम से बनाई स्पेशल बर्फी, पास्ता और केक में छाया मैंगो मैजिक

**जबलपुर,देशबन्धु।** सेम सीनियर सिटीजन क्लब का मैंगो क्वीन कॉम्पीटिशन, बुजुर्गों ने तैयार किए ढेरों व्यंजन प्लस रिपोर्टर,जबलपुर किसी ने आम से टेस्टी केक तैयार किया, तो किसी ने मैंगो फ्लेवर के नूडल्स बनाए। किसी प्रतिभागी ने तरोताजा आमपना बनाया, वहीं आम के कटलेट भी बेमिसाल रहे। सेम सीनियर सिटीजन क्लब के तत्वावधान में मैंगो क्वीन कॉम्पीटिशन आयोजित हुआ। इस दौरान बुजुर्गों ने खट्टे-मीठे आम का उपयोग कर तरह-तरह के व्यंजन बनाए। प्रतियोगिता में 22 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कैल्शियम से भरपूर डिशेज बनाकर प्रतिभागियों ने आम की खूबियां भी बताईं। संयोजक जादूगर एसके निगम ने बताया कि आम सीजन का फल होने कारण सेहत के लिए अच्छा होता है। फलों का राजा होने के साथ इसमें आयरन और कैल्शियम के गुर होते हैं तो फायदेमंद रहता है। कॉम्पीटिशन का जजमेंट पार्षद अयोध्या तिवारी एवं कायस्थ महासभा के अध्यक्ष केके श्रीवास्तव ने किया। 22 प्रतिभागियों ने बनाई 30 डिशेज प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में 22 प्रतिभागियों ने 30 डिशेज तैयार की। इसमें आम का पना, पास्ता, नूडल्स, के आदि खास रहे। इस मौके पर जसवीर चौपड़ा, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, प्रीति सतीश पटेल, लक्ष्मी राजपूत, ममता वासवानी, राजकुमारी रैकवार, आशा मालवीय, रिटायर्ड विंग कमाण्डर चंदन शर्मा, सुनीता चौहान, बच्चन श्रीवास्तव, जसवीर सलूजा, आरती जायसवाल, शशि चड्ढा, सीडी खडसे मौजूद थे।

## फातिमा माता मरियम की वार्षिक भक्ति ..नवीना का नवां दिन

**जबलपुर, देशबन्धु।** संस्कारधानी जबलपुर में सेंट थॉमस स्कूल परिसर स्थित फातिमा की माता मरियम के तीर्थस्थल में वार्षिक भक्ति के अंतर्गत आज नौदिवसीय प्रार्थना का नवां दिन था।आज के पावन खीस्तयाग के मुख्य याजक जबलपुर धर्मप्रान्त बिशप्स हाउस के श्रद्धेय फादर रविंद्र ने भक्तजनों की उपस्थिति में पावन खीस्तयाग अर्पित करते हुए कहा...

स्वर्गदूत गैब्रियल से माता मरियम ने कहा देखिए मैं प्रभु की दासी हूं आपका कथन मुझ में पूरा हो। समर्पण , आत्मत्याग और विश्वास माता मरियम में कूट कूट कर भरा हुआ था और यही विशेषता उन्हें महान बनाती हैं। विगत नौ दिवस से माता मरियम को अनेक उपमाओं से संबोधित किया गया है। माता मरियम शांति की महारानी हैं, क्योंकि वर्ष 1914 से 1918 के बीच संपूर्ण विश्व में उथल पुथल चल रही थी। ऐसे समय में वर्ष 1917 के मई माह में माता मरियम ने तीन बच्चों को दर्शन के देकर विश्व में शांति के लिए प्रार्थना करने को कहा। माता मरियम के द्वारा हमें ईश्वर का मार्ग दिखाई देता है । जब जब हमें माता मरियम की आवश्यकता होती है वह हमें असहाय नहीं छोड़ती हैं। माता मरियम हमारी मध्यस्थ बन कर हमारे लिए ईश्वर से

प्रार्थना करतीं हैं तथा हमारे लिए प्रभु के राज्य अर्थात् स्वर्ग का मार्ग प्रशस्त करती हैं। विपरीत परिस्थितियों में माता मरियम सभी शिष्यों को धीरज देती हैं , उनका विश्वास बढ़ाती हैं और उनका नेतृत्व करतीं है। ईश्वर जिस दया और करुणा से परिपूर्ण हैं, वही दया और करुणा हमको माता मरियम देती हैं । हमें भी एक दूसरे को धीरज के साथ सहन करना चाहिए। माता मरियम के द्वारा हम प्रभु येसु को पहचान सकते हैं और स्वीकार भी करते है। हम उन पर पूर्ण रूप से विश्वास करें और उनके दिखाए मार्ग पर चलें। माता मरियम ने हमको प्रभु येसु के मार्ग का अनुसरण करना सिखाया तथा यह बताया कि प्रभु येसु के बताए मार्ग पर चलने से हमे अनंत जीवन मिल सकता है।

## दैनिक राशिफल

**मंगलवार 13 मई 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिज़री 1445। जेष्ठ कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, नक्षत्र-विशाखा।**

### मेष
आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन लाभदायक रहेगा। लंबे समय का आर्थिक आयोजन पूरा कर सकेंगे।

### वृषभ
परिश्रम की अपेक्षा कम परिणाम मिलने पर भी आप निष्ठापूर्वक काम को आगे बढ़ाएंगे। आपके क्षेत्र की विशालता और वाणी की मधुरता अन्य लोगों को प्रभावित करेगी।

### मिथुन
महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करेंगे। घर में माता और स्त्री वर्ग के लिए आप अधिक भावनाशील बन जाएंगे। तनाव महसूस कर सकते हैं। `क-

### कर्क
आज का दिन नए काम की शुरुआत या सफलता के लिए अच्छा रहेगा। मित्रों और स्वजनों से मिलकर आप खुशी अनुभव करेंगे। किसी यात्रा की संभावना है।

### सिंह
परिवार के सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। महिला मित्रों की विशेष मदद मिलेगी। अपनी प्रभावकारी वाणी से अन्य लोगों का ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

### कन्या
अपने समृद्ध विचार और बोली से आज आपको लाभ होगा। किसी के साथ नए संबंध में जुड़ सकते हैं। आज का दिन व्यापार की दृष्टि से लाभदायक रहने की संभावना है।

### तुला
आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

### वृश्चिक
घर परिवार के साथ आपको आनंद और संतोष की अनुभूति होगी। पत्नी और पुत्र की तरफ से अच्छे समाचार मिलेंगे। शुभ कार्य में भाग ले सकेंगे।

### धनु
काम में सफलता का दिन है। नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। व्यापारी अपने बिजनेस का आयोजन और विस्तार अच्छी तरह कर सकेंगे। नौकरी में उच्च पदाधिकारी आपकी पदोन्नति के लिए विचार करेंगे।

### मकर
आप अपने व्यापार के लिए नई शैली से काम करेंगे। लेखन और साहित्य संबंधी काम को आगे बढ़ा सकते हैं। शारीरिक थकावट और भय की अनुभूति होगी।

### कुंभ
आपके मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न हो सकते हैं। आपके मन में क्रोध और दु:ख की भावना हो सकती है।

### मीन
भाग्य का साथ होने के आज का दिन अच्छी तरह व्यतीत होगा। बिजनेस में भागीदारी करनी हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ निकटता का अनभव होगा।

म.

## मां के जयकारे से नर्मदा पंचकोशी यात्रा शुरु

**जबलपुर, देशबन्धु।** सैकड़ो वर्षों से निकाली जा रही नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा वैशाख पूर्णिमा पर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से कई चरणों में 466 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा देश भक्ति गीतों के साथ संकीर्तन करती हुई निकली। भारत देश की सेना आतंकियों को ऐसा सबक सिखाएं ताकि आतंकी एवं उनके समर्थक कई वर्षों तक याद रखें। परिक्रमा आश्रम से 64 योगिनी धुआंधार पशुपतिनाथ मंदिर होते हुए लमेटाघाट से नाव पार कर इमलिया डूडवारा न्यू भेड़ाघाट होते हुए सिद्धन माता जी के आश्रम से सरस्वती घाट में नाव पारकर आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ जहां आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास जी महाराज ने सभी पंचकोशी भक्तों को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं पंचकोसी परिक्रमा के अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल, सचिन एडवोकेट विशाल पंड्या प्रभाकर चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

## पेंशनर्स हित में तत्काल विलोपित कराये जाने की मांग की

**जबलपुर, देशबन्धु।** प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह से उनके कार्यालय में भेंट की तथा राज्य के लगभग 4.50 लाख पेंशनर्स की पीड़ा से अवगत कराया जिसमें मांग की गई है कि म.प्र./छत्तीसगढ़ राज्य पुर्नगठन 2000 अधिनियम की धारा 49 (6) को पेंशनर्स हित में यथाशीघ्र विलोपित करायी जाये तथा राज्य के पेंशनर्स को केन्द्रीय तथा राज्य कर्मचारियों के समान महंगाई 5 प्रतिशत डी.आर. राहत का भुगतान 2019 से अभी तक का जो शेष है उसे यथाशीघ्र भुगतान कराये जाने के आदेश जारी हों। इस मौके पर एच.पी.उरमलिया, शेषमणि पांडे, आर.के. श्रीवास्तव, मोहन अग्रवाल, विजय चौकसे, ए.के. शुक्ला, सी.एल. दोहरे, आर.एस. सक्सेना, राधारमण तिवारी, उमेश हंश, श्रवण कुमार स्त्रोती, लल्लू पटेल, राजेश जैन, दिनेश चौधरी आदि ने माननीय मंत्री का पुष्पहारों से स्वागत किया।

## मध्यप्रदेश ताइक्वांडो यूनियन के सात खिलाड़ियों को मिली ब्लेक बेल्ट

**जबलपुर, देशबन्धु।** जबलपुर इंडियन ताइक्वांडो यूनियन एवं मध्यप्रदेश ताइक्वांडो यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को ताइक्वांडों ब्लैक बेल्ट परीक्षा का आयोजन रॉक फोर्ड सोफ्टसोल कम्प्यूटर एकेडमी परिसर स्थित मध्यप्रदेश ताइक्वांडो यूनियन के मुख्य कार्यालय में आयोजित की गई। ब्लैक बेल्ट परीक्षा मे मध्यप्रदेश राज्य से 7 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें जबलपुर जिले से छः खिलाड़ी एवं नर्मदापुरम से एक खिलाड़ी ने भाग लिया। ब्लेक बेल्ट परीक्षा में सम्मिलित ताइक्वांडो खिलाड़ी मोहित यादव, कार्तिक यादव, कृतिका खियानी, कामाक्षा पटेल, प्रियांशी उपाध्याय, वैष्णवी उपाध्याय एवं नर्मदापुरम जिले के ताइक्वांडो खिलाड़ी पवन कुमार ध्रुवे ने ब्लेक बेल्ट परीक्षा में सम्मिलित हुए मध्यप्रदेश ताइक्वांडो यूनियन द्वारा ब्लैक बेल्ट उपाधि प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गय जिसमें ताइक्वांडो ब्लेक बेल्ट परीक्षा में उत्तीर्ण खिलाड़ियों को रॉक फोर्ड सोफ्टसोल कम्प्यूटर एकेडमी मदन महल के संचा उत्कृष्ट गुप्ता, मध्यप्रदेश ताइक्वांडो यूनियन के महासचिव राजकुमार यादव के द्वारा ब्लेक बेल्ट प्रमाण पत्र एवं आईडी का प्रदान कर सम्मानित किया गया। (खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश ताइक्वांडो यूनियन के अध्यक्ष मिलन मुखर्जी, उपाध्यक्ष गुड्डू नवीं प्रतिनिधि उपनेता प्रतिपक्ष नगर निगम जबलपुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिलिंद भालेकर संपादक दैनिक सम्यक एक्सप्रे समाचार पत्र, उत्कर्ष गुप्ता संचालक रॉक फोर्ड सोफ्टसोल कम्प्यूटर एकेडमी मदन महल, वैभव जोशुवा संचालक मानकुवॉरी हंसा हायर सेकंडरी स्कूल बरेला, महासचिव राजकुमार यादव, शिवानी बेन, जयराज चौधरी अन्य समस्त पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों ने शुभकामनाएं एवं बधाईयां प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की

## अफसर राईन रवाना हुए हज ऐ बैतुल्लाह के सफर पर

**जबलपुर, देशबन्धु।** अफसर राईन साहब अपनी अहलिया के साथ हज ऐ बैतुल्लाह की अज़ीम सआदत हासिल करने के लिए रवाना हो गए। दोनों मियां-बीवी ने गरीब रथ एक्सप्रेस से मुंबई की जानिब रवानी की, जहां से वो हज के सफर पर सऊदी अरब के लिए रवाना हो गए। अफसर राईन साहब, जो कि जाहिद राईन मिस्टर, मुजफ्फर राईन, इरशाद राईन और इमरान राईन के सगे भाई हैं, की रुख्सती के मौके पर जबलपुर रेलवे स्टेशन पर एक रूहानी और जज्बाती मंजर देखने को मिला। इस मौके पर निज़ाम ख़ान, सगीर ख़ान, सैयद वजाहत, इस्तियाक़ अंसारी, इम्तियाज़ राईन और असकरी टाइम्स के डायरेक्टर पत्रकार अशफ़ाक आरिफ साहब की मौजूदगी ने इस मौके को और पुरजौक बना दिया। लोगों ने अफसर भाई को गले लगाकर दुआओं के साथ रुख्सत किया अल्लाह पाक हज का ये पाकीजा सफर कुबूल फरमाए और मुकम्मल अदा करवाए और उन्हें अपने मकबूल बंदों में शुमार करे।

## निधन

**ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान**

**श्रीमती रेखा कोहली**- जेके कॉम्पलेक्स गोरखपुर निवासी श्री गुलशन कुमार कोहली की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा कोहली (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्रीमती पार्वती बाई**- शक्तिनगर भोले कुटि के पास निवासी श्री मनीष प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई (100) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री प्रकाश चंद्र प्रधान**- भानतलैया खेरमाई वार्ड निवासी श्री प्रकाश चंद्र प्रधान (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री किशन लाल दाहिया**- महाराजपुर निवासी श्री किशन लाल दाहिया (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री भगवान दास रैकवार**- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री भगवान दास रैकवार (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री शशिकांत द्विवेदी**- सरस्वती कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री शशिकांत द्विवेदी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राजदीप बंशकार**- गुरंदी बांस बल्ली बाजार के पास निवासी श्री राजू बंशकार के पुत्र श्री राजदीप बंशकार (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री दिनेश चंद्र चौबे**- संजीवनी नगर निवासी श्री दिनेश चंद चौबे (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री देवेंद्र कुमार**- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री देवेंद्र कुमार (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री शरत कुमार शर्मा**- पुनीत नगर अधारताल निवासी श्री शरत कुमार शर्मा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री आदेश वर्मा**- चुंगी चौकी कांचघर निवासी श्री आदशे वर्मा (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री नरेंद्र कुमार पटेल**- न्यू रामनगर अमखेरा निवासी श्री बाबू लाल पटेल के पुत्र नरेंद्र कुमार पटेल (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

# प्रेमी ही निकला कातिल

**जबलपुर, देशबन्धु।** देवताल पहाड़ी में लक्ष्मी अहिरवार की हत्या केस की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। कातिल प्रेमी निकला। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विदित हो कि लक्ष्मी मूलत: छतरपुर जिले के खजुराहो की रहने वाली थी और परिवार के साथ निर्माणाधीन मंदिर में मजदूरी के लिए जबलपुर आई थी। शुक्रवार को वह शौच के लिए निकली और एक घंटे तक नहीं लौटी तो परिवार को चिंता हुई। खोजबीन के दौरान, घर से महज 200 मीटर की दूरी पर उसकी लाश मिली। गले और पेट पर गहरे चाकू के घाव थे। मृतका का मोबाइल मिलने से पुलिस को अहम सुराग मिला। कॉल डिटेल खंगालने पर पता चला कि हत्या से ठीक पहले अब्दुल समद से उसकी बातचीत हुई थी। हत्या के बाद अब्दुल दो दिन तक शहर के एक होटल में छिपा रहा और लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा। रविवार रात बस पकड़ने की कोशिश करते समय वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने उससे हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। लक्ष्मी की मुलाकात अब्दुल से जनवरी 2025 में नागपुर में हुई थी, जब वह परिवार सहित मजदूरी के लिए वहां गई थी। पानी सप्लाई का काम करने वाले अब्दुल से दोस्ती हुई और फरवरी में विदाई के वक्त उसने युवती को 10 हजार का मोबाइल गिफ्ट किया था। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर लगातार बातचीत होती रही, लेकिन मई की शुरुआत से ही लक्ष्मी ने बात करना कम कर दिया था। यह बात अब्दुल को चुभ गई और उसने हत्या का

फैसला कर लिया। आरोपी अब्दुल समद शुक्रवार सुबह नागपुर से जबलपुर पहुंचा और लक्ष्मी को बार-बार कॉल करने लगा। एक बार युवती ने कॉल उठाया, तो आरोपी ने कहा कि वह सिर्फ आखिरी बार मिलना चाहता है। युवती ने उसे दोपहर 12 बजे देवताल पहाड़ी पर बुलाया। समय से पहले पहुंचा अब्दुल, वहीं घात लगाए बैठा रहा। जैसे ही लक्ष्मी शौच के बहाने पहाड़ी की तरफ आई, दोनों के बीच विवाद हो गया। अब्दुल ने चाकू से गला रेत दिया और पेट में वार कर उसकी हत्या कर दी।

# शराब के लिये रुपये न देने पर चाकू से हमला

## संजीवनी नगर क्षेत्र में वारदात

**जबलपुर, देशबन्धु।** संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में शराब के लिये रुपयों की मांग करते हुए दो असामाजिक तत्वों ने दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। घायल युवकों ने एक बदमाश को धर दबोचा, लेकिन दूसरे आरोपी ने चाकू अड़ाकर अपने साथी को भगा ले गया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि शुक्ला नगर माली मोहल्ला निवासी 24 वर्षीय हिमांशु सोनी बीती रात सवा बारह बजे अपने दोस्त अंकित वर्मा के साथ गजरथ कालोनी निवासी अरविंद मिश्रा के घर जा रहे थे। जैसे ही वे लाल बिल्डिंग के पास बाथरूम करने के लिये रूके, उसी समय दो लड़के पहुंचे और कहने लगे कि बेवजह इतनी रात को घूम रहे हो शराब पीने के लिये रुपये दो। हिमांशु और अंकित ने रुपये देने से मना किया और अपनी एक्सिस से आगे बढ़ गये, तभी यश किराना के पीछे दोनों बदमाश पीछा करते हुए पहुंच गये और चाकू से हमला कर दिया, जिससे हिमांशु के दाहिने पैर की जांघ में चोट आ गई, इसके बाद अंकित से झूमाझटकी शुरु कर दी, उसी समय अरविंद मिश्रा बीच बचाव करने लगा तो झूमाझटकी करने वाले ने वोला रोहित पटेल भाग मोहल्ले के लोग आ गये, रोहित वोला हर्ष सेन को छोड़ नहीं तो जान से खत्म कर देंगे।

# शराब के लिये रुपये न देने पर चाकू-डंडे से युवकों पर हमला

**जबलपुर, देशबन्धु।** गोरखपुर में जहां दो बदमाशों ने शराब के लिये रुपये न देने पर गोकुल कोरी नामक युवक पर चाकू से हमला कर दिया तो वहीं लार्डगंज क्षेत्र में एक ऑटो चालक से बदमाशों ने रुपयों की मांग करते हुए डंडे से हमला कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें विवेचना में लिया है। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि रामपुर यादव मोहल्ले में घर के सामने टहल रहे 42 वर्षीय गोकुल कोरी से बाबू पटेल व मोनू पटेल ने शराब पीने के लिये पांच सौ रुपयों की मांग करते हुए मारपीट कर दी। गोकुल के विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया, जिसे गोकुल ने हाथ से पकड़ लिया, जिससे उसके हाथ में चोट आ गई। गोकुल की चीख पुकार के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये। इसी प्रकार लार्डगंज पुलिस ने बताया कि उजारपुरवा निवासी 18 वर्षीय अर्जुन डुमार ऑटो चलाता है। बीती रात करीब दो बजे जब वह रानीताल अखाड़ा के पास पहुंचा तो आलोक केवट अपने एक साथी के साथ मिला और उससे शराब पीने के लिये पांच सौ रुपये मांगने लगा। अर्जुन ने रुपये देने से मना किया तो आलोक व उसके साथी ने गालीगलौज करते हुए डंडे से हमला कर सिर में चोट पहुंचा दी, आलोक के साथी ने अर्जुन के साथी अनिकेत को धक्का दे दिया, जिससे दोनों बाईक सहित गिर गये, जिससे अर्जुन व अनिकेत को चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

## अधिक शराब के सेवन से व्यक्ति की मौत

**जबलपुर, देशबन्धु।** गोहलपुर थानातंर्गत शांति नगर निवासी 57 वर्षीय भगवान दास रैकवार की अधिक शराब के सेवन से उपचार दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भगवान दास का अत्यधिक शराब पीने से स्वास्थ्य खराब हुआ था, जिसे उनका बेटा राकेश रैकवार ने उपचार के लिये बीती रात मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया था। सोमवार सुबह भगवानदास की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

## टीआई और थाने का पुलिस बल दंपत्ति को जबरन थाने ले गये

**जबलपुर, देशबन्धु।** प्रतापपुर निवासी गोलू अनंतराम अपनी धर्मपत्नी के साथ मझगवां मुख्य बाजार मोटर सायकिल से खरीदी करने गया था। पुलिस कर्मी चैकिंग कर रहे थे। इसी बीच पुलिस ने गोलू को रोक लिया और उसने सभी दस्तावेज दिखाए उसके बावजूद पुलिस ने गोलू का चालान काट दिया। जब उसने विरोध किया तो टीआई साहब खुद उसे मारने लगे। उसकी पत्नी ने विरोध जताया तो उसके साथ भी पुलिस ने अभद्र व्यवहार करते हुये गालीगलौज की। इस पूरी घटना का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि पुलिस आम नागरिकों के साथ चैकिंग के नाम पर गुंडागर्दी पर उतर आई है। इस घटना का विरोध स्थानीय ग्रामीणों और व्यापारियों ने किया लेकिन पुलिस ने किसी एक न सुनी और गोलू और उसकी पत्नी को घसीटते हुये थाने ले जाकर कार्रवाई कर दी। दंपत्ति के साथ किये गये इस व्यवहार से अब ग्रामीणों में आक्रोश है और टीआई सहित सभी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

## कांचघर, शीतला माई, सरकारी कुआं क्षेत्र में चौकसी बढ़ी

**जबलपुर, देशबन्धु।** रांझी थाना क्षेत्र के शोभापुर श्मशान के पास कांचघर निवासी अमन श्रीवास उर्फ गोलू की हत्या और आरोपी के घर में तोड़फोड़ के बाद कांचघर, शीतला माई, सरकारी कुआं क्षेत्र में चौकसी बढ़ी गई है इसके अलावा मुखबिर तंत्रों को भी अलर्ट पर रखा है। जिससे तिवारी परिवार के साथ कोई हादसा घटित न हो। अमन की हत्या से उसके परिजनों व दोस्तों में आक्रोश है। क्योंकि वह विश्व हिंदू परिषद का कार्यकर्ता भी था। जिससे संगठन में गुस्सा है। तिवारी परिवार की कांचघर व शीतला माई स्थित दुकानों और सरकारी कुआं स्थित घरों में पुलिस नजर रख रही।?

दरअसल, साहिल डेनियल और अमन श्रीवास चार दिन पहले बरगी डैम घूमने गये थे। इसी बीच तीनों के बीच बातचीत हो रही थी। अमन ने शुभम की प्रेमिका के लिये अपशब्द कह दिये। जिससे अमन और शुभम के बीच विवाद हो गया और अमन ने शुभम को थप्पड़ मार दिया था। गुस्साए शुभम और साहिल ने शोभापुर के पास ले जाकर अमन के साथ निर्वस्त्र कर मारपीट की और लाश को छोड़कर भाग आए। मामले की गंभीरता को देखते हुये घमापुर थाना पुलिस ने अमन की शव यात्रा श्मशान भूमि ले जाने के दौरान गुस्साए लोगों ने हत्या के आरोपी शुभम तिवारी के घर पर अर्थी रखकर हंगामा कर दिया था। शुभम का घर करिया पत्थर श्मशान भूमि के रास्ते पर ही पड़ता है। अमन के परिचितों व दोस्तों ने शुभम के घर पर पथराव कर दिया था और घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ कर दी थी। तिवारी परिवार के घर पर पुलिस बल तैनात कर दिया है। अमन की हत्या के आरोपी शुभम तिवारी के चाचा बल्ला और रमाशंकर तिवारी की बर्तन की दुकान कांचघर और शीतला माई क्षेत्र में हैं।

## स्कूल से लोहे की सरिया चुरा ले गये चोर

**जबलपुर, देशबन्धु।** लार्डगंज थाने में गोहलपुर निवासी 59 वर्षीय मोह. अनवर ने शिकायत दर्ज करायी। जिसमें उन्होंने बताया कि वह अंजुमन इस्लामिया स्कूल का अध्यक्ष है। 10 मई की शाम लगभग 6 बजे नौशाद खान ने फोन कर बताया कि अंजुमन इस्लामिया स्कूल में रखा लोहे का सरिया मुजम्बिल अली निवासी छोटी ओमती ने छोटा हाथी में शाहरूख नाम के लड़के के साथ सरिया लोड कर मिला। सरिया कीमती 32 हजार रूपये का चुरा ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

## पमरे ने 696 कोचों/वैगनों की मरम्मत की

**जबलपुर देशबन्धु।** पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों/वैगनों का पीरीयोडिक ओवर हालिंग का कार्य किया जाता है। दोनों कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक के मार्गदर्शन में अनुरक्षण डिपो में चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में कोचों/वैगनों का अनुरक्षण करके अच्छा प्रदर्शन किया है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले माह अप्रैल 2025 में सीआरडब्लूएस/भोपाल एवं डब्लूआरएस/कोटा दोनों कारखानों में कुल 696 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवर हॉलिंग किया गया, जिसमें सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना भोपाल ने 96 कोचों का अनुरक्षण किया।

# सूदखोरी और मारपीट के मामले में फरार आरोपी पिता पुत्र गिरफ्तार

**जबलपुर, देशबन्धु।** पनागर थाना पुलिस ने मारपीट और सूदखोरी के मामले में फरार आरोपी ज्वेलर्स अनिल गुप्ता और उसके बेटे संदेल गुप्ता को गिरफ्तार किया है।जहा पनागर थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर ने बताया की आरोपियो के द्वारा बिलपुरा नीवासी बिल्डर रंजीत चौधरी से 7 लाख रु की एवज में 21 लाख रु वसूले गए।वही रंजीत चौधरी द्वारा गैरंटी के तौर पर रखी गई जमीन को भी आरोपियो द्वारा हड़पने की कोशिश की गई थी।जहा सूदखोर पिता पुत्र रंजीत चौधरी से 20 लाख रु की मांग कर रहे थे।जब रंजीत चौधरी ने और रुपए देने से मना किया तो अनिल गुप्ता और संदेल गुप्ता ने मारपीट कर जातिसूचक गालियां दी। जिससे आहत होकर पीढ़ित रंजीत चौधरी ने पनागर थाने में अनिल गुप्ता और संदेल गुप्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।जहा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जाँच करते हुए पिता पुत्र को दोषी पाए जाने पर दोनो आरोपीयो की तलाश करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

बिल्डर रंजीत चौधरी ने बताया की उसकी साइट पडरिया में चल रही है।उसे रुपियो की जरूरत पड़ी तो उसने 10 प्रतिशत ब्याज पर अनिल गुप्ता और संदेल गुप्ता से 7 लाख रु लिए।वही बाद में दोनो ने 20 प्रतिशत ब्याज लगाना शुरू कर दिया।जब उसने 21 लाख रु चुका दिए उसके बाद भी अनिल गुप्ता और संदेल गुप्ता के द्वारा 20 लाख रु की और मांग की गई। वही गैरंटी के तौर पर रखी जमीन का निरस्तीकरण करवाने के बावजूद हुई जमीन को हड़पने की कोशिश कर उल्टा झूठी शिकायत कर दी गई थी। वही जांच के बाद दोनो पिता पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

# नशीले इंजेक्शन का कारोबार करने वाला आरोपी पकड़ाया

**जबलपुर, देशबन्धु।** कोतवाली थानातंर्गत गोपाल बाग में नशीले इंजेक्शन का कारोबार कर रहे आरोपी पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास से नौ नशीले इंजेक्शन बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मप्र ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत कार्यवाही की है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गोपाल बाग जयपुर मार्बल के समीप दबिश दी गई। जहां से चेरीताल समदड़िया काम्पलेक्स निवासी 24 वर्षीय तनुज जैन को हिरासत में लिया गया। जिसके पास से मिले नीले रंग के थैले से पुलिस ने फेनिरामाईन मैलेट इंजैक्शन आईपी एविल के 9 इंजेक्शन प्रत्येक इंजेक्शन 10 एम एल का होना पाया गया। पुलिस ने उक्त नशीले इंजेक्शनों को मप्र ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

# तीन भाईयों पर चाकू-बका से जानलेवा हमला

## पनागर के तिलगवां में नरवाई में आग लगाने की शिकायत पर वारदात

**जबलपुर, देशबन्धु।** पनागर थानातंर्गत तिलगवां ग्राम में गेहूं की फसल कटने के बाद नरवाई में लगाई गई आग की शिकायत पर आरोपी पक्ष ने तीन भाईयों पर चाकू, बका व बल्लम से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे तीनों भाईयों को गंभीर चोट आई है, जिन्हें उपचार के लिये जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पक्ष फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रहीं है।

पुलिस ने बताया कि तिलगवां निवासी 30 वर्षीय आकाश यादव की खेरमाई के सामने जमीन है। उसकी जमीन से लगी हुई सुमन सिंह की जमीन है। जिसे रामसेवक राय सिकमी में लेकर खेती करता है। उसकी जमीन से लगी जमीन भोला राय, महेश यादव, विनोद यादव, उमेश यादव एवं गांव वालों की जमीन लगी है।15 दिन पूर्व सभी के खेतों का गेहू हार्वेस्टर से कट गया था। जिसकी नरवाई भूसा बनवाने एवं गायों को चराने के लिये रखी थी। बीते दिवस सुबह रामसेवक राय, मानक राय द्वारा अपनी नरवाही में आग लगा दी गई, जिससे आसपास के नरवाई में भी आग फैल गई और पूरी नरवाई जल गई। फायर बिग्रेड ने पहुंचकर किसी तरह आग पर काबू पाया। जिसके बाद रामसेवक राय, मानक राय व भगवतीबाई ने आकाश यादव व उसके परिजनों के साथ यह कहते हुए गालीगलौज शुरु कर दी कि तुम लोगों ने नरवाई में आग लगाने के मामले में हमारा नाम बताया है। विरोध करने पर रामसेवक राय ने चाकू से व भगवतीबाई ने बका से आनंद पर हमला कर दिया। जिससे आनंद लहूलुहान हो गया। आनंद का भाई विकास व शुभम बीच बचाव करने पहुंचे तो मानक राय ने बल्लम से हमला कर विकास के पेट में गंभीर चोट पहुंचा दी। वहीं रामसेवक ने शुभम पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसके शरीर व हाथ में चोटे आ गई। गंभीर रूप से घायल तीनों भाईयों को उपचार के लिये जबलपुर के निजी अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

# मेडिकल छात्र को प्रदान किया जाये मर्सी अटेम्ट

## हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

**जबलपुर, देशबन्धु।** सिर्फ 9 नम्बर से एग्जाम क्लीयर करने से चुकने के कारण मर्जी अटेम्ट प्रदान किये जाने के की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मुरैना निवासी विकास सिकरवार की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उनके परिवार की चाहत है कि वह डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करे। उसने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की थी और उसे बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज 2022 में सीट आवंटित हुई थी। एमबीबीएस प्रथम वर्ष की परीक्षा पास करने के लिए छात्र को चार अटेम्ट मिलते है। उसने चौथे अटेम्प में 141 अंक प्राप्त हुए थे और सिर्फ 9 अंकों से वह अंतिम प्रयास में उत्तीर्ण होने से चूक गया।

याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने युगलपीठ को बताया कि कॉलेज के वातावरण के कारण छात्र डिप्रेशन में चला गया था। जिसके कारण वह पढाई के ध्यान केन्द्रीय नहीं कर पाया। उसके डॉक्टर बनने का सपना सिर्फ 9 अंक के कारण टूट जायेगा। कोविट कॉल में भी मेडिकल छात्रों को मर्सी अटेम्ट प्रदान किये गये थे। याचिकाकर्ता छात्र को भी एक अतिरिक्त अटेम्प प्रदान किया जाये। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद नेषनल मेडिकल कमीषन तथा मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

## डीआरटी में 145 लंबित प्रकरणों का सहमति से निराकरण

**जबलपुर, देशबन्धु।** ऋण वसूली अधिकरण, डीआरटी में राम निवास पटेल, पीठासीन अधिकारी (पूर्व जिला न्यायाधीश) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत अंतर्गत कुल 145 प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण करने में सफलता मिली है। इस प्रक्रिया में 108.26 करोड़ की वसूली हुई। कुल 60.07 करोड़ रूपये की वसूली विभिन्न बैंक एवं वित्तीय संस्थानों से संबंधित प्रकरणों में अवार्ड प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में अशोक बांके अधिवक्ता सदस्य के रूप में अपना योगदान प्रदान किया। डीआरटी बार एसोसिएशन के सचिव एलपी यादव, संजीव दुबे, आशीष दीक्षित, अखिलेश चौबे, सतीश अवस्थी, संजीव शुक्ला व डीआरटी बार के समस्त सदस्य गणों व तमाम अधिवक्तागण की भूमिका सराहनीय रही। डीआरटी के वसूली अधिकारी सुश्री प्रीति देसाई, अनुभागीय अधिकारी एस आर मोहंति, निजी सचिव वी सुजीत व समस्त कर्मचारीगण ने अपना विशिष्ट योगदान प्रदान किया। इस अवसर पर विभिन्न बैंको के विधि अधिकारी-नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

## जजों के रिक्त पद भरने को लेकर दायर याचिका खारिज

**जबलपुर, देशबन्धु।** मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया जिसमें मप्र हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरने की मांग की गई थी।

जबलपुर निवासी डॉ. एमए खान व अधिवक्ता उत्तम चौकसे की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के 20 पद खाली पड़े हैं। इनमें से 6 जज इसी साल सेवानिवृत्त हो जाएंगे। दलील दी गई कि हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों का बोझ बढने् का एक कारण जजों के रिक्त पद भी है।

तर्क दिया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने सुभाष शर्मा विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया के प्रकरण में यह दिशा निर्देश दिए थे कि मुकदमों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ऐसी प्रक्रिया होनी चाहिए कि एक जज सेवानिवृत्त हो तो तत्काल दूसरे की नियुक्ति हो जाए। प्रत्येक न्यायाधीश के संबंध में यह पता होता है कि वह कब रिटायर होगा। इसके लिए 6 माह पहले से ही रिक्त पद भरने की कार्रवाई शुरू कर दी जानी चाहिए। लगातार मुकदमों की संख्या बढने् से कई लोगों को न्याय मिलने से पहले ही उनकी मृत्यु हो जाती है और कई सेवानिवृत्त हो जाते हैं। ऐसे में कई याचिकाएं अपोषणीय हो जाती हैं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि रिक्त पद भरने कुछ नाम सुप्रीम कोर्ट भेजे गए हैं, इसलिए अभी याचिका में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। सुनवाई पूर्ण होने के बाद न्यायालय ने दायर याचिका खारिज कर दी।

## पमरे जीएम को हाजिर होने के निर्देश

### अवमानना मामले में कैट के निर्देश

**जबलपुर, देशबन्धु।** कैट ने एक अवमानना मामले में न्यायिक सदस्य जस्टिस एके श्रीवास्तव व प्रशासनिक सदस्य मल्लिका आर्य ने पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय को 14 मई को हाजिर होकर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।। मामला लोको पायलट्स की वरिष्ठता निर्धारण से जुड़ा है।

दरअसल जबलपुर निवासी अजय बाजपेयी व अन्य की ओर से अधिवक्ता सपन उसरेठे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि रेलवे ने याचिकाकर्ताओं से कनिष्ठ कर्मचारियों को प्रमोशन दे दिया था। इसलिए पूर्व में कैट में याचिका दायर की गई थी। कैट ने वर्ष 2013 में रेलवे को निर्देश दिए थे कि परीक्षा के परिणाम और चयन के अनुसार वरिष्ठता सूची सही करते हुए याचिकाकर्ताओं को वरिष्ठता का लाभ दें। इसके बाद रेलवे ने हाईकोर्ट में अपील पेश कर दी थी। हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2024 को रेलवे की अपील निरस्त कर दी। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने कैट में अवमानना याचिका दायर की। दलील दी गई कि रेलवे ने उन लोगों को वरिष्ठता का लाभ दे दिया जो इस न्यायिक प्रक्रिया के हिस्सा नहीं थे। तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ताओं से कनिष्ठ कर्मचारी पदोन्नत होते हुए पैसेंजर ड्रायवर और मेल ड्रायवर तक हो गये, लेकिन उन्हें लाभ नहीं मिला। जिसके बाद कैट ने उक्त निर्देश दिये।

## अग्रिम जमानत लेने पहुंचे तो पता चला आरोपी नही, साक्षी बनाया गया

### अदालत ने अर्जी वापस लेने की मांग की स्वीकार

**जबलपुर, देशबन्धु।** द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सचिन द्विवेदी की अदालत के समक्ष एक अनूठा प्रकरण सुनवाई के लिए लगा। दरअसल, शुभम जैन ने प्रथम अग्रिम जमानत अर्जी दायर की थी। लेकिन जब सुनवाई प्रारंभ हुई तो अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक धीरेंद्र गौर ने जानकारी दी कि आवेदक को संबंधित प्रकरण में आरोपी नहीं बनाया गया है। वह उस प्रकरण में साक्षी के रूप में दर्ज किया गया है। फिर क्या था आवेदक के वकील अभय सोनी ने अग्रिम जमानत अर्जी पर बल देने के स्थान पर वापस किए जाने की मांग कर दी। अदालत ने यह मांग स्वीकार कर ली। आवेदक वापस लिए जाने से मूल प्रकरण के गुण-दोष पर कोई प्रभाव परिलक्षित नहीं होगा।

दरअसल जबलपुर निवासी अधिवक्ता सोनी ने अवगत कराया कि उनके सागर निवासी पक्षकार के विरुद्ध थाना सुलतानगंज, जिला रायसेन में अपराध पंजीबद्ध होने का दुष्प्रचार कतिपय इंटरनेट माध्यम से किया गया था। जिसके बाद सावधानी बरतते हुए आवेदक ने गिरफ्तारी की आशंका को निर्मूल करने अग्रिम जमानत अर्जी दायर करने की प्रक्रिया पूरी कर दी। जिस मामले में उसका नाम आरोपित बतौर दर्ज होने की अफवाह उड़ाई गई थी, वह मप्र शासन विरुद्ध पहलवान चड़ार आदि का है। आवेदक नल-जल योजना अंतर्गत शासकीय पाइप ठेका से संबंधित है। प्रकरण के अनुसार पहलवान ने छह चका ट्रक में जो 24 पाइप लोड किए थे, वे चोरी के थे। इसका वीडियो बनाकर ग्रामवासियों ने अपलोड कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने अपराध कायम कर लिया।

## बैंक खाते के संव्यवहार पर रोक लगाने पर जवाब तलब

**जबलपुर, देशबन्धु।** हाईकोर्ट जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने यूको बैंक देवरीखुर्द, पनागर शाखा बैंक से खाते के संव्यवहार पर रोक लगाए जाने के प्रकरण में जवाब-तलब किया है।

जबलपुर पनागर निवासी याचिकाकर्ता कीरत सिंह की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, विनीत टेहेनगुरिया व शुभम पाटकर ने पक्ष रखा।

उन्होंने दलील दी याचिकाकर्ता किसान है और उसका यूको बैंक में खाता संचालित है। बैंक ने बिना किसी कारण से उसका बैंक खाता के संचालन पर रोक लगा दी है। बैंक को ग्राहकों के साथ संव्यवहार में मनमाना आचरण और पारदर्शिता बरतनी चाहिए। इसीलिए याचिकाकर्ता ने अभ्यावेदन देकर बैंक से कारण जानना चाहा। लेकिन कोई कारण नहीं बताया गया। इसीलिए हाईकोर्ट की शरण ली गई है।

# पड़ोसी के प्यार में 3 बच्चों की मां ने घोंटा पति का गला

## हत्या के बाद लाश के पास बैठकर बहाती रही घड़ीयाली आंसू

### ● गुढ़ थाना के हर्दी गांव की घटना, आरोपी पत्नी सहित कथित प्रेमी गिरफ्तार

**रीवा देशबन्धु।** तीन बच्चों की मां ने पड़ोसी के प्यार में सोते वक्त पति का तौलिये से गला घोंटकर हत्या कर दी है। हद तो तब हो गई जब पति की हत्या करने के बाद पत्नी लाश के बैठकर घडियाली आंसू बहाती रही, लेकिन उसके आंसू उसकी करतूत को छिपा ना सके और पुलिस की शुरुआती पूछताछ में ही उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने फिलहाल आरोपी पत्नी सहित उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे पूछताछ अभी जारी है। हत्या का यह सनसनीखेज मामला रीवा जिला मुख्यालय के गुढ़ थाना क्षेत्र स्थित ग्राम हर्दी का है।

मिली जानकारी के मुताबिक रविवार की देर रात ग्राम हर्दी निवासी मोहन साकेत की घर के अंदर ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव जब मौके पर पहुंचे तो मृतक के गले तो तौलिया लपेटी हुई थी, जिससे साफ जाहिर हुआ कि तौलिये से ही युवक का गला घोंटा गया है। पुलिस ने घटना को शुरुआत में ही संदेह के आधार पर जब मृतक मनोज साकेत की पत्नी लक्ष्मी से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह बताने में जरा भी देर नहीं लगाई। शुरूआत में तो उसने पति से तंग आकर हत्या करना बताया, लेकिन बाद में प्रेम प्रसंग का खुलासा हुआ। पुलिस की मानें तो पति की हत्या करने वाली पत्नी का पड़ोस के ही केवट परिवार के शख्स से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

बताया गया कि मृतक मनोज और पड़ोसी प्रेमी साथ में ही मजदूरी करते थे।

मनोज नशे का आदी था, जबकि उसके तीन बच्चे थे जिनमें से दो बच्चे नाना नानी और एक दादी दादा के पास रहते थे। इधर मनोज को जब पत्नी का अपने ही पड़ोसी से प्रेम संबंध होने की जानकारी हुई तो उसने विरोध करना शुरू किया, इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा और बात हत्या तक पहुंच गई।

### कबूला गुनाह....

पुलिस की पूछताछ में आरोपी पत्नी ने कथित प्रेमी को पाने के लिये पति की हत्या करना बताया है, जिसने पति से विवाद के बाद सोते वक्त तौलिये से गला घोंटकर हत्या कर दी और बाद में परिजनों को गुमराह करते हुए मौत का दूसरा कारण बताया। हालांकि पुलिस ने जब शंका के आधार पर पत्नी से पूछताछ की तो चंद घंटों में ही पूरी वारदात का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी पत्नी व उसके कथित प्रेमी को हिरासत में ले रखा है जिनसे अभी पूछताछ की जा रही है।

# गजरथ की तैयारियां अंतिम दौर म

### बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेंद्र प्रसाद शास्त्री के पहुंचने की भी संभावना

**पनागर, देशबन्धु।** भगवान श्री 1008 शांतिनाथ स्वामी की नगरी पनागर में लगभग 40 वर्ष बाद होने जा रहे सप्त गजरथ एवं श्री पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारी अंतिम दौर में है। लगभग 14 एकड़ के विशाल परिसर में विशाल प्रवचन हाल के साथ श्री पंच कल्याणक की संपूर्ण तैयारी लगभग पूर्णता की ओर है संपूर्ण देश के चारों ओर से लाखों भक्तजनों की पहुंचने की संभावना है।

परम पूज्य आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य 108 आचार्य गुरुवर समय सागर के सानिध्य में 13 मुनि महाराज 10 एलक महाराज जी एवं 4 छुल्लक महाराज अभी वर्तमान में पनागर नगर अतिशय क्षेत्र में विराजमान है एवं लगभग 20 आरिका माताजी की भी पहुंचने की संभावना है। पूज्य गुरुवर के सानिध्य में लगभग 40 वर्ष पूर्व जब आप मुनि अवस्था में थे, तब आपके सानिध्य में पनागर में गजरथ महोत्सव संपन्न हुआ था। अब आपके आचार्य पदारोहण के पश्चात पुण 40 वर्षों के पश्चात आपके सानिध्य में प्रथम सप्त गजरथ एवं श्री पंचकल्याणक महोत्सव का सानिध्य का आयोजन किया जा रहा है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री महाराज के भी पनागर आने की संभावना है। क्षेत्रीय विधायक सुशील तिवारी इंदू भैया द्वारा इसके प्रयास किया जा रहे हैं। नगर के साथ-साथ संपूर्ण जबलपुर शहर एवं आसपास के अनेक जिलों में लोगों में हर्ष का वातावरण है। प्रतिदिन हजारों भक्तजन पनागर पहुंचकर गुरुवार के दर्शन कर आशीर्वाद ले रहे हैं। श्री जैन प्रबंध करनी सभा एवं गजरथ कमेटी के अध्यक्ष राजेश कटंगा पंपी द्वारा अपनी संपूर्ण कमेटी एवं नगर के सभी नागरिकों के साथ इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए बहुत बड़ी स्तर पर तैयारी की जा रही है।

## सार-समाचार

### अभिभावकों के लिए कार्यशाला आयोजित

**पाटन, देशबन्धु।** विकलांग सेवा भारती चेतना में अभिभावक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें भोपाल से आए एहतिशामुद्दीन ने अभिभावकों से चर्चा कर उनके बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या प्रयास किया जा सकता है और उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में क्या क्या शामिल करना है,अभिभावकों को परामर्श दिया। स्पेशल ओलंपिक भारत मध्य प्रदेश के एरिया डायरेक्टर दीपांकर बैनर्जी ने भी अभिभावकों को बताया कि दिव्यांग छात्रों को खेल प्रशिक्षण देकर हम उन्हें जिला स्तर से लेकर अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ले जा सकते हैं। इस अवसर प्राचार्य पुष्पा ठाकुर,सुचिता द्विवेदी,अशोक विश्वकर्मा सहित संस्था का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

### महाकौशल शुगर मिल में लगी आग

**नरसिंहपुर, देशबन्धु।** नरसिंहपुर-सिवनी मार्ग नेशनल हाईवे 44 पर बचई गांव स्थित प्रदेश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की महाकोशल शुगर मिल में अचानक आग भड़क गई। इसके कारण मिल को लगभग तीन करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह आग पहाड़ जैसे बगास के ढेर में (गन्ने का अवशिष्ट) भड़की थी। जिससे करीब 12 हजार टन बगास जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण अज्ञात है।

जानकारी के अनुसार महाकोशल शुगर मिल प्लांट परिसर में बायलर के पास ही बड़ी मात्रा में बगास का पहाड़ खड़ा है। इसका उपयोग बॉयलर जलाने के साथ ही कागज, गत्ता, जैविक खाद, बिजली उत्पादन आदि के लिए होता है। रविवार की दोपहर साढ़े 12-एक बजे के बीच मिल कर्मचारियों को बगास में आग लगने का पता चला। धुएं के गुबार से बचई गांव का आसमान भर गया। इससे ग्रामीणों में भी घबराहट फैल गई। आनन-फानन में ग्रामीणों के सहयोग और नरसिंहपुर से बुलाई गई दो फायर ब्रिगेड के जरिए आग पर बामुश्किल काबू पाया गया। हालांकि देर शाम तक इसमें से धुआं उठता रहा। मुंगवानी थाना पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी। प्रबंधन की शिकायत के बाद जांच शुरू होगी।

### दहेज लेकर जा रहा वाहन पलटा, 12 घायल

**सतना, देशबन्धु।** मैहर जिला के रामनगर थाना अंतर्गत पटना गांव के पास सोमवार को एक माल वाहक वाहन पलट गया। इस वाहन में दहेज का सामान लोड था और एक दर्जन से अधिक बाराती सवार थे। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 से प्रधान आरक्षक दिनेश पनिका और पायलेट कमलेश मौके पर पहुंचे। इन्होंने सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस पायलट मनोज पटेल और ईएमटी शिवानी कुशवाहा की मदद से उपचार के लिए, रामनगर अस्पताल भेजते हुए क्षतिग्रस्त वाहन और उसके सामान को सुरक्षित कराया। पता चला है कि विजयराघवगढ़ निवासी करण सिंह की बारात रामनगर के जुड़मानी गांव में कल्लू सिंह के घर गई थी। विदा के बाद सभी लौट रहे ाैं तभी वाहन पलट गया। इस घटना में पुष्पराज सिंह, मोहित सिंह, राहुल सिंह, करण सिंह, बलराज सिंह, दिलराज सिंह को गंभीर चोटें आई है जबकि बाकी सामान्य घायल हुए।

### कार- बाइक की टक्कर में मासूम की मौत

**सतना, देशबन्धु।** पुलिस अनुभाग अमरपाटन अंतर्गत रिगरा गांव के पास कार बाइक की टक्कर में एक छह साल के मासूम की मौत हो गई। पता चला है कि ग्राम दुबेही निवासी अशोक पटेल मोटर साईकिल एमपी 17 एमजे 5535 से बच्चों को स्कूल लेकर जा रहे थे। तभी अर्टिगा वाहन यूपी 32 पीआर 6967 से उसकी टक्कर हो गई। चालक वाहन छोड़ मौके से भाग निकला। बाइक सवार अशोक पटेल समेत उनका बेटा आयु पटेल (10) और भांजा अनुज पटेल (6) घायल हुए थे। अमरपाटन में प्राथमिक इलाज के बाद तीनों को मेडिकल कॉलेज रीवा में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान अनुज पटेल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

# समर वेकेशन की मस्ती अब होगी दोगुनी, भेड़ाघाट में स्पेशल समर इवेंट शुरू

### विधायक नीरज सिंह ने किया शुभारंभ

**पाटन, देशबन्धु।** जिले को अंतराष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाने एवं प्रदेश की कला राजधानी बनाने के लिए पिछले कई वर्षो से निरंतर प्रयास किए जा रहे है। उसी कड़ी में आज झील महोत्सव की अपार सफलता के बाद बरगी विधान सभा में आने वाले भेड़ाघाट में 4 अंतराष्ट्रीय स्तर की वॉटर स्पोर्ट एक्टिविटी लेकर आया है वाटर जेट्स की,वाटर फ्लाई बोड,8 चाइ्र की एडवेंचर राफ्टिंग,कयाकिंग इस प्रयास को एमपी टूरिज्म और नगर पंचायत परिषद भेड़ाघाट समर्थन कर रहे है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। विधायक श्री सिंह ने कहां कि बियोंड स्टुडियोज का उद्देश्य है जिले को अंतराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना,और इस दिशा में यह आयोजन एक बड़ी पहल है। प्रातः शुरू हुए इस इवेंट में खास आकर्षण रहे वाटर फ्लाई बोर्ड,राफ्टिंग रोमांच और मस्ती से भरपूर माहौल के साथ साथ शानदार मौसम और मनमोहक भेड़ाघाट की वादियाँ रही। यह इवेंट परिवारों और युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है,ताकि गर्मी की छुट्टियों में उन्हें एक नया अनुभव मिल सके। बियोंड स्टुडियोज की ओर से बताया गया कि यह सिर्फ एक शुरुआत है आने वाले दिनों में भेड़ाघाट और जबलपुर में और भी बड़े स्तर पर आयोजन किए जाएंगे, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिले और स्थानीय युवाओं को नए अवसर मिलें। यदि आप भी मस्ती और एडवेंचर का लुत्फ उठाना चाहते हैं,तो भेड़ाघाट के नौका विहार पर एक बार पहुंचकर अंतराष्ट्रीय स्तर की वॉटर स्पोर्ट एक्टिविटी का आनंद उठाएए।

### प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करने पर मामला दर्ज

**गाडरवारा, देशबन्धु।** विगत रविवार को देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ फेसबुक पर अश्लील और अमर्यादित टिप्पणी को लेकर माता वार्ड निवासी सोनू कहार द्वारा पुलिस को दिए गए आवेदन के आधार पर स्टेशन रोड निवासी नीलेश जायसवाल के विरुद्ध भारतीय नया संहिता की धारा 353 दो के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।सोनू द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख है कि आवेदक नीलेश जायसवाल उसका फेसबुक फ्रेंड है। रविवार को करीब दोपहर 12ः00 बजे उसने फेसबुक अकाउंट पर देखा कि नीलेश जायसवाल ने देश के प्रधानमंत्री के विरुद्ध अश्लील और अमर्यादित टिप्पणी नीलेश जायसवाल नाम की फेसबुक आईडी पर अपलोड की है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस टिप्पणी से भाजपा कार्यकर्ताओं का अपमान है।

# छोटेलाल पटेल बने जिला अध्यक्ष, रामराज पटेल को संभागीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी

### ओबीसी महासभा के अध्यक्ष व संभागीय अध्यक्ष की घोषणा

**पाटन, देशबन्धु।** जिले में ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्षों की सहमति पर नियुक्तियां प्रदान करते हुए ओबीसी महासभा के द्वारा जिला अध्यक्ष छोटेलाल पटेल पिता सोनेलाल पटेल सिहोरा एवं ओबीसी महासभा रामराज पटेल पिता चमरूलाल पटेल ग्राम बेला को संभागीय अध्यक्ष जबलपुर के पद पर नियुक्त किया गया।

आप दोनों की नियुक्ति पर ओबीसी महासभा संगठन के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एडवोकेट वैभव सिंह, एडवोकेट धर्मेंद्र कुशवाहा, महेंद्र सिंह लोधी, अरविंद दागी ,पुष्पराज सिंह पटेल, लोकेंद्र गुर्जर कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र यादव, राकेश पटेल, सौरभ लिल्हारे लोधी,चतुर्भुज कुशवाहा, सुनील कुमार पटेल, मुन्नालाल जैसवाल को प्रदेश कार्यालय द्वारकापुरी कॉलोनी नियर बस स्टैंड जिला अशोकनगर के पंजीयन क्रमांक 71/एसई /2023 दिनांक 07/05/2025 मई को ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्षों की अनुशंसा पर नियुक्तियां प्रदान की गई। आपकी नियुक्त पर स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं ने हर्ष जताते हुए प्रशंसा की। जिस पर गिरानी लाल, संतराम पटेल, जितेंद्र कुर्मी, सोनेलाल, सुनील विश्वकर्मा, संत कुमार पटेल ,योगेश लोधी के साथ अन्य कार्यकताओं ने भी शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया।

# हाई व हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं का विकासखंड स्तर पर किया सम्मान

**सिहोरा, देशबन्धु।** सीएम राइज विद्यालय (सांदीपनि) सिहोरा में विकासखंड की समस्त हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 10वीं और 12वीं में विद्यालय स्तर में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान कार्यक्रम विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिहोरा के द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नगरपालिका परिषद सिहोरा की अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे, अशोक कुमार उपाध्याय प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय सिहोरा, अरविंद धुर्वे सहायक संचालक शिक्षा उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना और दीप प्रज्वलित कर की गई। इस कार्यक्रम में सिमरन साहू कामर्स ग्रुप में राज्य की मेरिट सूची में 6वीं रैंक, आजाद सिंह 10वीं में जिला मेरिट सूची में 2वीं रैंक, विराज साहू 3वीं रैंक सालेम स्कूल सिहोरा,श्रेयांस पटेल, मीनाक्षी कोल सांदीपनि विद्यालय सिहोरा, जिया साहू पौंडिकला, त्रिवेणी कुशवाहा, मधु लोधी रामखिरिया, कमोद सिंह भंडरा, आयुषी तिवारी मढ़ा परसवाड़ा, मानसी मल्लाह, दीपशिखा साहू यशोदा बाई, मुस्कान कुम्हार बेला, एकता राय खिरहनी कला, अभिषेक चक्रवर्ती गुनहरु मोहसाम से उपस्थित थे। अतिथियों ने प्रतिभाशाली बच्चों को फूल माला पहनाकर मेडल देकर सम्मानित किया। बच्चों ने इस सफलता पर अपने अपने विचार रखे। पालकों ने भी मंच पर आकर अपने मन की बात की। अतिथियों ने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें इस पथ पर चलते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सलेम स्कूल के प्राचार्य भास्करन उपस्थित थे उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

# खून नालियों में नहीं,नसों में बहना चाहिए : निरंकारी मिशन

## सम्पूर्ण मानवता के मसीहा और प्यार की मूरत हैं बाबा हरदेव सिंह

**पाटन, देशबन्धु।** निरंकारी बाबा हरदेव सिंह ने मानव मात्र को जीवन भर केवल प्रेम और शांति का पाठ पढ़ाया और संपूर्ण मानव जाति को जागरूकता प्रदान करते हुए कहा कि इस निरंकार की जानकारी प्राप्त करके ही विश्व में आदर्श समाज की स्थापना की जा सकती है। अपने जीवन के अंतिम स्वांस तक बाबा जी इसी पवित्र उद्देश्य की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासशील रहे।'

खून नालियों में नहीं, नाड़ियों में बहना चाहिए, धर्म जोड़ता है, तोड़ता नहीं, नफरत वैर की दीवारें तोड़कर प्यार के पुल बनाइए, एक को जानो, एक को मानो, एक हो जाओ कुछ भी बनो मुबारक है, लेकिन पहले इंसान बनो प्यार, प्रीत, नम्रता, सहनशीलता, ब्रह्मज्ञान आदि का संदेश देने वाले बाबा हरदेव सिंह निरंकारी मिशन के मुखी थे। इनका जन्म 23 फरवरी 1954 को दिल्ली में पिता गुरुबचन सिंह (बाबा जी) और माता कुलवंत कौर के गर्भ से हुआ। आप चार बहनों के एकलौते भाई थे आप जी की शादी नवंबर 1975 में माता सविंदर कौर जी के साथ हुई जिन्होंने आप के ब्रह्मलीन होने के उपरांत दो वर्षों तक मिशन की बागडोर सतगुरु रूप में संभाली और भक्तों को स्नेह प्रदान किया। आप के घर तीन सुपुत्रियां समता, रेणुका और सुदिक्षा जी (निरंकारी मिशन के मौजूदा सतगुरु माता जी) ने जन्म लिया।

आपने अपनी प्राथमिक शिक्षा राजौरी पब्लिक स्कूल दिल्ली में प्राप्त की। उसके उपरांत सेकेंडरी शिक्षा के लिए आपको 1963 में यादविंद्रा पब्लिक स्कूल पटियाला (पंजाब) में दाखिल करवाया गया जहाँ से 1969 में आपने मैट्रिक पास की। उच्च शिक्षा आपने दिल्ली यूनिवर्सिटी से प्राप्त की। बचपन से ही आप ने अपने पिता सतगुरु बाबा गुरुबचन सिंह जी और राज माता कुलवंत कौर के साथ देश विदेश में आध्यात्मिक यात्राएं करनी शुरू कर दी थीं। 1971 में आप संत निरंकारी सेवादल में भर्ती हो गए और खाकी वर्दी पहनकर सेवा में रुचि लेने लगे। जवानों को अच्छे कामों के लिए प्रेरित करने के लिए आपने 24 अप्रैल 1986 को रक्तदान कैंप की शुरुआत की और मानवता को मानवता के करीब लाने का एक नारा दिया खून नालियों में नहीं, नसों में बहना चाहिए। निरंकारी मिशन द्वारा रक्तदान का विश्व रिकॉर्ड इतिहास में दर्ज है।

आप द्वारा शुरू की गई रक्तदान कैंपों की श्रृंखला के तहत संत निरंकारी मिशन ने अब तक 8644 रक्तदान कैंप लगाकर 14,05,177 यूनिट रक्तदान कर चुके हैं और यह श्रृंखला लगातार जारी है। आपने 36 साल मिशन का नेतृत्व किया। आप प्रेम के मसीहा थे। आप जी द्वारा समाज कल्याण के लिए की गई अनथक सेवाओं को कभी भूला नहीं जा सकता। इसके अलावा आज जब ग्लोबल वार्मिंग (धरती का बढ़ता तापमान) का खतरा जो पूरे देश पर मंडरा रहा है,तब ऐसी घातक परिस्थिति में उस समस्या को दूर करने के लिए आप जी ने पूरे भारत और विश्व में अपने सेवादारों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत मुहिम में भी भरपूर योगदान दिया। जब कभी किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं, भूकंप, सुनामी, बाढ़ आदि आईं, तब वहां भी सेवादारों ने मानवता की भलाई के लिए दिन रात एक कर दिया। बाबा हरदेव सिंह जी ने जातियों-पातियों को खत्म करने,नशे से दूर रहने की प्रेरणा,दहेज और समाज की जितनी भी कुरीतियां थीं, उन्हें अपने उपदेशों के जरिए मानव जीवन से निकालने का उपाय किया। आप को 27 यूरोपीय देशों की संसद ने उच्च तौर पर इंग्लैंड में सम्मानित किया और आप जी को विशेष तौर पर संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) का मुख्य सलाहकार भी बनाया। इसके अलावा विश्व शांति स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया।

## क्या ट्रंप की वजह से मुमकिन हुआ भारत-पाक सीजफायर? शशि थरूर ने बताई अंदर की बात

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर सियासत तेज हो गई है। ट्रंप ने दावा किया था कि यह युद्धविराम अमेरिका की मध्यस्थता से मुमकिन हो पाया है। हालांकि कांग्रेस सांसद और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने उनके इस दावे को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह मध्यस्थता नहीं, बल्कि रचनात्मक सहयोग जैसा था। ट्रंप ने शनिवार रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि अमेरिका की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच फुल और इमीडिएट सीजफायर का समझौता हुआ। महज एक घंटे के भीतर भारत और पाकिस्तान दोनों देशों ने आधिकारिक रूप से संघर्ष विराम की घोषणा कर दी। ट्रंप के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए शशि थरूर ने कहा, यह कहना कि यह 'मध्यस्थता' थी, बिल्कुल गलत है। यह अमेरिका समेत कुछ देशों की तरफ से एक रचनात्मक भूमिका थी, जिसमें वे दोनों पक्षों से संपर्क में थे। लेकिन भारत ने कभी किसी भी तीसरे पक्ष से मध्यस्थता की मांग नहीं की। थरूर ने एक बातचीत में कहा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका के सेक्रेटरी मार्को रूबियो, यूएई, ब्रिटेन और फ्रांस के विदेश मंत्रियों से लगातार संपर्क में थे।

# क्या है गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा, क्यों पाकिस्तान को बचाने के लिए आगे आ जाता है अमेरिका?

**इस्लामाबाद।** भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना इन दोनों देशों का स्वतंत्र अस्तित्व। 1947 में भारत के विभाजन के बाद से कश्मीर विवाद, सीमा संघर्ष, और आतंकवाद जैसे मुद्दों ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखा है। हाल के वर्षों में, खासकर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे सटीक सैन्य हमलों ने इस तनाव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इन घटनाक्रमों के बीच एक सवाल बार-बार उठता है- जब भी भारत पाकिस्तान को निर्णायक जवाब देने की स्थिति में होता है, अमेरिका क्यों हस्तक्षेप करता है? क्या इसके पीछे अमेरिका का पाकिस्तान को गैर-नाटो प्रमुख सहयोगी का दर्जा एक अहम भूमिका निभाता है? आइए विस्तार से समझते हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंध और अमेरिका की भूमिका

भारत और पाकिस्तान के बीच 1947, 1965, 1971, और 1999 में चार बड़े युद्ध और कई छोटे-बड़े सैन्य टकराव हो चुके हैं। इनमें से अधिकांश कश्मीर विवाद से जुड़े रहे हैं। 1947 के पहले कश्मीर युद्ध में पाकिस्तान समर्थित कबायलियों ने कश्मीर पर हमला किया, जिसके जवाब में भारत ने सैन्य कार्रवाई की और पाक समर्थिक आतंकियों को खदेड़ दिया। 1971 का युद्ध भारत के लिए निर्णायक रहा, जब भारतीय सेना की मदद से बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) ने स्वतंत्रता हासिल की। इस युद्ध में अमेरिका ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया था। अमेरिकी नौसेना की सातवीं फ्लीट को बंगाल की खाड़ी में तैनात किया गया था। इसमें परमाणु-सक्षम विमानवाहक पोत 'एंटरप्राइज' शामिल था। हालांकि, सोवियत संघ की चेतावनी और भारत की कूटनीतिक-सैन्य ताकत ने अमेरिका को हस्तक्षेप से रोक दिया।

2025 में पहलगाम हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और क्क्ष्य में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के 9 ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। भारत ने स्पष्ट किया कि ये हमले सटीक और आतंकवादी ठिकानों तक सीमित थे। अमेरिका ने इस बार भी आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख का समर्थन तो किया लेकिन सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार नहीं ठहराया। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने दोनों देशों से संयम बरतने और बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका लगातार भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू से तौलता रहा।

**ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिकी मध्यस्थता**- भारत द्वारा 6-7 मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे तनाव को कम करने में अमेरिका ने अहम मध्यस्थता निभाई। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों में सैन्य तनाव बढ़ गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 मई को युद्धविराम की घोषणा की, जिसमें उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित दोनों देशों के नेताओं से बातचीत की। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि यह स्थिति संवेदनशील है, और संवाद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने इस मध्यस्थता को द्विपक्षीय समझौता माना, लेकिन कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी दबाव ने ऑपरेशन को रोकने में भूमिका निभाई।

गैर-नाटो प्रमुख सहयोगी दर्जा , क्या है यह?

गैर-नाटो प्रमुख सहयोगी का दर्जा अमेरिकी सरकार द्वारा उन देशों को दिया जाता है, जो नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के सदस्य नहीं हैं, लेकिन अमेरिका के साथ रणनीतिक और सैन्य सहयोग रखते हैं। यह दर्जा 1987 में शुरू किया गया था और इसके तहत शामिल देशों को कई लाभ मिलते हैं।

सैन्य सहयोग- रक्षा अनुसंधान, आतंकवाद-विरोधी अभ्यास, और सैन्य उपकरणों की प्राथमिकता आधार पर आपूर्ति।

आर्थिक लाभ- कुछ रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए अमेरिकी वित्तीय सहायता।

रणनीतिक साझेदारी-अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान।

पाकिस्तान को 2004 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने यह दर्जा दिया था, जिसका मुख्य उद्देश्य अफगानिस्तान में तालिबान और अल-कायदा के खिलाफ 'वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ युद्ध' में पाकिस्तान का सहयोग सुनिश्चित करना था। ऑस्ट्रेलिया, मिस्र, इजरायल, जापान, दक्षिण कोरिया, और हाल ही में कतर और कोलंबिया जैसे देश भी इस सूची में शामिल हैं।

हालांकि, यह दर्जा किसी औपचारिक रक्षा समझौते की गारंटी नहीं देता। इसका मतलब यह नहीं कि अमेरिका हर स्थिति में पाकिस्तान की रक्षा के लिए सैन्य हस्तक्षेप करेगा। फिर भी, यह दर्जा पाकिस्तान को अमेरिका की सामरिक प्राथमिकताओं में एक विशेष स्थान देता है।

पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर

22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसमें आम नागरिक शामिल थे। भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा को जिम्मेदार ठहराया।

इसके जवाब में भारत ने 7 मई, 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान के बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाकों में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए गए। इन हमलों में जैश प्रमुख मसूद अजहर के 10 पारिवारिक सदस्यों और कई आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई।

## आज का इतिहास

1830- इक्वाडोर गणराज्य की स्थापना, जुआन जोस फ्लोरेंस पहले राष्ट्रपति बने।
1846- अमेरिका और मैक्सिको के बीच पिछले एक साल से टैक्सस को लेकर चल रहे तनाव के बीच कांग्रेस ने अपने इस पड़ोसी देश के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया।
1880- पहली बार थॉमस अल्वा एडिसन की इलेक्ट्रिक ट्रेन चली।
1905- भारत के पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद का जन्म।
1952- स्वतंत्रता के बाद भारत के उच्च सदन राज्यसभा की पहली बैठक हुई।
1956- आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की स्थापना करने वाले आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का जन्म हुआ।
1960- मैक्स इसेलीन के नेतृत्व में स्विटजरलैंड का एक खोजी दल हिमालय में धौलागिरी पर्वत शिखर पर पहुंचा।
1962- सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के दूसरे राष्ट्पति बने।
1967- जाकिर हुसैन भारत के तीसरे राष्ट्रपति चुने गए।

## सुडोकू 6911

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 2 | 5 | | |
| | | 2 | | | 8 | | | |
| 9 | | | | 6 | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | | 3 | 9 | | |
| | 7 | 8 | 1 | | 9 | 6 | 5 | |
| | | 9 | 2 | | | | 7 | 3 |
| | 6 | | | 5 | | | | 4 |
| | | | 6 | | | 7 | | |
| | | 4 | 3 | | | | | |

**: नियम :**
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

**हल आज ही के अंक में**

## बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के 51 स्थलों पर हमले की ली जिम्मेदारी

**बलूचिस्तान, (आईएएनएस)।** बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 51 से अधिक स्थानों पर 71 हमलों की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने हमले वाली जगह को 'बलूचिस्तान ऑक्यूपाइड' बताया है। बीएलए ने एक बयान में चेतावनी दी कि दक्षिण एशिया में नया आदेश अनिवार्य हो गया है और क्षेत्र में बड़े बदलाव होने वाले हैं। बीएलए ने विदेशी ताकतों का हाथ होने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह क्षेत्र के रणनीतिक परिदृश्य में एक गतिशील और निर्णायक पक्ष है। इन हमलों में पाकिस्तानी सैन्य काफिलों, खुफिया केंद्रों और खनिज परिवहन कार्यों को निशाना बनाया गया, ताकि इस संसाधन-संपन्न प्रांत पर इस्लामाबाद के नियंत्रण को चुनौती दी जा सके। बीएलए ने कहा, हम इस विचार को सिरे से खारिज करते हैं कि बलोच राष्ट्रीय प्रतिरोध किसी देश या शक्ति का प्रॉक्सी है।

उन्होंने आगे कहा, बीएलए न तो मोहरा है और न ही मूक दर्शक। हमें इस क्षेत्र के वर्तमान और भविष्य के सैन्य, राजनीतिक और रणनीतिक गठन में अपना उचित स्थान प्राप्त है और हम अपनी भूमिका से पूरी तरह वाकिफ हैं। पाकिस्तान पर कपट और धोखे का आरोप लगाते हुए बीएलए ने कहा कि इस्लामाबाद अपनी युद्ध नीति को शांति और भाईचारे की बातों के पीछे छुपाता है। बीएलए ने कहा, पाकिस्तान की हर शांति, युद्धविराम और भाईचारे की बात केवल एक छलावा, युद्ध रणनीति और अस्थायी चाल है।

बीएलए के प्रवक्ता जींद बलूच ने कहा कि हाल के हमले केवल विनाश के लिए नहीं थे, बल्कि युद्धक्षेत्र में तैयारियों को परखने के लिए किए गए थे। उन्होंने कहा, इस सप्ताह की शुरुआत में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के चरम के दौरान बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना के लिए एक नया मोर्चा खोल दिया। बीएलए ने कब्जे वाले बलोचिस्तान में 51 से अधिक स्थानों पर 71 समन्वित हमले किए, जो कई घंटों तक चले। उन्होंने आगे कहा, इन हमलों का उद्देश्य केवल दुश्मन को नष्ट करना नहीं था, बल्कि सैन्य समन्वय, जमीनी नियंत्रण और रक्षात्मक स्थिति की जांच करना था, ताकि भविष्य के संगठित युद्ध के लिए तैयारियों को मजबूत किया जा सके। बीएलए के बयान में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पर भी तीखा हमला किया गया और उस पर अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया। बयान में कहा गया, पाकिस्तान न केवल वैश्विक आतंकवादियों के लिए प्रजनन स्थल रहा है, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस जैसे घातक आतंकवादी समूहों के राज्य प्रायोजित विकास का केंद्र भी रहा है। उन्होंने कहा, आईएसआई इस आतंकवाद के पीछे का नेटवर्क है और पाकिस्तान हिंसक विचारधारा वाला परमाणु राज्य बन गया है। बीएलए ने वैश्विक समुदाय, खासकर भारत, से राजनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा सहायता की अपील की।

# भूकंप से फिर कांपी पाकिस्तान की धरती, रिएक्टर स्केल पर 4.6 थी तीव्रता

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में सोमवार, 12 मई को दोपहर 1:26 बजे फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान में 29.12 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 67.26 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था, और इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी।

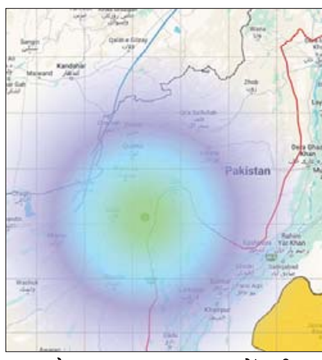

**भूकंप का प्रभाव और क्षेत्र**- एनसीएस द्वारा साझा किए गए नक्शे के अनुसार, भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में था, जो अफगानिस्तान की सीमा के पास स्थित है। नक्शे में दिखाए गए प्रभाव क्षेत्र में क्वेटा और आसपास के शहर जैसे चमन और सिबी शामिल हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी तरह के नुकसान या हताहतों की तत्काल रिपोर्ट नहीं मिली है।

पाकिस्तान में हाल के दिनों में यह दूसरा बड़ा भूकंप है। इससे पहले 9 मई को भी 4.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था, जिसका केंद्र भी बलूचिस्तान में ही था। विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है क्योंकि यह भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर मौजूद है। इस वजह से इस क्षेत्र में भूकंप की घटनाएं आम हैं। बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान जैसे क्षेत्र यूरेशियन प्लेट के दक्षिणी किनारे पर स्थित हैं, जबकि पंजाब और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारतीय प्लेट के उत्तर-पश्चिमी किनारे पर हैं। 10 किलोमीटर की गहराई पर होने वाला यह भूकंप 'शैलो अर्थक्वेक' की श्रेणी में आता है। उथले भूकंपों में सतह पर झटके अधिक तीव्र महसूस किए जाते हैं क्योंकि भूकंपीय तरंगों को सतह तक पहुंचने में कम दूरी तय करनी पड़ती है। इस वजह से भूकंप के केंद्र के आसपास के क्षेत्रों में झटके अधिक प्रभावी हो सकते हैं।

# मैं तुर्किए में पुतिन से मिलने को इच्छुक : जेलेंस्की

**कीव, (आईएएनएस)।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए चर्चा करने की इच्छा व्यक्त की।

यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूक्रेन से रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा प्रस्तावित वार्ता पर तुरंत सहमत होने के तुरंत बाद आया। यह चर्चा 15 मई को तुर्की में हो सकती है। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, यहां यूक्रेन में, हमें बातचीत में शामिल होने में कोई समस्या नहीं है, हम तैयार हैं। मैं इस गुरुवार 15 मई को तुर्किये में रहूंगा और मुझे उम्मीद है कि पुतिन भी तुर्किये आएंगे। मुझे उम्मीद है कि इस बार पुतिन बहाने नहीं ढूंढेंगे कि वे क्यों नहीं आ सकते। हम बातचीत करने, इस युद्ध को समाप्त करने के लिए तैयार हैं।

इससे पहले रविवार को क्रेमलिन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुतिन ने कीव अधिकारियों को बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी वार्ता फिर से शुरू करने का प्रस्ताव दिया, जिसे यूक्रेन ने 2022 में बाधित कर दिया था।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि कीव अधिकारियों के साथ सीधी बातचीत करने का राष्ट्रपति पुतिन का प्रस्ताव यूक्रेनी समस्या का शांतिपूर्ण समाधान खोजना है। यह उनकी मंशा की पुष्टि करता है। रूसी टीवी चैनल पर पुतिन की पहल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही गंभीर प्रस्ताव है, जो शांतिपूर्ण समाधान खोजने की वास्तविक मंशा की पुष्टि करता है।

प्रवक्ता ने कहा, स्थायी शांति केवल गंभीर वार्ता के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है, और इन वार्ताओं के लिए तत्परता अब (रूसी) राष्ट्रपति द्वारा दिखाई और प्रदर्शित की गई है। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने युद्ध विराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और अपनी शर्तों पर लड़ाई में लंबे समय तक विराम की मांग की तथा मास्को में विजय दिवस समारोह के खिलाफ धमकी दी। पुतिन ने रविवार को कहा कि रूस कीव सरकार की प्रतिक्रिया के आधार पर युद्ध विराम अवधि को आगे बढ़ा सकता है।

## वर्ग पहेली 6911

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | | २ | | ३ | ■ | ४ | | ५ | |
| | ■ | | ■ | ६ | | | ■ | | ■ |
| ७ | | | ■ | | ■ | ८ | | | ९ |
| | ■ | | ■ | १० | | | ■ | ■ | |
| ■ | ११ | | १२ | | ■ | ■ | १३ | | |
| ■ | | ■ | | ■ | १४ | | | ■ | |
| १५ | | १६ | | ■ | | ■ | १७ | १८ | |
| | ■ | | ■ | १९ | | २० | ■ | | ■ |
| २१ | | | ■ | | ■ | २२ | | | २३ |
| | ■ | २४ | | | | | ■ | ■ | |

**बायें से दायें:-**
१. संविधान संबंधी
४. दूसरा साल
६. पीछे का, पीछे की ओर बढ़ने वाला
७. पूजा में देवता को चढ़ाई जाने वाली सामग्री
८. बजरंग बली
१०. धातु का बना हुआ, धातु संबंधी
११. एक तरह का वाद्य यंत्र
१३. उत्साह, उल्लास, मौज, जोश
१४. सुग्रीव के राज्य की राजधानी
१५. कमखर्ची, कम दाम, बचत (उर्दू)
१७. चांदी
१९. जो मोटा न हो, जो गाढ़ा न हो
२१. दबाव देना, दबा
२२. चापलूस
२४. बड़ा शहर

**ऊपर से नीचे:-**
१. सिकुड़ना
२. अविरल गति से होने या जारी रहने वाल
३. काशी के पास का एक तीर्थस्थान
४. मेघ, बादल, पर्वत, कृष्ण के चार घोड़ों में एक
५. अनुवाद (उर्दू)
९. जिसका गठन अभी हाल ही में हुआ हो
११. वृद्धि (उर्दू)
१२. मुरदे रखने का संदूक (उर्दू)
१३. ऋण, कर्ज
१४. भाग्य, नसीब (उर्दू)
१५. किले में रहने वाली सेना का प्रधान, दुर्ग रक्षक (उर्दू)
१६. अपने नाम के अनुरूप
१८. जोंक
१९. वायु, हवा
२०. निरुपाय (उदू)
२३. खून, लहू

## वर्ग पहेली-6910

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ रा | ज | २ न | यि | ३ क | ■ | ४ व | नो | ५ प | ज |
| ज | ■ | र | ■ | ६ म | का | न | ■ | तं | ■ |
| ७ धा | व | क | ■ | ला | ■ | ८ वा | रां | ग | ९ ना |
| नी | ■ | पा | ■ | १० स | मा | स | ■ | ■ | ट |
| ■ | ११ उ | ल | १२ झ | न | ■ | ■ | १३ मो | द | क |
| ■ | धा | ■ | र | ■ | १४ उ | त्को | च | ■ | का |
| १५ ह | र | १६ जा | ना | ■ | त्कं | ■ | १७ न | १८ ज | र |
| म | ■ | न | ■ | १९ प | ठा | २० र | ■ | रू | ■ |
| २१ रा | जी | व | ■ | ठि | ■ | २२ वै | शा | र | २३ द |
| ही | ■ | २४ र | वि | त | न | या | ■ | ■ | क्ष |

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दहशत — *शांति से गुजरी रात, पर दहशत और डर का माहौल है बरकरार*

# जम्मू कश्मीर में भारत का दावा ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी

सुरेश एस डुग्गर

**जम्मू, (देशबन्धु)। शनिवार रात 11 बजे के बाद केंद्र शासित प्रदेश में फिर से शांति छा गई, किसी भी तरह की ताजा गोलीबारी या ड्रोन घुसपैठ की कोई खबर नहीं आई। पर इस भूतहा शांति के बीच दहशत और डर का माहौल जरूर बरकरार है। इस डर और दहशत को भारत के उस बयान ने और बढ़ाया है जिसमें कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है।**

तूफान आने से पहले की भूतहा शांति और दहशतभरी रात के प्रति उड़ी के कमालकोट के निवासी मुनीर हुसैन कहते थे कि एलओसी से सटे इस गांव और उसके आस-पास के इलाकों में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को शांति रही। लेकिन वे अभी भी बंकरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी हुसैन कहते थे कि पिछले कुछ दिन प्रलय के दिन जैसे थे। 1999 (भारत-पाक) युद्ध के दौरान भी हमने इतनी गोलाबारी नहीं देखी थी। मुझे उम्मीद है कि शांति कायम होगी। हालांकि, भले ही संघर्ष विराम लागू हो गया हो, लेकिन जम्मू में भी तनाव बना हुआ है, क्योंकि संदिग्ध आतंकवादियों ने नगरोटा इलाके में सेना की 16वीं कोर के मुख्यालय पर गोलीबारी की, जिसमें एक सैनिक घायल हो गया। जम्मू शहर के नागरिक रातभर ठीक से सो नहीं पाए। छोटे बच्चों को यह समझाने में बहुत समय लगा कि अब कोई मिसाइल या ड्रोन हमला नहीं होगा। बावजूद इसके ब्लैकआउट के बीच लोगों ने घर के 'सुरक्षित' समझे जाने वाले कमरों में ही रात को गुजारा है। वर्ष 1965 और 1971 के युद्धों को झेल चुके जम्मू के लोगों न कभी बंकरों की स्थापना नहीं की। पर इतना जरूर था कि प्रवासी श्रमिक जम्मू कश्मीर को छोड़ अपने घरों को स्पेशल ट्रेनों से लौट चुके हैं। इसी तरह से पुंछ के निवासी मुर्तजा अली ने फोन पर बताया कि पिछले कुछ दिनों से तोपों और गोलीबारी की आवाजों से आतंकित रहने के बाद पूरी तरह से शांति थी। पर पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता इसलिए पूरी रात चैन की नींद नहीं सो पाए। वे उम्मीद प्रकट करते थे कि सीजफायर इसी तरह जारी रहेगा ताकि लोग अपनी सामान्य जिंदगी में लौट सकें।

**■ जम्मू शहर के नागरिक रातभर ठीक से सो नहीं पाए**
**■ लोगों ने घर के 'सुरक्षित' समझे जाने वाले कमरों में ही रात गुजारी**

एलओसी के पास स्थित पुंछ व राजौरी जिले, भारत द्वारा मंगलवार और बुधवार (6-7 मई) की दरम्यानी रात को आपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद तोपों की गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 22 नागरिक मारे गए थे। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल हैं।

# खेल जगत

## 'हम आखिरी बार विराट को नहीं देख पाएंगे': ऋषि सुनक

**नई दिल्ली,** 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट फॉर्मेट से विराट कोहली के संन्यास ने पूरी दुनिया के क्रिकेट फैंस को चौंका दिया है। साधारण क्रिकेट फैंस हों या अलग-अलग क्षेत्रों के दिग्गज, सभी कोहली के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के फैसले से हैरान हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इसी बीच ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी किंग कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर अपनी प्रतिक्रिया दी। ऋषि सुनक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ये दुखद है कि हम आखिरी बार गर्मियों में विराट को टेस्ट में नहीं देख पाएंगे। वह क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में रहे हैं, एक बेहतरीन बल्लेबाज, चतुर कप्तान और अजेय प्रतिद्वंदी के रूप में हमेशा ही टेस्ट क्रिकेट को उन्होंने एक अलग अहमियत दी है।'

# विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

**नई दिल्ली,** 12 मई (देशबन्धु)। भारत और दुनिया के तीनों फॉर्मेट के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही उनके शानदार टेस्ट करियर का अंत हो गया। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की जानकारी सोशल मीडिया पर सोमवार को दी। विराट ने भारत कुल 123 टेस्ट खेले और 46.85 की औसत से 30 शतकों और 31 अर्द्धशतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं। विराट कोहली दस हजार टेस्ट बनाने से 770 रन दूर थे और उनके लिए इस बड़े मुकाम तक पहुंचने से पहले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला बेशक बेहद फैसला रहा होगा। विराट भारत के उन खुशकिस्मत गिने चुने क्रिकेटरों में से एक हैं जिन्हें भारत को 2011 में मुंबई में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप और 2024 में आईसीसी टी 20 क्रिकेट विश्व कप जिताने का गौरव हासिल है। विराट की भारत को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जिताने की कसक तब अधूरी रह गई जब टीम इंडिया लगातार दो बार फाइनल में पहुंच कर हार इससे जीतने से चूक गई। विराट ने 68 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की और इसमें 40 जीते और मात्र 17 हारे व 11 ड्रॉ रहे। विराट ने अपनी कप्तानी में घर से भारत को 16 और घर में 24 टेस्ट में जिताया। विराट भारत के सबसे कामयाब टेस्ट कप्तान होने के साथ दुनिया के चौथे सबसे कामयाब कप्तान हैं। विराट भारत को बीते बरस वेस्टइंडीज में आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप जिताने के बाद रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा के साथ टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले ही अलविदा कर चुके हैं। रोहित शर्मा के भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के एक भीतर विराट कोहली की भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा भारत के लिए उसके जून में इंग्लैंड में उसके खिलाफ पांच टेस्ट क्रिकेट खेलने जाने से दूसरा बड़ा झटका है। कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने और जसप्रीत बुमराह की इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने की अनिच्छा से भले ही कप्तानी भले ही शुभमन गिल अथवा जांबाज ऋषभ पंत में भले ही किसी को भी दी जाए लेकिन अब विराट के भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा से उसे अपनी सही एकादश चुनने के लिए बहुत माथापच्ची करनी होगी। भारत के पूर्व टेस्ट ओपनर नवजोत सिंह सिद्धू की माने तो खासतौर पर पहले रोहित शर्मा और उसके एक हफ्ते बाद विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने से भारत के लिए इंग्लैंड में उसके खिलाफ जून - जुलाई के नम मौसम में टीम और सही एकादश चुनना बेहद मुश्किल चुनौती होगा।

**विराट बोले, अब मैं टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह रहा हूं, यह आसान फैसला नहीं**

**भारत के सबसे कामयाब और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के चौथे सबसे कामयाब हैं कप्तान हैं विराट**

विराट कोहली 9230 रन के साथ भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने में चौथे नंबर है। विराट साथ ही 30 टेस्ट शतकों के साथ भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने में चौथे नंबर पर हैं। विराट कोहली को भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा सात दोहरे शतक जमाने का गौरव हासिल है। कोहली टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के इतिहास में लगातार दो कैलेंडर बरस में 75 या इससे ज्यादा की औसत एक हजार से ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं। विराट का पहला बड़ा इम्तिहान 2014-15 का ऑस्ट्रेलिया दौरा था जहां उन्होंने एडिलेड टेस्ट में दो शतक और फिर मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में भी शतक सहित दौरे पर कुल चार शतकों सहित 86.50 की औसत से कुल 692 रन बनाए थे।

देशबंधु ने 10 मई को यह खबर दी थी कि विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में अगले महीने 20 जून से शुरू होने वाले पांच टेस्ट मैचों की अहम क्रिकेट सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को बता दिया है कि वह टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कहना चाहते हैं। तब सूत्र यह बता रहे थे कि विराट की टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने को लेकर बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से करीब डेढ़ महीने से चर्चा चल रही थी। ऐसी भी चर्चाएं थी बीसीसीआई ने अपने एक वरिष्ठ अधिकारी और अपने जमाने के शीर्ष क्रिकेटर को उन्हें कम से कम इंग्लैंड में पांच टेस्ट की सीरीज तक के लिए रुक जाने को मनाने का जिम्मा सौंपा है। विराट अपने फैसले पर काबिज रहे और अंततः सोमवार को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की औपचारिक घोषणा कर दी।

विराट ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा करते हुए कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू जर्सी पहने हुए 14 साल हो चुके हैं। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि टेस्ट क्रिकेट मुझे किस सफर पर ले जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली। मुझे टेस्ट क्रिकेट ने बतौर क्रिकेटर संवारा और उसे सबक सिखाएं जिन्हें मैं जीवन भर संजोए रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना बहुत ही निजी अनुभव होता है। शांत, परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल, जिन्हें कोई नहीं देखता लेकिन ये पल हमेशा आपके साथ रहते हैं। अब जब मैं टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह रहा हूं, तो मेरे लिए यह कतई आसान फैसला नहीं है, लेकिन मुझे यही सही लगता है। मैंने टेस्ट क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा दिया है। मैं दिल से आभार के साथ टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह रहा - खेल के लिए, उन लोगों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया, और हर एक व्यक्ति के लिए जिसने मुझे इस दौरान महसूस कराया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।'

## विराट के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने पर बोले क्रिकेट दिग्गज

विराट, यकीन नहीं होता तुम्हारा काम पूरा हो गया और तुमने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। आप आज के जमाने के दिग्गज हो। आपने जिस तरह टेस्ट मैच क्रिकेट खेली और कप्तानी की, हर लिहाज से इसके बेहतरीन राजदूत हो। आपने हम सभी को, खासतौर पर मुझे जो न भूलने वाली जो यादें दी, उनके लिए आभार। मैं ताउम्र इसका लुत्फ उठाएंगे।

**रवि शास्त्री, भारत के पूर्व क्रिकेट कोच,**

भारत के सर्वकालीन महानतम क्रिकेटर विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। विश्व क्रिकेट को खुशी का प्याला देने के लिए आभार विराट। कहां पड़े हो चक्कर में, कोई नहीं है, टक्कर में। नवजोत सिंह सिद्धू, भारत के पूर्व टेस्ट ओपनर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह, अपने पीछे ऐतिहासिक विरासत छोड़ गए। विराट आपने भारत का गौरव बढ़ाया। आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

**रुद्र प्रताप सिंह, भारत के पूर्व तेज टेस्ट गेंदबाज**

नए जमाने के क्रिकेट के सबसे ब्रांड, जिसने क्रिकेट के सबसे पुराने प्रारूप के लिए सब कुछ दिया। विराट टेस्ट क्रिकेट के लिए आपका हमेशा ऋणी रहेगा।

**संजय मांजरेकर, भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज**

मेरे बिस्कॉटी, विराट कोहली को यादगार क्रिकेट करियर के लिए बधाई। आपके कौशल और संकल्प ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। आप वाकई सच्चे लीजेंड हो।

**एबी डिविलियर्स, दक्षिण अफ्रीका के धुरंधर टेस्ट क्रिकेटर**

विराट आपको अपने ऐसे शानदार टेस्ट क्रिकेट के लिए बधाई,जिस पर आप वाकई फख्र कर सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के लिए आपका जुनून प्रेरणादायक रहा। आपके साथ टेस्ट क्रिकेट मे बरसो क्रीज साझा कर भारतीय टीम को मुश्किल निकालने में साझीदार बनना मेरे लिए गर्व की बात है। आपके साथ न भूलने वाली कई यादें हैं।

**चेतेश्वर पुजारा, भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज**

टेस्ट क्रिकेट ने आपके भीतर के भीतर के योद्धा को बाहर निकाला और आपने टेस्ट क्रिकेट के लिए सब कुछ न्योछावर किया। आप महान क्रिकेटरों की तरह खेले। आपके दिल मे क्रिकेट के लिए भूख, जज्बा और कदमों में कुछ कर गुजरने का जज्बा था। आपने भारत के लिए सफेद जर्सी में जो कुछ भी किया उस पर फख्र है। गो वेल किंग कोहली।

**युवराज सिंह**

टेस्ट क्रिकेट में आपका जुनून और नेतृत्व क्षमता ने लाखों को प्रेरित किया। भाई, आपको प्यार और सलाम। आपके टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के फैसले से आहत हूं लेकिन आपकी विरासत जिंदा रहेगी।

**सुरेश रैना, भारत के टेस्ट खिलाड़ी**

टेस्ट क्रिकेट में विराट के आंकड़े उनकी विरासत को बयां नहीं करेंगे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने जो कुछ किया यह तो उसकी बस एक छोटी सी बानगी है। विराट आपने एक पूरी पीढ़ी को फिर से क्रिकेट का दीवाना बना दिया। आपके योगदान के लिए आपका आभार। आपकी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने से टेस्ट क्रिकेट फीकी हो जाएगी।

**आकाश चोपड़ा, भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर**

टेस्ट क्रिकेट को उस आग की जरूरत थी, जो आपमें है। धन्यवाद विराट, आप अपने अंदाज में खेले।, दीपदास गुप्ता, पूर्व भारतीय क्रिकेटर बधाई वीरी। रेड बाल क्रिकेट में आपकी कमी अखरेगी। आप बतौर क्रिकेट उत्कृष्ट रहे। आपको और आपके परिवार को शुभकामनाएं।

**-प्रज्ञान ओझा, भारत बाएं हाथ के टेस्ट स्पिनर**

विराट, हमेशा सीना ताने खड़े,आपकी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में पारी शानदार रही।

**अंजुम चोपड़ा, भारत की महिला ओपनर**

## करिश्मा सानिल ने एथलेटिक्स वूमेंस गाला की भाला फेंक स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

**दुबई,** 12 मई (एजेंसियां)। भारत की करिश्मा सानिल ने एथलेटिक्स वूमेंस गाला 2025 में जहां शानदार प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, एंसी सोजन और शैली सिंह लंबी कूद स्पर्धा में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। रविवार को मदर्स डे पर दुबई पुलिस क्लब स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा में 24 वर्षीय करिश्मा सानिल ने 53.33 मीटर के प्रयास के साथ तीन एथलीट में शीर्ष स्थान हासिल किया। यूएई की अलियाज्या तारेक (31.04 मीटर) थ्रो के साथ दूसरे और भारत की हर्षिता सेहरावत की (16.77 मीटर) थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रही। वूमेंस लंबी कूद में एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता भारतीय एथलीट एंसी सोजन 6.54 मीटर के सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। भारत की शैली सिंह 6.48 मीटर की लम्बी कूद लगाकर तीसरे स्थान के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतिस्पर्धा में अरब गेम्स की चैंपियन एसरा ओविस ने 6.66 मीटर की लम्बी कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

एंसी सोजन और शैली सिंह ने शुक्रवार को इसी स्थान पर यूएई ग्रां प्री 2025 एथलेटिक्स मीट में भी हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में शैली सिंह ने 6.44 मीटर की कूद के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि एंसी सोजन 6.33 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य स्पर्धाओं में रविवार को भारत की मौमिता मोंडल (24.61 सेकेंड) ने दक्षिण अफ्रीका की तमजिन थॉमस (24.15 सेकेंड) में 200 मीटर रेस में दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत की निहारिका वशिष्ठ 13.58 मीटर के नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ महिलाओं की ट्रिपल जंप में तीसरे स्थान पर रहीं। सावंत पूर्वा 12.98 मीटर की छलांग के साथ चौथे स्थान पर रहीं। जिन्जी जुलु ने (13.75 मीटर) स्कोर के साथ पहला और रोमानिया की आंद्रिया टालोस ने (13.64 मीटर) स्कोर कर दूसरा स्थान हासिल किया।

## 'बिहार प्रीमियर लीग' प्रदेश में क्रिकेट को देगी नई उड़ान, उभरेंगी नई प्रतिभाएं

**जमुई,** 12 मई (एजेंसियां)। बिहार में क्रिकेट को पेशेवर पहचान दिलाने की दिशा में बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। बीसीए ने 'बिहार प्रीमियर लीग' (बीपीएल) के आयोजन की घोषणा की है, जो राज्य की क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। यह टूर्नामेंट बिहार के क्रिकेट इतिहास में मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है, क्योंकि यह न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को एक मंच देगा, बल्कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे बड़े मंचों तक पहुंचने का रास्ता भी खोलेगा। बीपीएल में बिहार के छह जोन मिथिलांचल, अंगिका, मगध, पटना, शाहाबाद और अन्य जोन के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट 10 जून से 25 जून तक पटना के ऊर्जा स्टेडियम में आयोजित होगा। पहले यह टूर्नामेंट 1 जून से शुरू होने वाला था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए इसे

10 जून से शुरू करने का फैसला लिया गया है। इस आयोजन के लिए स्टेडियम को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

बीपीएल के चेयरमैन संजय कुमार सिंह ने इस पहल के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया, 'बिहार में क्रिकेट का अपार क्षमताएं है, लेकिन अवसरों की कमी के कारण कई प्रतिभाएं सामने नहीं आ पाती। बीपीएल का उद्देश्य इन खिलाड़ियों को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकें। आईपीएल की तर्ज पर बीपीएल भी बिहार के क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निखारने और उन्हें पेशेवर क्रिकेट की दुनिया में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।' बीपीएल में हिस्सा लेने वाली टीमें जोनल स्तर पर चयनित खिलाड़ियों से बनाई जाएंगी। टूर्नामेंट के दौरान स्काउट्स और कोच भी मौजूद रहेंगे, जो बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी और अन्य राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स के लिए चुन सकते हैं। स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों में भी बीपीएल को लेकर उत्साह है। वहीं बीसीए ने बीपीएल को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टूर्नामेंट के प्रसारण और प्रचार के लिए भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि बिहार के क्रिकेटरों की प्रतिभा देश-दुनिया तक पहुंचे।

## इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में खेलते नजर आएंगे रैना, धवन, गप्टिल, दिलशान जैसे सितारें

**ग्रेटर नोएडा,** 12 मई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी सुरेश रैना, शिखर धवन और श्रीलंका के पूर्व ओपनर तिलकरत्ने दिलशान सहित कई बड़े खिलाड़ी इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) में खेलते नजर आएंगे। यह टूर्नामेंट 27 मई से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इसका फाइनल मैच 5 जून को होगा। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी शामिल हैं। भारतीय टीम 'इंडियन वॉरियर्स' की ओर से पूर्व भारतीय गेंदबाज प्रवीण कुमार और मनप्रीत गोनी खेलेंगे। दोनों ही खिलाड़ी पेसर हैं। इसके अलावा पांच और टीमें होंगी, जिसमें अफ्रीकन लॉयंस, ट्रांस टाइटन्स (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीम), यूरो ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन स्ट्राइकर्स और एशियन एवेंजर्स शामिल हैं। टूर्नामेंट के नाम के अनुरूप ये छह टीमें छह अलग-अलग महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करेंगी। आईएलसी के निदेशक गौरव कमल ने कहा, 'ये महान खिलाड़ी वर्षों से हमें रोमांचित करते आए हैं, और अब फिर से मैदान पर जलवा दिखाने लौट रहे हैं। यह टूर्नामेंट उनके योगदान को सम्मान देने और क्रिकेट के जश्न का माध्यम है, जो पूरी दुनिया को जोड़ता है।

## आईपीएल 2025 के फिर शुरू होने की संभावना के बीच गुजरात टाइटंस ने शुरू की अपनी ट्रेनिंग

**नई दिल्ली,** 12 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) को भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव के बाद एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। 9 मई को स्थगित किए गए इस टूर्नामेंट के जल्द ही फिर से जारी रहने की संभावना है। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों की संघर्ष विराम की घोषणा के बाद आईपीएल 2025 के लिए गुजरात टाइटंस ने अपनी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार जीटी के खिलाड़ियों ने अपने अभ्यास सत्र शुरू कर दिए हैं। हालांकि, आईपीएल 2025 के स्थगित होने के बाद लीग से जुड़े कई विदेशी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ स्वदेश वापस लौट चुके हैं, लेकिन जीटी की टीम बहुत प्रभावित नहीं हुई है। जीटी की टीम से केवल जोस बटलर और गेराल्ड कोएट्जी ही वतन वापस लौटे हैं।

जीटी के अधिकांश खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ अहमदाबाद में मौजूद हैं और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ट्रेनिंग जारी है। यह जीटी का घरेलू मैदान है। शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम की घोषणा के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने रविवार को बताया कि बोर्ड सभी संबंधित लोगों और सरकारी अधिकारियों से बात करने के बाद आईपीएल फिर से शुरू होने की तारीख की घोषणा करेगा। आईपीएल 2025 के इस सीजन में जीटी ने शानदार खेल दिखाया है और उन्होंने 11 में से 8 मैच जीते हैं। गुजरात टाइटंस इस समय अंक तालिका में सबसे ऊपर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी इतने ही मैच जीते हैं लेकिन जीटी का नेट रन रेट बेहतर है। उनके बचे हुए तीन में से दो मैच घर पर होने थे। लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्हें नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेलना है और एक दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है।

इतना ही नहीं, ऑरेंज कैप की रेस में जीटी के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और शुभमन गिल दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। दोनों 500 से ज्यादा रन बना चुके हैं और सिर्फ मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव से पीछे हैं। इन सभी खिलाड़ियों के रनों के बीच केवल दो रनों का ही अंतर है। जाहिर है ऑरेंज कैप की रेस बहुत रोचक है।

## हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की

**नई दिल्ली,** 12 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भाग लेने के लिए तैयार है। इस लीग के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा हुई है। यह लीग 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में आयोजित की जाएगी।

भारत चार प्रतिभागी टीमों - ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा तथा 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। टीम की कमान मिडफील्डर सलीमा टेटे के हाथों में होगी, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान होंगी। टीम में गोलकीपर सविता और बिचू देवी खारीबाम को शामिल किया गया है। डिफेंडर में सुशीला चानू पुखरमबम, ज्योति, सुमन देवी थोडम, ज्योति सिंह, इशिका चौधरी और ज्योति छत्री हैं। मिडफील्ड में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुजाता कुजूर, मनीषा चौहान और नेहा हैं, साथ ही आक्रामक मिडफील्डर सलीमा टेटे, लालरेमसियामी,

शर्मिला देवी, सुनेलिता टोप्पो और महिमा टेटे हैं। फॉरवर्ड लाइन में दीपिका, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, रुताजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग और साक्षी राणा शामिल हैं।

स्टैंडबाई सूची में गोलकीपर बंसरी सोलंकी और डिफेंडर अजमीना कुजूर शामिल हैं। भारतीय हॉकी टीम ने लीग के भुवनेश्वर चरण में अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम ने दो जीत और दो ड्रॉ दर्ज किए, जिससे नौ अंक अर्जित हुए और वह छठे स्थान पर रही। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 3-2 की जीत और एक ड्रॉ के साथ जोरदार शुरुआत की, लेकिन फिर लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा - दो स्पेन से और एक जर्मनी से। जर्मनी के खिलाफ 1-0 की वापसी जीत ने टीम को फिर से लय हासिल करने में मदद की। टीम के चयन पर बोलते हुए भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हमने एक संतुलित टीम चुनी है जिसमें अनुभव और युवा प्रतिभा का मिश्रण है। यूरोपीय चरण प्रो लीग का एक महत्वपूर्ण चरण है, और हम दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के उच्च-तीव्रता वाले मैचों की उम्मीद कर रहे हैं। चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी ने हमारे हालिया शिविरों और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बहुत प्रतिबद्धता और तत्परता दिखाई है।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, भुवनेश्वर में प्रो लीग मैचों ने हमे दिखाया है कि हमें सुधार करने की जरूरत है। हमने उन सबक को गंभीरता से लिया है और हमारा ग्रुप अपने प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाने के लिए उत्सुक है। यूरोपीय चरण हमारी मानसिक दृढ़ता और रणनीति का एक बड़ा परीक्षण होगा।

## सार संक्षेप

### अनाहत, वीर, रमित की हार से विश्व स्कैश चैंपियनशिप में भारतीय अभियान समाप्त

**शिकागो।** विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप में अनाहत सिंह, वीर चोटरानी और रमित टंडन की हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। लेकशोर स्पोर्ट एंड फिटनेस सेंटर में रविवार को खेले गये दूसरे दौर में 28 मिनट तक चले मुकाबले में भारत की शीर्ष रैंक वाली महिला खिलाड़ी अनाहत को मिस्र की फैरूज अबोएलखिर के हाथों 3-1 (11-7, 8-11, 11-4, 11-3) से हार का सामना करना पड़ा। 17 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत ने पहले दौर के पांच सेट में अमेरिका की मरीना स्टेफनोनी को हराकर इस स्पर्धा के एकल में जगह बनाई थी। वीर चोटरानी ने भी 32 मिनट तक चले मुकाबले में चार बार के विश्व चैंपियन मिस्र के अली फराग के खिलाफ 3-1 (7-11, 11-7, 11-3, 12-10) से हार गए। चोटरानी ने पहले दौर में इंग्लैंड के डेक्लान जेम्स को 3-1 से हराया था। भारत के सर्वोच्च रैंक वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन 57 मिनट तक चले मुकाबले में इंग्लैंड के मारवान एल्शोरबागी के खिलाफ पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 11-7, 5-11, 8-11, 11-8) से हार गये। रमित ने पहले दौर में जापान के रयुनोसुके त्सुकु को 3-1 से हराया।

### बीसीबी ने शॉन टैट को तेज गेंदबाजी कोच किया नियुक्त

**ढाका।** बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टैट को अपनी टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। शॉन टैट का अनुबंध नवंबर 2027 तक होगा। वह आंद्रे एडम्स का स्थान लेंगे। टैट इस महीने के आखिरी में टीम के साथ शामिल होंगे। टैट ने एक दशक तक चले अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूपों में 59 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 95 विकेट लिए है। वह वर्ष 2007 में क्रिकेट विश्वकप जीतने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे। एडम गिलक्रिस्ट के शानदार शतक ने ऑस्ट्रेलिया को 2007 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका पर जीत दिलाने में मदद की। अपनी नियुक्ति पर टैट ने मुख्य कोच फिल सिमंस के नेतृत्व में राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अभी बंगलादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ना अच्छा समय है। यह एक नए युग की तरह है। बंगलादेश की हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला बराबर रही थी और उसे अभी संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ भी खेलना है।

| SENSEX | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| BSE | 82429.90 ▲ 2975.43 | NSE | 24924.70 ▲ 916.70 | | |
| MCX | Gold 93219 ▼ 3299 | silver 95603 ▼ 1126 | | | |



# अर्थ जगत

## एसबीआई पर आरबीआई ने लगाया 1.72 करोड़ का जुर्माना

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भारी जुर्माना लगाया है। आरबीआई के द्वारा एसबीआई पर लगाया गया ये जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों को लेकर लगाया गया है। इसके साथ ही, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक के ऊपर भी आरबीआई ने ऐसा ही कदम उठाया है। आरबीआई ने कहा कि उसने भारतीय स्टेट बैंक पर 1.72 करोड़ रुपए (1,72,80,000) का जुर्माना लगाया है।

### सेंसेक्स 2975 अंक उछलकर 82 हजार के पार , निवेशकों ने 16 लाख करोड़ कमाए

# सीजफायर से पूरे जोश में शेयर बाजार

*__मुम्बई।__ भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार (12 मई) को चार वर्षों से अधिक समय में अपना सर्वश्रेष्ठ करते हुए कारोबार के दौरान लगभग 4 प्रतिशत चढ़ गए। इसी के साथ बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 ने पिछले चार वर्षों में अपनी सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त दर्ज की। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर सहमति और अमेरिका-चीन में ट्रेड वॉर पर ब्रेक के चलते शेयर बाजार जोरदार रैली के साथ बंद हुए। इंडेक्स में भारी भरकम वजन रखने वाले एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में तेजी से भी बाजार को सपोर्ट मिला।*

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 1000 से ज्यादा अंक उछलकर 80,803.80 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 82,495.97 अंक तक चढ़ गया था। अंत में सेंसेक्स 2975.43 अंक या 3.74 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 82,429.90 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी जोरदार तेजी के साथ 24,420.10 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,944.80 अंक तक चला गया था। अंत में निफ्टी 916.70 अंक या 3.82 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 24,924.70 पर क्लोज हुआ।

इससे पिछले ट्रेडिंग सेशन में यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 880.34 अंक यानी 1.10 प्रतिशत गिरकर 79,454.47 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी50 भी 265.80 अंक या 1.10 प्रतिशत गिरकर 24,008 पर बंद हुआ था। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को आई ताबड़तोड़ रैली से निवेशकों की संपत्ति 16 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर 432.57 लाख करोड़ रुपये हो गया। शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद यह 417.01 लाख करोड़ रुपये था।

**वैश्विक बाजारों से क्या संकेत-** स्विटजरलैंड में महत्वपूर्ण वार्ता के बाद अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने के संकेतों के बाद सोमवार को एशियाई बाजारों में तेजी रही। आखिरी बार जांच की गई तो निक्केई में 0.18 प्रतिशत की तेजी आई और टॉपिक्स में 0.12 प्रतिशत की तेजी आई। कोस्पी में 0.60 प्रतिशत की तेजी आई, जबकि एएसएक्स 200 में 0.47 प्रतिशत की तेजी आई। इस बीच, शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। डॉव जोन्स में 0.29 प्रतिशत की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.07 प्रतिशत की गिरावट आई और नैस्डैक में काफी हद तक स्थिरता रही। पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज भी चढ़ा- सीजफायर पर भारत के सहमति जताने से पाकिस्तान के स्टॉक एक्सचेंज भी राहत की सांस ली है। पाकिस्तान शेयर बाजार का बेंचमार्क इंडेक्स कराची स्टॉक एक्सचेंज 100 में सोमवार को शुरुआती कारोबार में 9 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। ब्लूमबर्ग पर उपलब्ध डेटा के अनुसार, केएसई 100 इंडेक्स सुबह 10.20 बजे तक लगभग 9100 अंक या 8.9 प्रतिशत बढ़कर 116,640.94 पर पहुंच गया। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में लगभग 4 प्रतिशत की मजबूत बढ़त देखी गई थी। बढ़त के साथ पाकिस्तान बेंचमार्क इंडेक्स ईयर टू ईयर आधार पर फिर से सकारात्मक हो गया है।

### 4 साल की सबसे बड़ी तेजी

शेयर बाजार की यह तेजी 4 वर्षों में अब तक की सबसे बड़ी तेजी रही, जिससे निवेशकों की कुल संपति में 15 लाख करोड़ से अधिक का इजाफा हुआ।

### तेजी के प्रमुख 5 कारण

सीजफायर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन कम हुई है। इस मामले से जुड़े सभी डेवलपमेंट्स पर निवेशकों की नजर रहेगी। अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ समझौता- दोनों देशों के बीच 90 दिनों के लिए टैरिफ में बड़ी कटौती पर सहमति बनी है, जिससे वैश्विक बाजारों में सकारात्मकता आई। रिटेल महंगाई के अप्रैल महीने के आंकड़े 13 मई को जारी किए जाएंगे। अप्रैल में महंगाई कम होकर 3% से नीचे आने की संभावना है। एमआरएफ, पीएनबी बैंक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, अडानी पोर्ट्स और अडानी एंटरप्राइजेज सहित कई कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा और सैगमेंट में लगभग 5,087 करोड़ रुपए की खरीदारी की।

## भारत ने इस साल अप्रैल तक 4.24 लाख टन चीनी का निर्यात किया : एआईएसटीए

*__नई दिल्ली।__ भारत ने चालू विपणन वर्ष 2024-25 में अप्रैल माह तक 4.24 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। इसमें से 92,758 टन की अधिकतम खेप सोमालिया को भेजी गई है। व्यापार निकाय एआईएसटीए ने सोमवार को यह जानकारी दी।*

चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। भारत में विपणन वर्ष 2024-25 के लिए चीनी निर्यात की अनुमति 20 जनवरी, 2025 को दी गई थी। निर्यात के लिए अनुमति कुल मात्रा 10 लाख टन है।

अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार, मिलों ने चालू विपणन वर्ष में 30 अप्रैल तक कुल 4,24,089 टन चीनी का निर्यात किया है। इसमें से इस साल अप्रैल तक सफेद चीनी का निर्यात 3.27 लाख टन, परिष्कृत चीनी का 77,603 टन और कच्ची चीनी का 18,514 टन रहा है। इसमें कहा गया है कि करीब 25,000 टन चीनी की लोडिंग चल रही है। अब तक किए गए कुल निर्यात में से, अधिकतम खेप सोमालिया को 92,758 टन, उसके बाद अफगानिस्तान को 66,927 टन, श्रीलंका को 60,357 टन और जिबूती को 47,100 टन की खेप भेजी गई है। बयान में कहा गया, ''मौजूदा निर्यात परिदृश्य को देखते हुए, एआईएसटीए को केंद्र सरकार की अनुमति की 10 लाख टन की मात्रा में से 8,00,000 टन चीनी के निर्यात की उम्मीद है। एआईएसटीए ने वर्ष 2025-26 सत्र के लिए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में वृद्धि के अनुरूप चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य में वृद्धि की मांग की।

## भारत ने दिया तुर्की को झटका, उत्पादों की मांग घटी

*__नई दिल्ली।__ भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सीजफायर के बाद कूटनीतिक समीकरणों में बदलाव देखने को मिल रहा है। इस दौरान यह स्पष्ट हुआ कि पाकिस्तान को सबसे बड़ा समर्थन तुर्की की ओर से मिला।*

रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरणों के लिए तुर्की पर भरोसा किया। इसके चलते भारत में तुर्की को लेकर नाराजगी का माहौल बना है और सोशल मीडिया पर बॉयकॉट तुर्की जैसे कैंपेन भी ट्रेंड कर रहे हैं।

**तुर्की से आने वाले उत्पादों पर असर-** भारत में तुर्की से कालीन, फर्नीचर, सजावटी वस्तुएं, जैतून का तेल, सूखे मेवे, टाइल्स, फैब्रिक और पारंपरिक हस्तशिल्प जैसे उत्पादों की मांग खासकर शहरी बाजारों में होती रही है। इसके अलावा तुर्की से आयातित इंडस्ट्रियल मशीनरी और कृषि उपकरणों का इस्तेमाल भी भारत में होता है लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए इन उत्पादों की मांग में गिरावट के संकेत मिल रहे हैं।

**व्यापारिक आंकड़े क्या कहते हैं?-** वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और तुर्की के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10.43 अरब डॉलर रहा, जिसमें भारत का निर्यात 6.65 अरब डॉलर और आयात 3.78 अरब डॉलर था। भारत तुर्की को मशीनरी, लोहे-स्टील, तिलहन और कीमती पत्थर जैसे उत्पाद निर्यात करता है। वहीं, तुर्की से भारत खनिज तेल, फ्लैट स्टील, प्लास्टिक और टेक्सटाइल आयात करता है। हालांकि, फरवरी 2024 से फरवरी 2025 के बीच दोनों देशों के व्यापार में गिरावट दर्ज की गई।

## अमेरिका-चीन ट्रेड डील के बाद टूटा सोने का दाम

*__नई दिल्ली।__ सोने की कीमतों में आज (12 मई 2025) बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ कटौती पर बनी सहमति और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव में कमी के कारण देखी गई है।*

घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर गोल्ड फ्यूचर्स 3,565 रुपए (3.69 प्रतिशत) टूटकर 92,985 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 1.4 प्रतिशत गिरकर 3,277.84 प्रति औंस और गोल्ड फ्यूचर्स 2 प्रतिशत गिरकर 3,279.20 प्रति औंस पर बंद हुआ।

**गिरावट की प्रमुख वजहें-** अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर बड़ी ट्रेड डील की घोषणा। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर से भी भू-राजनीतिक तनाव में कमी। मजबूत डॉलर ने भी सोने की मांग को प्रभावित किया।

**22 अप्रैल को बनाया था ऑल-टाइम हाई-** अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3,500 प्रति औंस तक पहुंचा था, जबकि भारत में यह 1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार चला गया था।

### मुद्रा बाजार

**रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं**

| मुद्रा | रुपया |
|---|---|
| एक अमेरिकी डॉलर | 85. 37 |
| एक यूरो | 94. 85 |
| एक ब्रिटिश पाउंड | 112. 32 |
| एक आस्ट्रेलियन डॉलर | 54. 63 |
| एक जापानी येन | 0. 57 |


**परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.**

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 118 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 126 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-132 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -66 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)


### सराफा बाजार


**दुल्हन श्री आभूषण**
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन ( प्रति 10 ग्राम ) फाइन भाव- 96000 चांदी -98900

**सोहन लाल एण्ड संस**
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन ( प्रति 10 ग्राम ) फाइन भाव- 96000 चांदी -98900


### दाल- चावल भाव


**महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज**
फोन- 4067270, 9826035338

**प्रति क्विंटल-** राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 115000-12000, एकस्ट्रा बोल्ड 13000-13500, चना दाल एवरेज 7200-7300 चना दाल मार्का 7500-7700, मसूर दाल एवरेज 7500-7600, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका9000-9200, फाइन 9200-9500, उड़द धुली 10500-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9800- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4500-4600, फाइन 4600-4800, मुरमुरा- 5800-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।


### लोहा भाव


**अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स**
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।


## चालू वित्त वर्ष में भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 1-2 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद - सुजुकी

*__नई दिल्ली।__ जापान की वाहन कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन ने सोमवार को कहा कि भारतीय बाजार में उसके यात्री वाहनों की कुल थोक बिक्री 2025-26 में लगभग 1-2 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी की भारतीय इकाई मारुति सुजुकी को उम्मीद है कि इस दौरान उसका प्रदर्शन उद्योग के मुकाबले अच्छा रहेगा। कंपनी का इरादा 2025-26 में पूंजीगत व्यय के रूप में कुल 380 अरब येन निवेश करने का है। सुजुकी ने कहा कि भारत में निवेश इसका लगभग 50 प्रतिशत होगा और कंपनी की यात्री वाहनों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना है।*

भारत में वित्त वर्ष 2025-26 के नजरिये पर, सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमसी) ने एक निवेशक प्रस्तुति में कहा, ''हालांकि, एसयूवी बाजार में मजबूत मांग है, लेकिन कॉम्पैक्ट कारों की मांग सुस्त बनी हुई है, और थोक बिक्री के लिए समग्र बाजार में (लगभग) 1-2 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।%% कंपनी 'बीईवी ई विटारा सहित दो नई एसयूवी पेश करने के साथ वृद्धि को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके अलावा इस साल फरवरी में शुरू हआ नया खरखौदा संयंत्र उत्पादन और बिक्री बढ़ाने में योगदान देगा।

एसएमसी ने कहा कि उसने ''380 अरब येन का पूंजीगत व्यय तय किया है, जिसमें से भारत में निवेश लगभग 50 प्रतिशत होगा। यह निवेश मुख्य रूप से उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाएगा। एसएमसी ने कहा कि उसने 2024-25 में भारत से अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और निर्यात की मात्रा 50,000 इकाइयों से बढ़कर 3.33 लाख इकाइयां हो गई है।

## सहकारिता क्षेत्र में नया कानून बनाए

### ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रुकेगा और युवा कमाएंगे धन : नितिन गडकरी

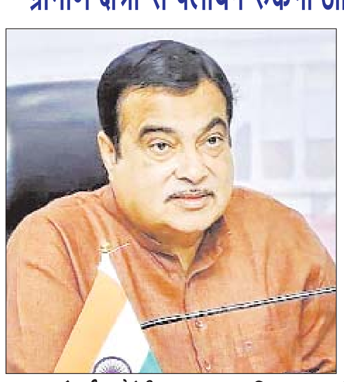

*__मुंबई।__ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उभरती आर्थिक स्थितियों के अनुरूप सहकारी प्रतिष्ठानों को नियंत्रित करने वाले कानूनों में संशोधन की जरूरत पर बल दिया। गडकरी ने यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि सहकारिता क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की वित्तीय स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।*

उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को सुझाव दिया कि वह राज्य में उभरती आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए सहकारिता क्षेत्र के लिए एक नया कानून बनाए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के बीच आर्थिक असंतुलन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विनिर्माण क्षेत्र का योगदान 22-24 प्रतिशत है जबकि सेवा क्षेत्र 52-54 प्रतिशत योगदान के साथ सर्वाधिक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जुटाता है।

उन्होंने कहा कि कृषि एवं ग्रामीण विकास क्षेत्र 60 प्रतिशत आबादी को रोजगार देने के बावजूद केवल 12 प्रतिशत ही योगदान देता है। गडकरी ने कहा, ''ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, नौकरियों और सुविधाओं की कमी होने से लगभग 30 प्रतिशत लोग मजबूरी में शहरों की ओर पलायन कर गए हैं।'' उन्होंने डेयरी क्षेत्र को ग्रामीण आबादी की आय बढ़ाने का मॉडल बताते हुए कहा, ''सहकारी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों के उत्थान और उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।'' इसके साथ ही गडकरी ने खाद्यान्न प्रसंस्करण में शामिल किसान-उत्पादक कंपनियों के सामने आने की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धन होगा और ग्रामीण रोजगार पैदा होगा।

## अनिल अंबानी की कंपनी के हाथ लगी दो बड़ी सफलता

### 13 प्रतिशत उछला भाव, निवेशकों का बढ़ा भरोसा

*__नई दिल्ली।__ अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर की सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस एनयू एनर्जीज को एसजेवीएन लिमिटेड से 175 मेगावाट/700 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के साथ 350 मेगावाट की सोलर प्रोजेक्ट का कॉन्ट्रैक्ट मिला है।*

कंपनी ने इसकी जानकारी सोमवार को साझा की है। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली यह कंपनी 13.60 प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ 43.91 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। सोमवार को मार्केट के बंद होने के समय पर रिलायंस पावर के शेयर 10.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 42.77 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। सोलर प्रोजेक्ट के साथ एकीकृत बीईएसएस चार घंटे के लिए 175 मेगावाट घंटे की बैकअप पावर सप्लाई प्रदान करेगा। पावर सेक्टर की कंपनी रिलायंस पावर को वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 126 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 397.26 करोड़ का घाटा हुआ था।


**देशबन्धु**

**ग्राहक सेवा**

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
**टेलर्स वारिस**
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

**100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज**
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
**डॉ. विश्वास**
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

**प्लॉट उपलब्ध हैं**
न्यू भेड़ाघाट के निकट प्रस्तावित रिंग रोड के पास फार्म हाउस हेतु लगभग 6000, 12000, 18000+ वर्गफुट के प्लॉट @ रु. 350 प्रति वर्गफुट उपलब्ध हैं. संपर्क करें - अनिल यादव, ग्राम सकरी
**संपर्क: 6264760614**
**देवेन्द्र : 9993737969**

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।


## अमेरिका-चीन में 90 दिन का सीजफायर, टैरिफ में की भारी कटौती

*__नई दिल्ली।__ अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर डील हो गई है। सोमवार को चीन ने कहा कि वह अमेरिका से आने वाले सामान पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। रॉयटर्स की खबर के अनुसार चीन ने 24 प्रतिशत के अतिरिक्त टैक्स को 90 दिनों के लिए रोक दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने कहा है कि चीन से आने वाले ज्यादातर सामान पर टैरिफ 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया जाएगा।*

यह व्यवस्था 14 मई से लागू होगी और शुरुआत में 90 दिन के लिए रहेगी। दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच स्विट्जरलैंड के जेनेवा में दो दिन तक बैठक चली थी। चीन ने कहा है कि वह अमेरिकी सामान पर पहले लगाए गए 91 प्रतिशत के अतिरिक्त टैक्स को भी हटा देगा। दोनों देशों के बीच हुई इस डील से उन उद्योगों को राहत मिलेगा जो टैरिफ की वजह से बहुत परेशान थे। टैरिफ में यह कमी चीन की तरफ से आर्थिक तनाव को कम करने और अमेरिका के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश है। इस घोषणा से पता चलता है कि दोनों देशों के बीच तनाव कम हो सकता है। पिछले कुछ महीनों से दोनों देशों के बीच टैरिफ को लेकर काफी तनातनी चल रही थी।

**अमेरिका ने क्या कहा-** चीन ने यह भी कहा है कि वह 2 अप्रैल, 2025 से अमेरिका पर लगाए गए सभी नॉन-टैरिफ उपायों को हटाने के लिए जरूरी कदम उठाएगा। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी किया है।

### दुनिया भर के शेयर बाजार झूमे

अमेरिका और चीन के बीच डील से दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी आई है। हॉन्ग कॉन्ग के शेयर बाजार में 3.4 प्रतिशत की तेजी आई। यूरोप में जर्मनी का डॉक्स इंडेक्स 1.2 फीसदी और फ्रांस के सीएसी इंडेक्स में 1 प्रतिशत तेजी आई। लंदन का एफटीएसई इंडेक्स 0.3 प्रतिशत उछला। यूएस फ्यूचर में भी तेजी आई है। शुरुआती कारोबार में यूएस डॉलर में मजबूती आई है। आईसीई डॉलर इंडेक्स 1.3 प्रतिशत उछलकर 102 पर पहुंच गया।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * ( * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

# काली घाट में डूबने से पुलिस कर्मियों के दो बेटों की मौत

## दोस्तों के साथ नहाने पहुंचे थे

**जबलपुर, देशबन्धु।** ग्वारीघाट थाना अंतर्गत नर्मदा नदी के काली घाट में सोमवार दोपहर लगभग 12 बजे दो पुलिस कर्मियों के दो बेटों की डूबने से मौत हो गई। दोनों लड़के अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ कालीघाट में नहा रहे थे, इस दौरान गहराई में जाकर डूब गए।

खबर मिलते ही ग्वारीघाट थाना पुलिस व गोताखोर पहुंच गए, जिन्होंने दोनों को तलाश कर निकाल लिया। उस वक्त दोनों की मौत हो चुकी थी। खबर है कि बरेला निवासी सुमित दुबे व बृजेंद्र मरकाम अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ नर्मदा स्नान के लिए मोटर साइकल से नर्मदा नदी के कालीघाट पहुंचे। जहां पर सभी पांचो दोस्त नहा रहे थे। नहाते-नहाते सुमित और बृजेंद्र गहराई में जाकर डूबने लगे। दोस्तों ने देखा तो शोर मचाते हुए बचाने की कोशिश की। यहां तक कि आसपास के लोगों ने भी प्रयास किए लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण दोनों लड़के बह गए और आगे जाकर गुम हो गए।

सुमित व ब्रजेन्द्र के डूबने की खबर मिलते ही ग्वारीघाट थाना पुलिस व गोताखोर टीम पहुंच गई, जिन्होंने तलाश शुरु कर दी।

दोनों घटना स्थल से करीब 100 मीटर दूर मिले, जिन्हे बाहर निकाला उस वक्त तक दोनों की सांसे थम चुकी थी। हादसे की खबर मिलते ही परिजन, रिश्तेदारों सहित अन्य लोग पहुंच गए, जिन्होने सुमित व ब्रजेन्द्र को देखा तो उनकी आंखे नम हो गई। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि 17 वर्षीय सुमित दुबे व बृजेंद्र मरकाम ने 12वीं कक्षा पास की है।

सुमित के पिता ग्वारी घाट थाने में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। जबकि बृजेंद्र के पिता संतोष मरकाम पन्ना जिले में सब इंस्पेक्टर के पद पर हैं। ग्वारी घाट थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजकर मर्ग कायम कर लिया है।

# तीन वाहन टकराये, महिला की मौत, 3 गंभीर

**रीवा देशबन्धु।** जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बदवार टनल के पास बीती देर रात हुए सड़क हादसे में एक-एक कर तीन वाहन टकरा गए जिसमें एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में राजेश कोरी निवासी जनकपुर कुचवाही जिला सीधी ने जानकारी देते हुए बताया कि वह पिकअप वाहन से परिवार वालों के साथ मैहर देवी दर्शन करने जा रहा था रात करीब 12.30 बजे जैसे ही पिकअप वाहन टनल क्रॉस कर बदवार के समीप पहुंचा तभी सभी लोग पिकअप वाहन को किनारे खड़ा कर बाथरूम करने उतरे इसी दौरान एक बोलेरो और डंपर में सीधी टक्कर हो गई, जिसके

बाद बोलेरो पिकअप में भी जा टकराया इस दौरान पिकअप में सवार उसकी मां सुनीता कोरी चपेट में आ गई। जिसके चलते उसकी मौत हो गई जबकि पिकप में सवार तीन अन्य लोगों को भी चोटे आई हैं राजेश ने बताया कि घटना के दौरान ज्यादातर लोग पिकअप वाहन से नीचे उतर गए थे जिसके चलते और लोग सुरक्षित बच गए जबकि सुरेश कोरी और पानकली रावत को चोटे आई हैं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजवाया है।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज जबलपुर आयेंगे

**जबलपुर, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंगलवार 13 मई को भोपाल से वायुयान द्वारा शाम 4 बजे जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां शाम 4.25 बजे बरगी हिल्स स्थित आईटी पार्क में आयोजित समारोह में सांदीपनि स्कूल का भूमिपूजन करेंगे तथा शाम 5.20 बजे अपोलो हॉस्पिटल में राधाकृष्णा जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे और अस्पताल का अवलोकन करेंगे। मुख्य मंत्री डॉ. यादव का शाम 6.05 बजे से 6.30 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री शाम 6.55 बजे जबलपुर से भोपाल के लिए प्रस्थामन करेंगे।

# मृत्यु का कारण गलत बताकर पुलिस को किया गुमराह

## खदान संचालक, पिता सहित पांच व्यक्ति गिरफ्तार

**जबलपुर, देशबन्धु।** बालाघाट जिले के तिरोड़ी पुलिस थाना अंतर्गत मिरगपुर ग्राम में स्थित डी पी राय की भूमिगत खदान में रात्रिकालीन शिफ्ट में कार्य के दौरान चट्टान गिरने से एक श्रमिक की मलबे में दबकर हुई मौत हो गयी थी। खदान प्रबंधन द्वारा घटना के संबंध में पुलिस को सूचना नहीं दी गयी थी। साक्ष्यों को साक्ष्य छुपाते हुये झूठी कहानी गढ कर मौत को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया था। पुलिस ने खदान मालिक सहित 5 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मृतक का पिता भी शामिल है।

थाना तिरोड़ी में पदस्थ उप निरीक्षक उमेश दियेवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 फरवरी 2025 की देर रात्रि में मिरगपुर स्थित डी पी राय की भूमिगत खदान में आयुष पिता किशोर लिल्हारे उम्र 22 वर्ष की खदान में कार्य करते समय मलबे में दबकर मृत्यु हो गई थी। मृतक का पिता किशोर पिता प्रेमचंद लिल्हारे 54 वर्ष वार्ड 16 ने बताया था कि पेड काटने के दौरान घटित घटना में उसके बेटे की मृत्यु हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में आया था।

पुलिस ने जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर पाया कि पुलिस को मृत्यु का कारण गलत बताकर गुमराह किया जा रहा है। खदान संचालक,मृतक के पिता सहित पांच लोगों ने मृत्यु का वास्तविक कारण छुपाया है। पुलीस ने राहुल पिता महेश शर्मा 58 वर्ष ग्राम पाण्डरवानी थाना तिरोड़ी, मुकेश पिता सुरजलाल ठाकरे 26 वर्ष गजपुर थाना कटंगी, अभिषेक राय पिता विभूतिभूषण राय 51 वर्ष रामदासपेठ नागपुर, मोहम्मद सलाउद्दीन पिता जुनूनमोहम्मद मलिक 34/ए गांधी लेआउट जफर नगर नागपुर महाराष्ट्र एवं मृतक के पिता किशोर पिता प्रेमचंद लिल्हारे 54 वर्ष वार्ड 16 गुडरूघाट थाना तिरोडी को धारा 106 (1),239,240,61(2)बीएनएस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर गिरफतार किया गया।

# स्मॉल होल्डर पोल्ट्री स्कीम के बाद अब पशु चिकित्सा विभाग में बिजली घोटाला

## संयुक्त संचालक डॉ. एच एस पक्षवार के खिलाफ जांच के आदेश

**जबलपुर, देशबन्धु।** कोई सरकारी कार्यालय हो या फिर किसी के घर में बिजली संबंधी कार्य में यदि एक साधारण सीलिंग फैन और दो ट्यूब लाइट लगाई जाए तो कितना खर्च आएगा। आप कह सकते हैं कि ज्यादा से ज्यादा दो तीन हजार रुपए का भुगतान करना होगा। यदि छिंदवाड़ा के पशु चिकित्सा विभाग के शीर्ष अधिकारियों के दृष्टिकोण से देखें तो आपका यह अनुमान गलत साबित होगा क्योंकि इसी कार्य का बजट उन्होंने न सिर्फ 50 हजार रुपए से 1 लाख 34 हजार रुपए बनाया है बल्कि विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण मरम्मत कार्य के नाम पर शासन को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। चौकाने वाली बात होगी कि नहार अधिकारियों ने उन शासकीय भवनों में भी पंखे ओर लाइट के नाम पर हजारों रुपयों का बिल बनाया जहां बिजली ही नहीं हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद पशु चिकित्सा विभाग के जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक डॉ. जे पी शिव ने इस मामले में छिंदवाड़ा के पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक डॉ. एच.जी. एस पक्षवार सहित अन्य अधिकारियों की जांच के निर्देश दिए हैं।

### स्वयं के कार्यालय में दिखाया 1 लाख 34 हजार का खर्च

स्मॉल होल्डर पोल्ट्री स्कीम घोटाले में सुर्खियों में आए पशु चिकित्सा विभाग के अत्यधिक विवादित उपसंचालक डॉ. एच. जी. एस पक्षवार ने कथित तौर पर इस बार विभागीय परिसंपत्तियों में संधारण मरम्मत कर्ा के नाम पर सागर जिले के साथ मिलकर शासन को करीब 1 करोड़ 29 लाख 31 हजार रुपए का चूना लगाया हैं। इसके स्वीकृति आदेश के अनुसार डॉ. पक्षवार ने स्वयं के कार्यालय में 1 लाख 34 हजार का जबकि पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला छिंदवाड़ा एवं पशु चिकित्सालय सौंसर, रामाकोना, लोधीखेड़ा, पीपलनारायणवार, पांढुर्ना, सिराठा, मारुड़ में करीब 1-1 लाख रुपए का तथा देवी, बैरागढ़, सावंगा, साईंखेड़ा, रामपेठ, मोहगांव में करीब 83 लाख रुपए का, कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र पांढुर्ना, सौंसर में करीब 1 लाख एवं खुटामा, पीपलकन्हान, बेरड़ी, सतनूर, पारडसिंगा, बोरगांव, रिधोरा, बनाबकोड़ा, छत्रापुर, जाम के गर्भाधान केंद्रों में करीब 50 हजार की राशि शासन से आहरित की गई हैं। यही नहीं उन केंद्रों में 50 हजार से 83 हजार की राशि का खर्च दिखाया गया हैं जो जर्जर हैं, निजी भवन में हैं या फिर जिनमें बिजली ही नहीं हैं।

### समाजसेवियों ने किया खुलासा

इस मामले में क्षेत्र में राजनीति से जुड़े एवं समाजसेवी श्रीचंद चौरिया ने पशु चिकित्सा विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. शिव को हस्ताक्षरित शिकायत में आरोप लगाया हैं कि जिले में स्मॉल होल्डर पोल्ट्री योजना में उजागर हुए घोटाले के बाद अब पशु चिकित्सा विभाग में भी बड़े पैमाने पर बिजली फिटिंग घोटाले का मामला सामने आया है। विभागीय भवनों में नाम मात्र की बिजली फिटिंग कर लाखों रुपये के बिल निकाल लिए गए। उन्होंने अपने स्तर पर जांच में पाया है कि कई स्थानों पर केवल एक पंखा और दो बल्ब लगाए गए हैं लेकिन बिल में बड़ी रकम दर्शाई गई है। हैरानी की बात यह है कि कुछ ऐसे भवनों में भी बिजली फिटिंग दिखा दी गई है, जो वर्षों से उपयोग में नहीं हैं या कंडम घोषित किए जा चुके हैं। उन्होंने शिकायत में आरोप लगाया हैं कि बिना उपयोग और बिना निवास वाले भवनों में भी फर्जी बिजली सामग्री की आपूर्ति और भुगतान दर्शाया गया है। इसके लिए कागजी खानापूर्ति कर भुगतान पास किए गए। विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से इस गड़बड़ी को अंजाम दिया गया, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। श्री चौरिया ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की उम्मीद जताई है।

### स्मॉल होल्डर पोल्ट्री स्कीम के बाद दूसरा बड़ा घोटाला

कंडम और बगैर बिजली वाले भवनों में भी बिजली फिटिंग के नाम पर शासन को लाखों का चूना लगाने वाला यह मामला छिंदवाड़ा में सुर्खियों में आए स्मॉल होल्डर पोल्ट्री स्कीम के वर्तमान में पशु चिकित्सा विभाग का यह दूसरा ऐसा बड़ा मामला हैं जो यहां करीब 30 वर्षों से अंगद की तरह पैर जमाए उपसंचालक डॉ. एच. जी. एस पक्षवार के कार्यकाल में सुर्खियों में आया हैं।

### जल्द कराई जाएगी जांच

मामला मेरे संज्ञान में आया हैं जिसमें आरोप लगाया गया हैं कि बिना बिजली वाले शासकीय भवनों में भी पंखों और लाइट के नाम पर हजारों रुपए का बिल बना कर पास कराया गया हैं। मामले में उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ. एच. जी. एस पक्षवार को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया हैं जल्द ही मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी।

– **डॉ. जे पी शिव,** संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा विभाग


**J.B.F.A.**

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

| | | |
|---|---|---|
| मुर्गा छोटा | - | रु. 132 |
| मुर्गा मीडियम | - | रु. 126 |
| मुर्गा बड़ा | - | रु. 118 |
| मुर्गा जम्बो | - | रु. 118 |

मो..-9039925000, 9425800409

**सोनू पोल्ट्री**

| | |
|---|---|
| बड़ा ब्रॉयलर | - रु. 114 |
| मीडियम ब्रॉयलर | - रु. 122 |
| छोटा ब्रॉयलर | - रु. 128 |

मोबाइल नं. 9300692405

FOR PRIVATE SCREENING CALL +918435552143
FOR ONLINE BOOKING & OFFER BOOK FROM BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889
समदड़िया सिनेमा

RAID-2: 10:30AM 01:00PM 02:30PM 04:00PM 05:15PM 07:00PM 08:00PM 09:30PM 10:45PM
THUNDERBOLTS 3D(hindi): 10:30AM 03:00PM 08:00PM
THE BHOOTNI: 12:45PM 05:30PM 10:30PM
KESARI-2: 01:00PM 09:00PM
HIT The third Case (hindi): 10:00AM 03:30PM
PHULE (hindi): 12:00PM 06:30PM


# युद्ध की चिंता में तनाव का शिकार हो रहे लोग

## मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा दुष्प्रभाव, मनोचिकित्सकों की ले रहे सलाह

**जबलपुर, देशबन्धु।** भारत पाक के बीच चल रहे तनाव में युद्धविराम हो चुका हैं लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के मन-मस्तिष्क में युद्ध को लेकर जो उहापोह चल रही हैं उस चिंता में वे न सिर्फ तनाव का शिकार हो रहे हैं बल्कि इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा हैं। मनोचिकित्सकों की मानें तो शहर मे ऐसे लोगों की संख्या सैकड़ों में हैं जिन्होंने परामर्श या फिर काउंसलिंग की मदद ली हैं।

लोगों में सर्वाधिक तनाव की वजह भारत-पाक तनाव के दौरान लोगों के दिमाग पर सर्वाधिक दुष्प्रभाव डालने वाली वजह भारत-पाक तनाव से जुड़ी भ्रामक खबरें, रील्स को बताया जा रहा हैं जो इस तनाव के दौरान तेजी से बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार डर और घबराहट भरी खबरें मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही हैं।

### सोशल मीडिया बेहद खतरनाक

विशेषज्ञों की मानें तो भारत-पाक तनाव से जुड़ी भ्रामक खबरों का असर आम नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ऐसे में तनाव अब सिर्फ दो देशों के बीच नहीं बल्कि लोगों के दिमाग में प्रवेश कर चुका है। हाल के दिनों में नई मानसिक स्थिति युद्ध तनाव (वॉर एंग्जायटी) के मामले उभरने लगे हैं। इसका सीधा संबंध युद्ध की आशंका से जुड़ी नकारात्मक खबरों से है, जो आम व्यक्ति के भीतर डर, घबराहट और बेचैनी को जन्म दे रही हैं।

### जब दिमाग में चलने लगे युद्ध

मनोचिकित्सकों के मुताबिक, वॉर एंग्जायटी एक ऐसी मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को युद्ध, हमले या भयावह परिदृश्य की कल्पना से तनाव होता है। जब व्यक्ति लगातार टीवी, मोबाइल या सोशल मीडिया पर डर फैलाने वाली खबरें देखता, सुनता या पढ़ता है, तो उसकी सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है।

# मिला शव, हत्या की आशंका

**सीधी, देशबन्धु।** शहर के मध्य स्थित छत्रसाल स्टेडियम के पीछे सुख नाले के पास सोमवार दोपहर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। यह मामला तब सामने आया जब दोपहर करीब 12 बजे स्थानीय लोगों ने देखा कि नाले के ऊपर बड़ी संख्या में पक्षी मंडरा रहे थे।

नेशनल हॉस्पिटल
स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612
C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त
सुपर स्पेशिलिटी विभाग
● हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) ● न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) ● यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) ● शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) ● हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) ● छाती रोग ● नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) ● स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) ● नेत्र रोग ● शिशु रोग
28 वर्षो से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान